● वर्ष : 17 ● अंक : 111 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928
www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

दिल्ली से प्रकाशित रविवार 8 फरवरी 2026 लोकतंत्र का स्तंभ

भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के ढांचे से मेक इन इंडिया और रोजगार को बढ़ावाः पीएम

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते के लिए तैयार किए गए ढांचे का स्वागत करते हुए इसे दोनों देशों के लिए बड़ी और सकारात्मक उपलब्धि बताया है। उन्होंने कहा कि यह ढांचा भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी की गहराई, विश्वास और सक्रियता को दर्शाता है तथा इससे मेक इन इंडिया अभियान को नई मजबूती मिलेगी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की एक्स पर भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर की गई पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने के लिए उनके व्यक्तिगत योगदान के लिए धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह अंतरिम व्यापार समझौता किसानों, उद्यमियों, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों, स्टार्टअप नवोन्मेषकों और मछुआरों के लिए नए अवसर खोलेगा, जिससे देश में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन होगा, खासकर महिलाओं और युवाओं के लिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह समझौता भारत और अमेरिका के बीच निवेश और प्रौद्योगिकी साझेदारी को और गहरा करेगा तथा भरोसेमंद और सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूती प्रदान करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि इससे न केवल दोनों देशों की अर्थव्यवस्था को लाभ होगा, बल्कि वैश्विक विकास को भी गति मिलेगी। विकसित भारत के लक्ष्य को दोहराते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत भविष्य उन्मुख वैश्विक साझेदारियों के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, जो जनता को सशक्त बनाए और साझा समृद्धि को बढ़ावा दे। प्रधानमंत्री ने इसे भारत और अमेरिका दोनों के लिए शानदार खबर बताया। उन्होंने कहा कि यह ढांचा दोनों देशों के बीच नवाचार, निवेश और तकनीकी सहयोग को नई दिशा देगा तथा वैश्विक आपूर्ति तंत्र को और अधिक मजबूत बनाएगा। उन्होंनें कहा कि भारत जैसे-जैसे विकसित भारत की ओर आगे बढ़ रहा है, वैसे-वैसे वह ऐसी वैश्विक साझेदारियों के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध रहेगा जो जनता को केंद्र में रखती हों और विश्व स्तर पर साझा विकास में योगदान दें। इससे पहले दोनों देशों के बीच अंतरिम व्यापार समझौते को केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एक्स पर भारत की अर्थव्यवस्था, निर्यात और रोजगार के लिए एक ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्णायक नेतृत्व में भारत ने अमेरिका के साथ यह महत्वपूर्ण ढांचा तैयार किया है, जिससे भारतीय निर्यातकों के लिए 30 ट्रिलियन डॉलर के विशाल अमेरिकी बाजार के द्वार खुलेंगे। पीयूष गोयल ने कहा कि इस समझौते से विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों, किसानों और मछुआरों को बड़ा लाभ मिलेगा। निर्यात में बढ़ोतरी से महिलाओं और युवाओं के लिए लाखों नए रोजगार अवसर सृजित होंगे। इस ढांचे के तहत अमेरिका भारतीय वस्तुओं पर पारस्परिक शुल्क घटाकर 18 प्रतिशत करेगा, जिससे वस्त्र एवं परिधान, चमड़ा और फुटवियर, प्लास्टिक और रबर उत्पाद, ऑर्गेनिक केमिकल्स, होम डेकोर, हस्तशिल्प उत्पाद और चुनिंदा मशीनरी जैसे क्षेत्रों में भारतीय निर्यात को बड़ी बढ़त मिलेगी।

भारत-अमेरिका समझौते को गडकरी, राजनाथ समेत तमाम मंत्रियों ने बताया ऐतिहासिक कदम

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा तैयार होने पर दोनों देशों की तरफ से जारी किए गए संयुक्त वक्तव्य को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, राजनाथ सिंह, सर्बानंद सोनोवल सहित तमाम नेताओं ने इसे भारत में विकास को बढ़ावा देने वाला बताया। इन मंत्रियों ने इसको एमएसएमई, उद्यमियों, किसानों, स्टार्टअप्स और श्रमिकों के लिए नए अवसरों के द्वार खोलने वाला बताया। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एक्स पोस्ट में कहा कि यह समझौता भारत के किसानों, उद्यमियों और मत्स्य क्षेत्र के लिए नए अवसर खोलेगा और बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा करेगा। उन्होंने इसे नवाचार, निवेश और तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देने वाला बताया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसे भारत की आर्थिक यात्रा का रणनीतिक पड़ाव बताते हुए कहा कि इससे निर्यात बढ़ेगा, निवेश आएगा और किसानों के हित सुरक्षित रहेंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों की सराहना की। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि डेयरी, फल, सब्जियां, मसाले और अनाजों को संरक्षित किया गया है, जिससे किसानों के हित सुरक्षित रहेंगे और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में कदम मजबूत होगा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस ढांचे को आपसी फायदे वाला बताते हुए कहा कि अंतरिम समझौते का यह ढांचा भारत अमेरिका व्यापार समझौते के तहत दोनों देशों को फायदा पहुंचाएगा। यह ढांचा हमारे निर्यात के लिया बड़े बाजार तक पहुंच और मौके को पक्का करेगा। नए रास्ते खुले हैं जो मेक इन इंडिया को और बढ़ावा देंगे। बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने इसे बहुत बड़ा ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि इससे परस्पर बाजार पहुंच सुनिश्चित होगी, टैरिफ तर्कसंगत होंगे और सप्लाई चेन मजबूत होगी। उन्होंने इसे वैश्विक स्थिरता का आधार बताया।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

प्राकृतिक असंतुलन से आ रहे लगातार भूकंप और तीव्र तूफान?

मानव समाज ने विकास के नाम पर जिस क्रूरता से प्रकृति-प्रदत्त हरे-भरे जंगलों और पर्वत श्रंखलाओं को नष्ट किया है उसके अब दूष्परिणाम सामने आने लगे हैं। मानव ने जंगलों को खत्म कर कंक्रीट के जंगल खड़े किए, बहुतायत में पहाड़ों को समतल किया गया और भूमिगत जल के साथ ही तमाम तरह की खनिज संपदा निकालकर पृथ्वी को अंदर से भी खोखला कर दिया। ये वो प्राकृतिक चीजें हैं जो पृथ्वी के संतुलन को बनाए रखती हैं, जब यही असंतुलित हो गईं तो फिर प्रकृति खुद अपना संतुलन तो बनाएगी ही। इसलिए पिछले कुछ वर्षों में दुनिया के अलग–अलग हिस्सों से लगातार भूकंप के झटकों, तीव्र तूफानों, भीषण बारिश, बाढ़ और सुप्त ज्वालामुखियों के सक्रिय होने की खबरें सामने आ रही हैं।

इन घटनाओं को केवल संयोग नहीं कह सकते हैं। दरअसल ये पृथ्वी की भूगर्भीय गतिविधियों और तेजी से बिगड़ते प्राकृतिक संतुलन की ओर इशारा कर रही हैं। प्रकृति मानो यह संकेत दे रही है कि वह अपने भीतर जमा दबाव को बाहर निकालने की प्रक्रिया में है, जिसे वैज्ञानिक भाषा में टेक्टोनिक प्लेटों की हलचल और जलवायु परिवर्तन से जोड़कर देखा जाता है। भूगाल की भाषा में कहें तो भूकंप पृथ्वी की आंतरिक प्लेटों के आपसी टकराव, खिसकने या टूटने का परिणाम होते हैं। प्रशांत महासागर का 'रिंग ऑफ फायर' क्षेत्र इसका प्रमुख उदाहरण है, जहां दुनिया के लगभग 90 प्रतिशत भूकंप आते हैं और कई ज्वालामुखी सक्रिय रहते हैं। यह क्षेत्र लंबे समय से भूगर्भीय रूप से संवेदनशील रहा है, लेकिन हाल के वर्षों में इसकी गतिविधियों में तेजी आई है। इसके साथ ही, यूरोप, एशिया और अमेरिका जैसे क्षेत्रों में भी असामान्य भूकंपीय गतिविधियां देखी जा रही हैं, जो पृथ्वी के भीतर बढ़ते असंतुलन का संकेत मानी जा सकती हैं।

दूसरी ओर, मौसम संबंधी आपदाएं भी इसी कड़ी का हिस्सा हैं। हाल ही में यूरोप के इबेरियन प्रायद्वीप पर स्टॉर्म लियोनार्डो ने भारी तबाही मचाई। स्पेन और पुर्तगाल में मूसलाधार बारिश और तेज हवाओं के कारण नदियां उफान पर आ गईं, बाढ़ जैसे हालात बने और हजारों लोगों को अपने घर छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। अकेले स्पेन के अंडालूसिया क्षेत्र में 11 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया, जबकि पुर्तगाल के कई शहरों में आपातकाल लागू करना पड़ा। स्थिति की गंभीरता इस बात से समझी जा सकती है कि लियोनार्डो के गुजरने के बाद भी खतरा टला नहीं है। मौसम विभाग चेतावनी दे चुका है कि मार्ता तूफान तट से टकरा सकता है, जिसकी रफ्तार 100 किलोमीटर प्रति घंटे तक हो सकती है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

सुपीम कोर्ट ने नाबालिग को 30 हफ्ते की प्रेग्नेंसी को गर्भपात की दी अनुमति

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को 17 साल की एक नाबालिग लड़की की 30 हफ्ते की प्रेग्नेंसी को गर्भपात करने की अनुमति दे दी। कोर्ट ने कहा कि किसी महिला, खासकर नाबालिग को, उसकी इच्छा के खिलाफ प्रेग्नेंसी जारी रखने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जवल भुयान की बेंच ने बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश को रद्द कर दिया। कोर्ट के सामने मामला एक नाबालिग लड़की का था, जो पड़ोस के एक लड़के के साथ रिश्ते के दौरान प्रेग्नेंट हो गई थी और उसने मांग की है कि उसकी प्रेग्नेंसी खत्म कर दी जाए। कोर्ट ने हॉस्पिटल को निर्देश दिया कि वे सावधानियों को ध्यान में रखते हुए लड़की का गर्भपात करें। मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट में कहा गया था कि यदि गर्भावस्था को पूरा समय दिया जाए तो मां और बच्चे की जान को कोई खतरा नहीं है। इसके बावजूद कोर्ट ने कहा कि मां की इच्छा और उसका अपने शरीर पर अधिकार सबसे ज्यादा जरूरी है। अगर कोई महिला, खासकर नाबालिग प्रेग्नेंसी जारी नहीं रखना चाहती तो कोर्ट उसे मजबूर नहीं कर सकता। कोर्ट ने सवाल उठाया कि जब 24 हफ्ते तक गर्भपात की अनुमति हो सकती है, तो फिर 30 हफ्ते में क्यों नहीं।

यूएस में फार्मा उत्पाद समेत इन बस्तुओं पर लगेगा जीरो टैरिफ, पीयूष गोयल ने बताई पूरी लिस्ट

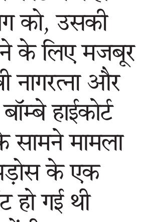

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते (इंटरिम ट्रेड डील) का फ्रेमवर्क जारी होने के बाद केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसके प्रमुख बिंदुओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस समझौते के तहत अमेरिका ने भारत से निर्यात होने वाली कई अहम वस्तुओं पर 0 प्रतिशत टैरिफ लगाने का फैसला किया है, जबकि भारत ने कृषि और डेयरी क्षेत्र में किसी भी तरह की रियायत नहीं दी है। पीयूष गोयल ने स्पष्ट किया कि अमेरिका ने जिन भारतीय उत्पादों पर शून्य शुल्क लागू किया है, उनमें जेम्स एंड ज्वैलरी, डायमंड्स, फार्मा उत्पाद, स्मार्टफोन्स, मसाले, चाय, कॉफी, नारियल, नारियल तेल, वेजिटेबल ऑयल, काजू, कई फल और सब्जियां शामिल हैं। इसके अलावा केला, आम, अनानास, मशरूम, वेजिटेबल रूट्स, कोको और उससे बने उत्पाद, प्रोसेस्ड फूड जैसे अमरूद का जैम, एयरक्राफ्ट पार्ट्स, मशीनरी पार्ट्स, एल्यूमिनियम पार्ट्स, जिंक ऑक्साइड, मिनरल्स, नेचुरल रबर, एसेंशियल ऑयल और प्लैटिनम कॉइंस जैसी वस्तुओं को भी 0 टैरिफ का लाभ मिलेगा। केंद्रीय मंत्री ने दो टूक कहा कि भारत ने अपने किसानों और डेयरी सेक्टर के हितों से कोई समझौता नहीं किया है। उन्होंने बताया कि अमेरिका को मीट, पोल्ट्री, डेयरी उत्पाद, चीनी, सोयाबीन, मक्का, चावल, गेहूं, ज्वार, बाजरा, रागी, अमरनाथ, फल, ग्रीन टी, कोको, चना, एनिमल सीड्स, नॉन-एल्कोहलिक प्रोडक्ट्स, इथेनॉल और तंबाकू जैसे कृषि एवं उससे जुड़े उत्पादों पर कोई छूट नहीं दी गई है।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील अर्थव्यवस्था पर डालेगा गंभीर असरः कांग्रेस

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को देश के लिए नुकसानदेह बताते हुए कहा है कि यह भारत को अमेरिका का 'डंपिंग ग्राउंड' बना देगा और किसानों व अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर डालेगा। पार्टी के मीडिया विभाग प्रमुख पवन खेड़ा ने आज यहां पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापार अधिशेष (ट्रेड सरप्लस) वाला साझेदार रहा है। दशकों तक भारत ने अमेरिका को भारी मात्रा में निर्यात कर अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत किया। लेकिन ट्रंप प्रशासन की इस डील से भारत को अगले पांच साल में 500 बिलियन डॉलर का आयात करना होगा यानी आयात तीन गुना बढ़ाना पड़ेगा। इससे भारत की आत्मनिर्भरता को नुकसान पहुंचेगा। भारत आखिर अमेरिका से क्या खरीदेगा, इसका जवाब सरकार के पास नहीं है। उन्होंने कहा कि वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह बताया कि भारत अमेरिका से क्या नहीं लेगा लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया कि क्या-क्या आयात होगा। इस डील से किसानों की कमर टूटेगी और अमेरिकी किसानों को भारत का बड़ा बाजार मिल जाएगा। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि इस समझौते में भारत को रियायत नहीं बल्कि नुकसान मिला है। पहले 3 प्रतिशत टैरिफ को बढ़ाकर 50 प्रतिशत किया गया और अब घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है, जिसे सरकार उपलब्धि बता रही है। खेड़ा ने आरोप लगाया कि अमेरिका के बयान में कहा गया है कि अब भारत पर नजर रखेगा और रूस से तेल खरीदने पर फिर से टैरिफ लगाया जा सकता है।

भारतीय तटरक्षक बल ने अंतरराष्ट्रीय तेल तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया, तीन विदेशी जहाज जब्त

एजेंसी। नई दिल्ली

तेल कार्गो के अवैध हस्तांतरण में शामिल नेटवर्क कर रहा था टैक्स की चोरी

भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने सुनियोजित समुद्री हवाई समन्वित अभियान के जरिए अंतरराष्ट्रीय तेल तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। इस अभियान से संघर्षग्रस्त क्षेत्रों से उत्पन्न होने वाले भारी मात्रा में तेल और तेल-आधारित कार्गो के अवैध हस्तांतरण में शामिल नेटवर्क ध्वस्त हुआ है। आईसीजी ने तीन विदेशी जहाजों को जब्त कर लिया है, जिन्हें आगे की जांच के लिए मुंबई बंदरगाह पर लाया जा रहा है। आईसीजी के कमांडर अमित उनियाल ने बताया कि 5 फरवरी को मुंबई से लगभग 100 समुद्री मील पश्चिम में भारतीय तटरक्षक बल के जहाजों ने तीन संदिग्ध जहाजों को रोका। आईसीजी की विशेषज्ञ बोर्डिंग टीमों ने जहाजों की लगातार तलाशी ली और जहाज पर बरामद इलेक्ट्रॉनिक डेटा की पुष्टि की। दस्तावेज का सत्यापन करके चालक दल के सदस्यों से विस्तृत पूछताछ की गई। घटनाक्रम की पूरी जानकारी जुटाने के बाद आपराधिक कार्यप्रणाली की पुष्टि हुई। उन्होंने बताया कि तस्करी करने वाले गिरोह ने एक ऐसी कार्यप्रणाली अपनाई, जिसमें सस्ते तेल को समुद्री जहाजों से ले जाकर अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में मोटर टैंकरों में स्थानांतरित किया जाता था। प्रारंभिक जांच से पता चला कि गिरोह में कई देशों के काम करने वाले दलाल शामिल थे, जो समुद्र में जहाजों के बीच माल की बिक्री और हस्तांतरण करते थे। आईसीजी की तकनीक आधारित निगरानी प्रणालियों से पता चलने के बाद भारतीय विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) के भीतर संदिग्ध गतिविधि में लिप्त एक मोटर टैंकर की पहचान की गई। इसके बाद जहाजों की आवाजाही की डिजिटल जांच और डेटा पैटर्न विश्लेषण से टैंकर की ओर आ रहे दो अतिरिक्त जहाजों की पहचान हुई, जिन पर अवैध रूप से तेल के जहाज-से-जहाज पर हस्तांतरण में शामिल होने का संदेह था, जिससे भारत सहित तटीय राज्यों को देय भारी शुल्क की चोरी हो रही थी।

ब्रिटेन की अदालत ने नीरव मोदी की याचिका खारिज की, बैंक ऑफ इंडिया का मुकदमा तय समय पर चलेगा

लंदन। लंदन हाईकोर्ट ने हीरा कारोबारी नीरव मोदी को बड़ा झटका देते हुए बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) के बकाया ऋण से जुड़े मुकदमें को स्थगित करने की उसकी याचिका खारिज कर दी है। भगोड़े नीरव मोदी ने दृष्टिहीनता, अवसाद और जेल की परिस्थितियों का हवाला देते हुए सुनवाई टालने की मांग की थी, लेकिन अदालत ने इसे स्वीकार नहीं किया। यहां बताते चलें कि 54 वर्षीय नीरव मोदी पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) से जुड़े करीब दो अरब अमेरिकी डॉलर के धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में भारत प्रत्यर्पण का सामना कर रहा है। वह उत्तरी लंदन की एचएमपी पेंटनविले जेल में बंद है और बैंक ऑफ इंडिया के लगभग 80 करोड़ अमेरिकी डॉलर के अलग मामले में वीडियो लिंक के जरिए मुकदमा-पूर्व समीक्षा के लिए पेश हुआ। मामले की सुनवाई कर रहे जस्टिस साइमन टिंकलर ने कहा कि नीरव मोदी को मुकदमे में किसी तरह की "महत्वपूर्ण क्षति" नहीं होगी और 23 मार्च से शुरू होने वाले आठ दिवसीय ट्रायल में उसे समान अवसर मिलेंगे। अदालत ने टिप्पणी की कि यह याचिका देरी की रणनीति का हिस्सा प्रतीत होती है।

पुराने मामले में गिरफ्तार सांसद पप्पू यादव की बिगड़ी तबीयत, पटना रेफर

नई दिल्ली। पटना में पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव को पुलिस ने एक पुराने मामले में गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उन्हें मंदिरी स्थित घर से कई घंटे की मशक्कत के बाद हिरासत में लिया। गिरफ्तारी के बाद उन्हें अस्पताल लाया गया। बताया गया कि उन्हें लंबे समय तक स्ट्रेचर पर लेटा कर रखा गया और बेड उपलब्ध नहीं कराया गया। बाद में उन्हें आगे की जांच के लिए पटना मेडिकल भेजा गया। मीडिया रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया गया है कि गिरफ्तारी करीब तीन दशक पुराने मामले से जुड़ी है। यह मामला गर्दनीबाग थाने में 1995 में दर्ज हुआ था। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि उनका मकान धोखे से किराए पर लेकर सांसद कार्यालय बना दिया गया और यह तथ्य किराए के समय छुपाया गया। कोर्ट में लगातार पेश नहीं होने के कारण पहले गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ, फिर इश्तेहार चस्पा करने का आदेश दिया गया। इसके बाद भी पेशी नहीं होने पर कोर्ट ने संपत्ति कुर्क करने का अंतिम आदेश दिया और कार्रवाई तेज हो गई। गिरफ्तारी के दौरान पप्पू यादव ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि उन्हें आशंका थी कि पुलिस उन्हें नुकसान पहुंचा सकती है। उनका कहना था कि वे सीधे कोर्ट जाएंगे और पुलिस स्टेशन नहीं जाएंगे।

देशव्यापी हड़तालः ऐप-आधारित ड्राइवरों का शोषण के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन, महानगरों में थमी रफ्तार

एजेंसी। नई दिल्ली

देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले ऐप-आधारित कैब और डिलीवरी ड्राइवर आज यानी 7 फरवरी को पूरे देश में हड़ताल पर हैं। ओला, उबर, रैपिडो और पोर्टर जैसे बड़े प्लेटफॉर्म्स से जुड़े लाखों ड्राइवरों ने अंतहीन शोषण और आय की असुरक्षा के विरोध में इस देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। शनिवार की सुबह से ही दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद जैसे महानगरों में यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। तेलंगाना गिग एंड प्लेटफॉर्म वर्कर्स यूनियन और इंडियन फेडरेशन ऑफ ऐप-आधारित ट्रांसपोर्ट वर्कर्स के नेतृत्व में हो रही यह हड़ताल पिछले साल 31 दिसंबर को हुई डिलीवरी बॉयज की हड़ताल के बाद गिग वर्कर्स का दूसरा बड़ा शक्ति प्रदर्शन है। हड़ताल का सबसे प्रमुख कारण केंद्र सरकार द्वारा जारी मोटर वाहन एग्रीगेटर गाइडलाइंस 2025 का प्रभावी ढंग से लागू न होना है। ड्राइवरों का आरोप है कि इन दिशानिर्देशों के बावजूद कंपनियां अपनी मनमर्जी से किराया तय कर रही हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री को लिखे पत्र में यूनियनों ने अपनी व्यथा व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार द्वारा विनियमित किराया ढांचा न होने के कारण कंपनियां एकतरफा किराया तय करती हैं। इससे करोड़ों श्रमिकों के लिए आय की गंभीर असुरक्षा और अमानवीय कामकाजी स्थितियां पैदा हो गई हैं। एग्रीगेटर्स मुनाफा कमा रहे हैं, जबकि ड्राइवर गरीबी की ओर धकेले जा रहे हैं। ड्राइवरों की प्रमुख मांगों में सबसे ऊपर न्यूनतम किराए की अधिसूचना है। वे चाहते हैं कि सरकार तुरंत ऐप-आधारित सेवाओं के लिए न्यूनतम आधार किराया तय करे, जो 2025 की गाइडलाइंस के अनुसार यूनियनों के साथ परामर्श के बाद ही तय होना चाहिए। इसके अलावा, एक नियामक निगरानी तंत्र की मांग की गई है ताकि पारदर्शी किराया प्रणाली सुनिश्चित की जा सके और कंपनियों की गतिविधियों पर नजर रखी जा सके।

हिंदू राष्ट्र का सपना देखने वालों को नेपाल से सबक लेना चाहिएः अरशद मदनी

एजेंसी। नई दिल्ली

जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने हिंदू राष्ट्र की मांग को लेकर उन्होंने कहा कि हिंदू राष्ट्र का सपना देखने वालों को पड़ोसी देश नेपाल के इतिहास से सबक लेना चाहिए। मदनी ने कहा कि नेपाल में भी एक समय हिंदू राष्ट्र की व्यवस्था लागू की गई थी, लेकिन वह ज्यादा समय तक नहीं टिक सकी और आखिरकार वहां लोकतांत्रिक संविधान के तहत नई व्यवस्था अस्तित्व में आई। उनका कहना है कि यही उदाहरण बताता है कि किसी भी देश की तरक्की, स्थिरता और शांति लोकतंत्र और संविधान से ही संभव है, न कि किसी एक धर्म को राष्ट्र पर थोपकर। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मौलाना अरशद मदनी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि नफरत के सौदागर और हिंदू राष्ट्र का सपना देखने वालों को नेपाल से सबक लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि जब-जब किसी देश में एक खास विचारधारा या धर्म को थोपने की कोशिश की गई, वहां अंततः वह व्यवस्था ढह गई और जनता ने लोकतांत्रिक मूल्यों को चुना। मदनी ने कहा कि नेपाल में हाल के समय में हिंदू राष्ट्र की स्थापना की गई थी, लेकिन अंततः वहां यह व्यवस्था समाप्त हो गई और एक लोकतांत्रिक संविधान के तहत नई राजनीतिक व्यवस्था बनी। उन्होंने कहा कि यह साफ संकेत है कि आज की वैश्विक परिस्थितियों में किसी भी देश की वास्तविक प्रगति तभी संभव है, जब वहां संविधान, लोकतंत्र और सभी नागरिकों के समान अधिकारों की रक्षा की जाए। मौलाना मदनी ने कहा कि भारत में भी कुछ सांप्रदायिक शक्तियां और संगठन देश को हिंदू राष्ट्र बनाने का सपना देख रहे हैं, लेकिन उनकी यह साजिश कभी सफल नहीं होगी। उन्होंने दो टूक कहा कि जमीयत उलेमा-ए-हिंद सेक्युलरिज्म और भारतीय संविधान की रक्षा के लिए अंतिम सांस तक संघर्ष करती रहेगी। उन्होंने कहा कि भारत की पहचान विविधता, सहअस्तित्व और संवैधानिक मूल्यों से है और इसे किसी भी सूरत में बदला नहीं जा सकता है।

यमुना एक्सप्रेसवे पर बस से उतरे यात्रियों को कंटेनर ने रौंदा, 6 की मौत, एक गंभीर

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में यमुना एक्सप्रेसवे पर शनिवार तड़के एक हृदयविदारक सड़क दुर्घटना घटित हुई, जिसमें 6 लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा सुरीर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत माइलस्टोन 88 के समीप सुबह करीब 2:45 बजे हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक निजी बस दिल्ली के नांगलोई से कानपुर के रसूलाबाद की ओर जा रही थी। रास्ते में कुछ यात्रियों ने लघुशंका के लिए बस रोकने का आग्रह किया, जिसके बाद चालक ने एक्सप्रेसवे के किनारे बस खड़ी कर दी। जैसे ही यात्री बस से नीचे उतरे, पीछे से आ रहे एक अनियंत्रित और अत्यधिक तेज रफ्तार कंटेनर ने बस को टक्कर मारते हुए सड़क किनारे खड़े लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर ही चीख-पुकार मच गई और एक्सप्रेसवे पर अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और यमुना एक्सप्रेसवे की बचाव टीम तत्काल मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। पुलिस ने घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने 6 लोगों को मृत घोषित कर दिया।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

खास खबर

एमसीडी आयुक्त के वित्तिय अधिकारों में बढ़ोतरी, 50 करोड़ तक की योजनाओं और कार्यों को स्वीकृति कर सकेंगे

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) आयुक्त के वित्तीय अधिकारों में उल्लेखनीय वृद्धि की है। निगम आयुक्त अब अपने स्तर पर ही 50 करोड़ रुपये तक की योजनाओं और कार्यों को स्वीकृति प्रदान कर सकेंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि दिल्ली के विकास के लिए स्थानीय निकायों को सशक्त करना सरकार की प्राथमिकता है। यह निर्णय मूलतः जनहित को सर्वोपरि रखते हुए लिया गया दूरदर्शी प्रशासनिक कदम है, जिसका सीधा लाभ राजधानी की जनता को प्राप्त होगा। इस कदम के बाद सड़कों, नालों, सफाई व्यवस्था, सामुदायिक सुविधाओं और अन्य बुनियादी नागरिक सेवाओं से जुड़े कार्य अब पहले की तुलना में कहीं अधिक तेजी से पूरे होंगे। लंबे समय तक लंबित रहने वाली परियोजनाओं में तेजी आएगी, जिससे नागरिकों को दैनिक जीवन में आने वाली असुविधाओं से राहत मिलेगी। साथ ही, विकास कार्यों के समयबद्ध क्रियान्वयन से संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होगा और सार्वजनिक धन की प्रभावशीलता भी बढ़ेगी। फिलहाल दिल्ली नगर निगम आयुक्त को केवल पांच करोड़ रुपये तक की योजनाओं और कार्यों को स्वीकृत करने का ही अधिकार प्राप्त था, जबकि इससे अधिक लागत वाली परियोजनाओं को अनुमोदन के लिए पहले निगम की स्थायी समिति से पारित कराना पड़ता था। इसके बाद निगम के सदन से अंतिम मंजूरी लेनी होती थी। इस बहुस्तरीय प्रक्रिया के कारण अनेक विकास कार्यों को अनावश्यक विलंब का सामना करना पड़ता था। आयुक्त के वित्तीय अधिकारों को बढ़ाकर 50 करोड़ रुपये तक किए जाने से योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रक्रिया अधिक सरल, त्वरित और प्रभावी हो सकेगी।

कांग्रेस ने गोवा को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग की

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। कांग्रेस ने गोवा को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग करते हुए केंद्र सरकार पर राज्य की संस्कृति को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया। पार्टी के दक्षिण गोवा के सांसद कैप्टन विरियाटो फर्नांडिस ने लोकसभा में प्राइवेट मेंबर बिल भी पेश किया है, जिसमें गोवा को संवैधानिक सुरक्षा दिए जाने का प्रस्ताव है। गोवा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमित पाटकर ने यहां पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि कांग्रेस ने गोवा को विशेष राज्य का दर्जा देने का वादा किया था, लेकिन मौजूदा सरकार ने राज्य को बर्बादी की ओर धकेल दिया है। गोवा की संस्कृति और पर्यावरण पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है और लोग मजबूरी में राज्य छोड़ने लगे हैं। कांग्रेस के गोवा प्रभारी माणिकराव ठाकरे ने कहा कि गोवा की पहचान उसकी संस्कृति और पर्यटन से है, लेकिन मौजूदा सरकार ने इसे कमजोर कर दिया है। उन्होंने हाल ही में हुए हादसे का जिक्र कर कहा कि 25 लोगों की मौत के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। मुख्यमंत्री ने केवल मजिस्ट्रेट जांच का आदेश दिया, जबकि कांग्रेस ने सीबीआई जांच की मांग की थी। सरकार गोवा की ओर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दे रही है। कांग्रेस के दक्षिणी गोवा से सासंद कैप्टन विरियाटो फर्नांडिस ने कहा कि उन्होंने संसद में प्राइवेट मेंबर बिल पेश किया है, जिसमें गोवा को संवैधानिक सुरक्षा देने का प्रस्ताव है। उन्होंने कहा कि गोवा का इतिहास बताता है कि कांग्रेस ने हमेशा राज्य की पहचान और संस्कृति को सुरक्षित रखने का काम किया है। वर्ष 1961 में गोवा आजाद हुआ, 1967 में इंदिरा गांधी के नेतृत्व में जनमत संग्रह हुआ जिससे गोवा अलग इकाई बना रहा और 1987 में राजीव गांधी ने राज्य का दर्जा दिया और कोंकणी को आधिकारिक भाषा मान्यता दी। सांसद ने कहा कि इस बिल के जरिए गोवा की जमीन, नदियों, जंगलों, पहाड़ियों और कृषि भूमि की रक्षा की जाएगी।

विवेक ओबेरॉय के व्यक्तित्व से जुड़ी किसी बात का सोशल मीडिया में इस्तेमाल पर हाई कोर्ट ने लगाई रोक

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने फिल्म अभिनेता विवेक ओबेरॉय के व्यक्तित्व के अधिकारों की रक्षा की है। जस्टिस तुषार राव गडेला की बेंच ने विवेक ओबेरॉय से जुड़ी किसी कंटेंट का बिना अनुमति इस्तेमाल करने पर रोक लगाने का आदेश दिया है। विवेक ओबेरॉय ने आरोप लगाया था कि कुछ जाने-अनजाने लोगों द्वारा उनकी पहचान, नाम छवि और आवाज का बिना अनुमति दुरुपयोग कर रहे हैं। विवेक ओबेरॉय की ओर से वकील सना रईस खान ने याचिका दायर कहा था कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर विवेक ओबेरॉय के नाम और तस्वीरों का इस्तेमाल कर फर्जी अकाउंट बनाए जा रहे हैं। इन अकाउंट्स के जरिये बिना अनुमति के सामानों की बिक्री की जा रही है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और डीफफेक तकनीक का सहारा लेकर वीडियो और फोटो बनाए जा रहे हैं और उनके चेहरे को आपत्तिजनक और भ्रामक कंटेंट में जोड़ा जा रहा है। याचिका में कहा गया था कि अपने नाम, छवि, पहचान और व्यक्तित्व के व्यवसायिक उपयोग पर केवल याचिकाकर्ता का अधिकार है और उसकी स्पष्ट अनुमति के बिना कोई उनके व्यक्तित्व के किसी पहलू का व्यावसायिक या अन्य किसी रुप में उपयोग नहीं कर सकता। इसके पहले उच्च न्यायालय कई मशहूर हस्तियों के व्यक्तित्व के अधिकारों की रक्षा का आदेश दे चुका है। इनमें आंध्रप्रदेश के उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण, पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर, फिल्म अभिनेता सलमान खान, अभिनेता अजय देवगन, अभिनेत्री और सांसद जया बच्चन, पत्रकार सुधीर चौधरी, आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के संस्थापक श्रीश्री रविशंकर, तेलुगु अभिनेता नागार्जुन, अभिनेत्री ऐश्वर्या राय, अभिनेता अभिषेक बच्चन और फिल्म प्रोड्यूसर करण जौहर के व्यक्तित्व से जुड़ी किसी बात का बिना अनुमति इस्तेमाल नहीं करने का आदेश दिया था।

केंद्र सरकार पश्चिम प्रदेश निर्माण एवं उत्तर प्रदेश के पुनर्गठन की जनहित मांग की भावना का सम्मान करें -डीपी यादव

पश्चिम प्रदेश निर्माण मोर्चा

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली: पश्चिमी प्रदेश निर्माण संयुक्त मोर्चे, के संयोजक मंडल के राष्ट्रीय संयोजक ,डीपी यादव, पूर्व सांसद, मंत्री ने केंद्र सरकार से आग्रह किया, पश्चिम प्रदेश निर्माण एवं अन्य साथियों द्वारा उत्तर प्रदेश के पुनर्गठन की मांग कर रहे संगठनों जनहित मांग पर गंभीरता पूर्वक विचार करें और जनता की मांग को पूरा करने के लिए तुरंत आवश्यक कदम उठाए। अन्यथा राजनीतिक सामाजिक नुकसान झेलने के लिए तैयार हो। डीपी यादव आज दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि छोटे राज्य देश में विकास के प्रतीक के रूप में उभरे हैं। ऐसे में केंद्र सरकार को बड़े राज्यों का विभाजन कर छोटे राज्यों के गठन का मार्ग प्रशस्त करना चाहिए। उन्होंने कहा कि काफी लंबे समय से महाराष्ट्र उत्तर प्रदेश कर्नाटक आंध्र प्रदेश और जैसे विशाल राज्यों में व कई अन्य राज्यों में छोटे राज्यों की गठन को लेकर आंदोलन हो रहे हैं लेकिन सरकार है कि वह उनके संज्ञान नहीं ले रही हैं और मोनी बाबा बनी हुई है। इस जनहित की मांग को राजनीतिक चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। अन्यथा बहुत बड़ा नुकसान देश को उठाना पड़ेगा और राजनीतिक दलों की भी इसमें जिम्मेदारी होगी। आने वाले समय में भारत को शीघ्र विकसित करने के लिए छोटे राज्यों का निर्माण अत्यन्त आवश्यक है। उत्तर प्रदेश विकास के ज्यादातर राष्ट्रीय पैमानों पर देश में सबसे पिछड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के नागरिक भी भारत सरकार को टैक्स देते हैं। और हर विकास कार्य में भागीदारी चाहते हैं, उन्हें भी छोटे राज्यों की तरह सुलभ न्याय विकास में भागेदारी, रोजगार एवं दुनिया में बढ़ती अर्थव्यवस्था में हिस्सेदारी तुरंत मिलनी चाहिए। विभाजन के बाद उत्तराखंड, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ एवं झारखंड छोटे नए प्रगतिशील राज्यो के रूप में देश के नक्शे पर उभरे। प्रति व्यक्ति आय एवं जीडीपी में योगदान तेजी से आगे बढ़े जिससे युवाओं को

रोजगार एवं प्रशासन की योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन हो पाया। बड़े प्रदेशों से अलग होने के बाद, छोटे राज्यों ने आम जनता की भागीदारी के साथ एवं प्रशासन की कार्यकुशलता बढ़ने से विकास के मोर्चे एवं मानव संसाधन विकास जैसे शिक्षा, खेल, संस्कृति, स्वास्थ्य के पैमानों , पर तीव्र गति हासिल की है। मोर्चे के राष्ट्रीय संयोजक डी पी यादव ने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 27 जिलों को इकट्ठा कर करीब 7 करोड़ का अगर अलग से राज्य बनाया जाए तो यह क्षेत्र विश्व के सबसे प्रगतिशील राज्य के रूप में देश के मानचित्र पर उभर सकता है । उन्होंने कहा गंगा और दोआब की यह धरती कृषि के मामले में अव्वल है और यदि इसमें उद्योग धंधे और सड़कों का जाल ठीक से बिछाया जाए तो यहां के बेरोजगारी की समस्या और सामाजिक विकास का निरतर बढ रहे अपराधो पर और पकड़ की जा सकती है। उन्होंने कहा कि 77 साल हो गए इस क्षेत्र के लोगों ने कृषि उत्पादन के क्षेत्र में देश की सीमाओं की सुरक्षा के लिए बड़े बलिदान दिए हैं परंतु कई बार ऐसे कृषि कानून लाने की कोशिश की गई है परंतु किसानों को उनकी एम एस पी व अन्य जायज मांग अभी तक नहीं दी गई। पश्चिम प्रदेश निर्माण संयुक्त मोर्चा के अन्तर्गत पूर्वसैनिक किसान वकील खिलाडी, छोटे व्यापारी, मजदूर एवं युवा तथा महिलाओं के अनेक संगठन इस मांग को लेकर पिछले लगभग सात आठ सालों से आंदोलनरत हैं । उन्होंने अमेरिका में कृषि के क्षेत्र में भारत से जिस समझौते की बात हो रही है उससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसान भी चिंता में है। उन्होंने सरकार से मांग की कि किसी भी देश से किसानों के बारे में कोई समझौता करने से पहले भारत के किसानों को विश्वास में लिया जाना चाहिए। डीपी यादव ने कहा हम गांधीवादी सत्याग्रह के जरिए नया राज्य बनाना चाहते हैं और कोई भी ऐसी घटना नहीं करना चाहते। जिससे इस राज्य में जो राजधानी दिल्ली से जुड़ा है क ये संकेत जाएं कि हम इस क्षेत्र में अशांति पैदा करना चाहते हैं। उन्होंने कहां लेकिन लोगों का सब्र धीरे-धीरे टूट रहा है। उन्होंने कहा कि संबंध में जल्द ही मोर्चे की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बुलाई जाएगी जिसमें आगे के आंदोलन की रूपरेखा तय की जाएगी । उन्होंने कहा मोर्चा राज्य गठन की मांग को धार देने के लिए तथा केंद्र सरकार को अपनी नाराजगी का संकेत देने के लिए केंद्र एवं राज्य के राजनीतिक स्तरों पर बातचीत की जा रही है। सरकार ने यदि मोर्चे के नेताओं की मांगों की सुद्ध नहीं ली तो मार्च में मजबूरी में बड़ा आंदोलन , सांसदों के घेराव, रेल रोको, जेल भरो, राज्य के 27 जिलों में करना पड़ेगा इ।इसकी पूरी जिम्मेदारी केंद्र सरकार पर होगी। जंतर मंतर पर भी पश्चिम प्रदेश, बुंदेलखण्ड एवं पूर्वांचल के आन्दोलन संगठनों द्वारा लगातार प्रदर्शन पिछले कई सालों से हो रहे हैं। डीपी यादव ने कहा वे स्वयं और उनके साथी राज्य के तमाम 27 जिलों का लगातार दौरा कर रहे हैं और लोगों में धीरे-धीरे इस राज्य के गठन की मांग के प्रति उत्साह बढ़ रहा है और लोग गांधीवादी सत्याग्रह के लिए लाम बंद हो रहे हैं । अतः सरकार को चाहिए एक गोलमेज सम्मेलन सरकार दिल्ली में आयोजित करें जिससे स्थानीय जनता की आकांक्षाओं से केंद्र अवगत हो सके और उनकी आवश्यकता के अनुरूप उत्तर प्रदेश में पश्चिम प्रदेश, बुंदेलखंड और पूर्वांचल राज्यों के गठन का मार्ग प्रशस्त हो सके।

सरिता विहार के पैसिफिक मॉल में लगी भीषण आग

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के सरिता विहार स्थित पैसिफिक मॉल में शनिवार दोपहर आग लगने से हड़कंप मच गया। आग की सूचना मिलते ही मॉल में मौजूद लोगों और कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि समय रहते दिल्ली पुलिस और दमकल विभाग की तत्परता से बड़ा हादसा टल गया। मॉल के अंदर मौजूद सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। जानकारी के अनुसार शनिवार दोपहर करीब 12 बजे पैसिफिक मॉल के चौथे फ्लोर से अचानक धुआं उठता दिखाई दिया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। मॉल में मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने तत्काल अलर्ट जारी किया और लोगों को बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू की। इसी दौरान दिल्ली पुलिस और फायर विभाग को घटना की सूचना दी गई। सूचना मिलने के बाद

दमकल विभाग की टीमें मौके पर रवाना की गईं। दमकल विभाग के अधिकारी यशवंत मीणा ने बताया कि विभाग को दोपहर 12:20 बजे सरिता विहार स्थित पैसिफिक मॉल में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके के लिए रवाना की गईं। प्रारंभिक जांच में पता चला कि आग मॉल के चौथे फ्लोर पर लगी थी, जहां मेंटेनेंस का काम चल रहा था। आग की गंभीरता को देखते हुए दमकल विभाग की कुल आठ गाड़ियों को मौके पर तैनात किया गया। दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस दौरान मॉल के आसपास का इलाका भी पूरी तरह सुरक्षित कर लिया गया ताकि किसी तरह की अनहोनी न हो सके। दमकल विभाग के अनुसार, जांच में सामने आया है कि चौथे फ्लोर पर मरम्मत और मेंटेनेंस का कार्य चल रहा था। इसी दौरान शॉर्ट सर्किट होने से थर्माकोल में आग लग गई, जिसने तेजी से आसपास के हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। आग फैलती देख मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने तुरंत फायर विभाग को सूचना दी, जिससे समय रहते राहत कार्य शुरू किया जा सका। दिल्ली पुलिस के जवान भी मौके पर पहुंच गए और भीड़ को नियंत्रित करने के साथ-साथ सुरक्षा व्यवस्था संभाली। मॉल को एहतियातन खाली कराया गया और आसपास के दुकानों को भी अस्थायी रूप से बंद करा दिया गया। राहत की बात यह रही कि आग लगने की घटना में किसी भी तरह की जनहानि नहीं हुई। आग बुझाने के बाद फायर विभाग की टीम ने पूरे फ्लोर का निरीक्षण किया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कहीं आग दोबारा भड़कने की आशंका न रहे।

जमाअत-ए-इस्लामी हिंद ने भारत-अमेरिका टैरिफ डील, केंद्रीय बजट की प्राथमिकताओं और बढ़ते सांप्रदायिक और जातिगत हिंसा पर गंभीर चिंता जताई

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। जमाअत-ए-इस्लामी हिंद ने भारत और अमेरिका के बीच कथित टैरिफ समझौते और इस डील से जुड़ी कथित रिपोर्ट पर गहरी चिंता जताई है। मीडिया को संबोधित करते हुए जमाअत के अध्यक्ष सैयद सआदतुल्लाह हुसैनी ने कहा, "ऐसे समय में जब संसद का सत्र चल रहा है, इस समझौते की बारीकियों के बारे में न तो संसद और न ही देश के अवाम को भरोसे में लिया गया है। चिंता की बात यह है कि इस डील के बारे में जानकारी मुख्य रूप से सोशल मीडिया रिपोर्ट्स और अमेरिकी अधिकारियों द्वारा जारी बयानों से मिल रही है, न कि भारत सरकार द्वारा पारदर्शी खुलासों से। अमेरिका से आ रहे सार्वजनिक बयानों से पता चलता है कि भारत अमेरिकी सामानों पर शुल्क दर घटाकर ज़ीरो कर सकता

है, जबकि अमेरिका भारतीय निर्यात पर लगभग 18 प्रतिशत का टैरिफ लगाएगा। अगर ये दावे सही हैं तो ये समझौते के संतुलन और निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठाते हैं। खास तौर पर चिंता की बात है कि जिन टैरिफ स्तर को सफल बताया जा रहा है वे असल में पहले से मौजूद शुल्क दर से ज़्यादा हैं। जमाअत इस बात से भी चिंतित है कि भारत अपने कृषि क्षेत्र जिसे अब तक टैरिफ प्रोटेक्शन मिला हुआ था को खोल सकता है, जिससे किसानों की आजीविका और खाद्य सुरक्षा पर असर पड़ सकता है। रूस से भारत की तेल खरीद के दावों के बारे में साफ जानकारी न होने से भ्रम और बढ़ गया है, क्योंकि भारत सरकार की तरफ से न तो कोई आधिकारिक पुष्टि हुई है और न ही इनकार, जिससे संप्रभुता और स्वतंत्र फैसले लेने को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

दिल्ली सरकार के लिए, दिल्ली जल बोर्ड के एक गहरे गड्ढे में मृत कमल ध्यानी का मूल्य मात्र दस लाख रुपये है

लोकतंत्र की शानः सुनील नेगी

यह जानकर गहरा सदमा लगा कि जनकपुरी स्थित दिल्ली जल बोर्ड के सात मीटर गहरे गड्ढे में गिरने से जान गंवाने वाले महज 25 वर्षीय कमल ध्यानी, जो रोहिणी में एचडीएफसी बैंक में टेलीकॉलर के पद पर कार्यरत थे, को दिल्ली सरकार द्वारा शोक संतप्त परिवार को मात्र 10 लाख रुपये का मुआवजा दिया गया है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी की पिछली सरकार के दौरान, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कोविड महामारी के दौरान जान गंवाने वाले लोगों की विधवाओं को, जिनमें ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी भी शामिल थे, एक-एक करोड़ रुपये का मुआवजा दिया था। मुख्यमंत्री स्वयं मृतकों के परिवारों से मिलने जाते थे और उन्हें चेक सौंपते थे। यह सदमे से जूझ रहे परिवारों के प्रति एक अनूठा कदम हुआ करता था। लेकिन वर्तमान सरकार, जिसके शासनकाल में उत्तराखंड के एक

युवक की दिल्ली जल बोर्ड की घोर लापरवाही और गलती के कारण मृत्यु हो गई, जबकि उसकी कोई गलती नहीं थी, को मात्र 10 लाख रुपये का मुआवजा दिया गया है, और वह भी मीडिया के भारी दबाव और सोशल मीडिया पर कमल ध्यानी की तस्वीरों और वीडियो के वायरल होने के बाद। भाजपा के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार और दिल्ली जल बोर्ड का यह कर्तव्य है कि वे मृतक के परिवार को तत्काल प्रभाव से एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी और एक करोड़ रुपये का आर्थिक मुआवजा दें। सरकारी विभाग, ठेकेदारों और इंजीनियरों की घोर लापरवाही के बावजूद एक युवा लड़के की इतनी दुखद और दिल दहला देने वाली मौत कैसे हो सकती है, जिसने दुनिया देखी भी नहीं थी और इतनी कम उम्र में ही इस दुनिया को अलविदा कह दिया, जिससे पूरा परिवार सदमे में है? बता दें कि कमल ध्यानी एचडीएफसी बैंक में टेलीकॉलर के रूप में काम करने वाला एक मेहनती युवक था और रात के समय अपनी बाइक से घर लौट रहा था। घर पहुँचने से पहले उसने अपने भाई को बताया कि वह बीस मिनट में घर पहुँच जाएगा। जब वह तय समय में नहीं पहुँचा तो भाइयों ने उसे फोन करना शुरू कर दिया, लेकिन उसके मोबाइल पर कोई जवाब नहीं आया, जिसके बाद उन्होंने पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। गहन खोज के बाद वह दिल्ली जल बोर्ड के सात मीटर गहरे गड्ढे में मृत पाया गया, उसकी बाइक भी वहीं पड़ी थी। उसने हेलमेट, दस्ताने और जैकेट पहन रखी थी। इस दुखद खबर से परिवार सदमे में है, क्योंकि उन्होंने अपने जीवन के सबसे अच्छे समय में एक बेटे को खो दिया। मेरी गहरी संवेदनाएँ। बता दें कि कमल ध्यानी मूल रूप से पौड़ी गढ़वाल जिले का रहने वाला था।

केम्ब्रिज स्कूल,श्रीनिवासपुरी बना इंटर- स्कूल फुटबॉल चैम्पियनशिप का विजेता, फाइनल में मॉडर्न स्कूल, वसंत विहार को पराजित किया

लोकतंत्र की शान

नई दिल्लीः केम्ब्रिज स्कूल,श्रीनिवासपुरी ने मॉडर्न स्कूल, वसंत विहार को हराकर अंडर-14 इंटर-स्कूल फुटबॉल चैंपियनशिप की विजेता ट्रॉफी अपने नाम कर ली। 6 फरवरी, 2026 को हुए इस कड़े मुकाबले वाले फाइनल मैच में, कप्तान यूसुफ़ अज़ीम सैफुद्दीन के नेतृत्व में केम्ब्रिज स्कूल ने मॉडर्न स्कूल को 2-1 के स्कोर से हराया। यह टूर्नामेंट कैम्ब्रिज स्कूल, श्रीनिवासपुरी में आयोजित किया गया था, जिसमें दिल्ली के 12 प्रतिष्ठित स्कूलों ने भाग लिया था। समापन समारोह में भारत के पूर्व अंतरराष्ट्रीय फुटबॉलर श्री अनादि बरुआ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उनके साथ कैम्ब्रिज स्कूल श्रीनिवासपुरी की प्रिंसिपल सुश्री माधवी गोस्वामी और खेल कार्यकारी (एसएई) श्री कुशांक रुस्तगी भी मौजूद थे। केम्ब्रिज स्कूल की टीम में ब्रिजन गुरुंग, जुहैब अहमद, तीर्थ बनिक, अंश कटवाल, यूसुफ़ अज़ीम सैफुद्दीन (कप्तान), श्रीहान संत्रा, अंशुमन मलिक, गौरव खेरा, हमजा अफ़रोज़ और चिन्मय गुप्ता शामिल थे। विजयी टीम के कोच श्री गौरव पात्रा थे। टूर्नामेंट में भाग लेने वाली बारह टीमों में मॉडर्न स्कूल, वसंत विहार, वसंत वैली स्कूल, केम्ब्रिज स्कूल श्रीनिवासपुरी, डीपीएस आरके पुरम, डीपीएस मथुरा रोड, संस्कृति स्कूल चाणक्यपुरी, जी डी गोयनका स्कूल, सरिता विहार, एंबिएंस स्कूल सफदरजंग एन्क्लेव, नेवी चिल्ड्रन्स स्कूल नई दिल्ली, कैम्ब्रिज स्कूल नोएडा, केम्ब्रिज स्कूल ग्रेटर नोएडा और केम्ब्रिज स्कूल इंदिरापुरम शामिल थे।

दिल्ली के मटियाला में मुख्यमंत्री ने 400 करोड़ के विकास कार्यों का किया शिलान्यास

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मटियाला विधानसभा क्षेत्र में शनिवार को लगभग 400 करोड़ रुपये की लागत के विकास कार्यों का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने अपना संकल्प दोहराते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए कभी फंड की कमी नहीं होने दी जाएगी। ये शिलान्यास केवल ईंट और पत्थर का प्रतीक नहीं है, बल्कि क्षेत्र के नागरिकों के विश्वास, सुविधाओं और बेहतर जीवन की मजबूत नींव है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार ने मटियाला विधानसभा क्षेत्र के लिए लगभग 400 करोड़ का बजट स्वीकृत किया है। इससे इस क्षेत्र के विकास कार्यों को गति मिलेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का उद्देश्य विकास को कागजों तक सीमित रखना नहीं, बल्कि उसे जमीन पर उतारकर हर नागरिक के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है। इस अवसर पर पश्चिमी दिल्ली से सांसद कमलजीत सहरावत, मटियाला के

विधायक संदीप सहरावत, नजफगढ़ जोन से एमसीडी चेयरमैन सविता शर्मा मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं के अंतर्गत सड़कों, नालियों, ड्रेनेज सिस्टम, पार्कों, सामुदायिक स्थलों और नागरिक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण से जुड़े अनेक कार्य किए जाएंगे। ग्रामीण और शहरी इलाकों को जोड़ने वाले मार्गों के निर्माण से क्षेत्र में कनेक्टिविटी बेहतर होगी, जिससे आवागमन सुगम बनेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बल मिलेगा।

अमेरिका से व्यापार समझौता भारत के हितों के साथ विश्वासघात और सरेंडर : कांग्रेस

लोकतंत्र की शान

नई दिल्लीः कांग्रेस ने अमेरिका के साथ हाल में हुए व्यापार समझौते को भारत के हितों के साथ विश्वासघात और सरेंडर करार देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने घुटने टेक दिए हैं। पार्टी कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कांग्रेस के मीडिया व पब्लिसिटी विभाग के चेयरमैन एवं प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि यह बराबरी का समझौता नहीं, बल्कि दबाव और ब्लैकमेल में कराया गया सरेंडर है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि "नाम नरेंद्र और काम सरेंडर।" उन्होंने कहा कि मोदी सरकार दिल्ली नहीं, अमेरिका के टाइम जोन के हिसाब से चल रही है। सारे फैसले अमेरिका की शर्तों पर हो रहे हैं। खेड़ा ने आरोप लगाया कि इस समझौते से भारत की अर्थव्यवस्था, कृषि क्षेत्र, एमएसएमई सेक्टर और मध्यम वर्ग के हित प्रभावित होंगे, जबकि अमेरिका को बड़ा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि भारत के लिए अमेरिका सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण ट्रेड सरप्लस वाला पार्टनर था। कई दशकों से भारत ने भारी मात्रा में अमेरिका को निर्यात किया और अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत किया। उन्होंने बताया कि अब स्थिति बदल जाएगी। इस नए समझौते के तहत भारत को अगले पांच वर्षों में अमेरिका से 500 अरब डॉलर का आयात करना होगा। इसके लिए भारत को सालाना आयात 40-42 अरब डॉलर से बढ़ाकर लगभग 100 अरब डॉलर करना पड़ेगा। उन्होंने सवाल किया कि कमजोर होती अर्थव्यवस्था और रुपए पर दबाव के बीच यह अतिरिक्त आयात कैसे संभव होगा। साथ ही सरकार यह स्पष्ट नहीं कर रही है कि किन-किन उत्पादों का आयात किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने यह तो बताया कि कौन-कौन से अमेरिकी कृषि उत्पाद भारत में नहीं आएंगे, लेकिन यह नहीं बताया कि कौन-कौन से उत्पाद भारत आएंगे। उनसे पूछना चाहिए कि इन उत्पादों की सूची कहां से आएगी? उन्होंने कहा कि पीयूष गोयल जो बता रहे हैं, उससे अधिक वह महत्वपूर्ण है जो वो छिपा रहे हैं। पवन खेड़ा ने कहा कि पहले अमेरिकी टैरिफ तीन प्रतिशत थे, जिन्हें बढ़ाकर 50 प्रतिशत किया गया और अब 18 प्रतिशत कर दिया गया है। सरकार इसे रियायत बताकर जश्न मना रही है, जबकि यह पहले की तुलना में अधिक है। रूस से तेल खरीद को लेकर अमेरिका द्वारा भारत पर नजर रखने की बात पर उन्होंने कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि नजर चोरों पर रखी जाती है। क्या प्रधानमंत्री इस बात से खुश हैं कि हमें चोर की तरह पेश किया जा रहा है? उन्होंने कहा कि यह भारत के आत्मसम्मान और रणनीतिक स्वायत्तता पर आघात है।

संक्षिप्त समाचार

सीएम योगी ने गुरु गोरखनाथ महाविद्यालय में किया पौधरोपण

» उत्तराखंड दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री ने बिथ्याणी (यमकेश्वर) स्थित महाविद्यालय का किया निरीक्षण

लोकतंत्र की शान : पौड़ी गढ़वाल : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने उत्तराखंड प्रवास के दूसरे दिन गुरु गोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय बिथ्याणी (यमकेश्वर) का दौरा किया। मुख्यमंत्री ने महाविद्यालय परिसर में आम का पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। इस अवसर पर सेना की 127 गढ़वाल इन्फेंट्री बटालियन के जवानों ने भारत मां की जय के नारों से माहौल को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। मौके पर उपस्थित स्थानीय लोगों ने भी भारत माता के साथ-साथ सीएम योगी के समर्थन में नारे लगाए। मुख्यमंत्री ने महाविद्यालय परिसर का निरीक्षण भी किया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने अपने गुरु राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। विद्यालय परिवार की तरफ से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया गया।

गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा द्वारा सीमांत गांव में लगाए गए चिकित्सा शिविर

लोकतंत्र की शान : मिहीपुरवा। मिहीपुरवा तहसील क्षेत्र के सीमा के किनारे बसे गांव में यात्रा के द्वितीय दिवस को गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा-6 के तहत नेशनल मेडिकोज अर्गनाइजेशन के द्वारा राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की देखरेख में 11 गाँवों में निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किए गए जिसमें लखनऊ के अन्य अस्पतालों तथा डाक्टर राम मनोहर लोहिया अस्पताल के चिकित्सकों द्वारा लगभग पाँच हजार से अधिक मरीज़ों को इलाज कर उचित चिकित्सीय सुविधा एवं सलाह दी गई । मिहीपुरवा तहसील में रमपुरवा चहलवा सुजौली चितलहवा गौरा पिपरा धर्मापुर सोंगवा पडरिया मदरिया मटेही कला कंजीबाग में 7 जनवरी को दूसरे दिन निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किये गये जिसमें लखनऊ से आए डा दुर्गेन्द्र डा आशुतोष डा आदर्श डा दीपचंद डा मंगलम द्वारा शिविर में आये रोगियों का इलाज किया गया थारू बाहुल्य ग्राम धर्मापुर के शिविर संयोजक अमित चौधरी तथा ग्राम गौरा पिपरा के शिविर संयोजक सुरेश वर्मा ने बताया कि शिविर के माध्यम से निर्धन ग़रीब आदिवासी लोगों ने शिविर में पहुंचकर डाक्टरो से अपनी समस्या बताकर निःशुल्क इलाज कराया और डॉक्टरों ने भी सेवा भाव दिखाते हुए उचित परामर्श देकर शिविर में आये मरीज़ों का इलाज किया इस दौरान आयोजित शिविरों में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रांत प्रचारक कौशल किशोर समस्रस्ता प्रमुख राज किशोर विभाग प्रचारक कृष्ण कुमार जिला प्रचारक अजय कुमार बाबूलाल अशोक अतुल हिमांशु हुकुम चंद विश्वहिंदू परिषद के संदीप सिंह आदि ने सेवाभाव के साथ सहयोग प्रदान किया।

थाने की लापरवाही से मजबूर पीड़िता ने आई जीआर एस के जरिए लगाई न्याय की गुहार

लोकतंत्र की शान : सीतापुर। कमलापुर थाना क्षेत्र के ग्राम महोली निवासी मालती पत्नी नेवल ने बीते बुधवार को कमलापुर थाने में एक लिखित प्रार्थना पत्र देकर कार्यवाही की मांग की थी। पीड़िता का आरोप है कि प्रार्थना पत्र दिए जाने के चार दिन बीत जाने के बावजूद थाना स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। थाने से न्याय न मिलता देख मालती ने आखिर कार आईजीआरएस के माध्यम से पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल को ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराते हुए पूरे मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। पीड़िता ने अपनी शिकायत में साफ तौर पर उल्लेख किया है कि स्थानीय पुलिस की उदासीनता के कारण वह मानसिक रूप से परेशान है और उसे न्याय के लिए उच्च अधिकारियों का दरवाजा खटखटाना पड़ा। यह मामला एक बार फिर थाना स्तर पर फरियादियों की अनदेखी और कार्रवाई में देरी को उजागर करता है। सवाल यह है कि जब मुख्यमंत्री और पुलिस मुख्यालय लगातार तत्काल कार्रवाई के निर्देश दे रहे हैं, तो फिर कमलापुर थाना पीड़ितों की शिकायतों को क्यों नजरअंदाज कर रहा है? अब देखना यह होगा कि पुलिस अधीक्षक के संज्ञान में मामला आने के बाद क्या सम्बन्धित पुलिसकर्मियों पर कोई कार्रवाई होती है या फिर यह शिकायत भी फाइलों में दबकर रह जाएगी।

मनरेगा घोटाले में बड़ी कार्रवाई,ग्राम विकास अधिकारी निलंबित

लोकतंत्र की शान : सीतापुर। मनरेगा घोटाले को लेकर प्रशासन ने बड़ी और सख़्त कार्रवाई की है। विकास खंड खैराबाद अन्तर्गत ग्राम पंचायत बहेड़िया श्रीराम में मनरेगा एवं अन्य मदों की धनराशि में गंभीर अनियमितता पाए जाने पर ग्राम विकास अधिकारी गीतांज़ली वर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जिला विकासाधिकारी द्वारा जारी आदेश के अनुसार जांच में यह स्पष्ट हुआ कि ग्राम पंचायत में मनरेगा व अन्य योजनाओं के अन्तर्गत कुल तीन लाख चार हजार आठ सौ इकहत्तर रुपये की धनराशि का भुगतान नियमों को ताक पर रखकर सीधे श्रमिकों और फर्मों के खातों में न कराकर ग्राम प्रधान पुत्र के खाते में किया गया, जो कि गम्भीर वित्तीय अनियमितता की श्रेणी में आता है। यह जांच तीन फरवरी 2026 को ग्राम पंचायत भवन में अपर मुख्य अधिकारी (मनरेगा) की उपस्थिति में की गई थी, जिसमें प्रथम दृष्टया दोष सिद्ध पाए जाने पर शासन के नियमों के तहत कार्यवाही की गई। जिला विकास अधिकारी ने उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली 1999 के अंतर्गत तत्काल निलंबन के आदेश जारी करते हुए विभागीय जांच भी बैठा दी है। निलंबन अवधि में सम्बन्धित अधिकारी को खंड विकास कार्यालय बिसवां से संबद्ध रखा गया हैऔर नियमानुसार उन्हें जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। हालांकि,स्पष्ट किया गया है कि यदि निलंबन अवधि में अधिकारी किसी अन्य रोजगार, व्यापार या सेवा में लिप्त पाई गईं तो भुगतान रोका जाएगा। इस कार्रवाई से जिले में हड़कंप मच गया है। सवाल यह है कि क्या यह अकेला मामला है या मनरेगा में चल रहे बड़े खेल की सिर्फ एक परत खुली है? अब निगाहें जांच अधिकारी की रिपोर्ट और आगे होने वाली कार्यवाही पर टिकी हैं ।

दबंग पिता पुत्र ने ग्रामीण को पीटा

लोकतंत्र की शान : शाहाबाद हरदोई। मंसूर नगर गांव में दबंग पिता पुत्र ने भूमि विवाद के चलते एक ग्रामीण को पीटा और जानमाल की धमकी दी। घटना की नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। मंसूर नगर निवासी शिवा गुप्ता पुत्र नरेश गुप्ता के अनुसार 4 जनवरी को वह अपने चबूतरे कि नींव भर रहा था उसी समय गांव के रजनीश अपने पिता छेदमी के साथ आए और गाली गलौज करते हुए नींव की ईंटें उखाड़ कर फेंकने लगे। मना करने पर गाली गलौज किया और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने पिहानी कोतवाली में नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

अज्ञात वाहन की ठोकर से 60 वर्षीय वृद्ध गंभीर रूप से हुआ घायल

लोकतंत्र की शान : मिहींपुरवा बहराइच/ मोतीपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत नानपारा लखीमपुर हाईवे पर एक तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आने से लगभग 60 वर्षीय वृद्ध गंभीर रूप से हुआ घायल ,, सीएचसी मोतीपुर में कराया गया भर्ती। मोतीपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत तमोलिन पुरवा कुडवा निवासी ओरीलाल पुत्र फकीरे उम्र लगभग 60 वर्ष मजदूरी कर जीवन यापन करता था। शुक्रवार को ओरीलाल गांव के कुछ ग्रामीणों के साथ जंगल लकड़ी लेने गया था। शाम लगभग 4: बजे नानपारा लखीमपुर हाईवे पर स्थित सर्वोदय महाविद्यालय के पास रोड पार करते समय अचानक एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन नें जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों ने एंबुलेंस से घायल को सीएचसी मोतीपुर में भर्ती कराया ।

महाशिवरात्रि को लेकर पुलिस प्रशासन सख्त, 10 फरवरी से बंद रहेंगी मीट की दुकाने

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः शनिवार को हसनपुर कोतवाली परिसर में महाशिवरात्रि पर्व को शांतिपूर्ण रूप से संपन्न करने के लिए अमन कमेटी का आयोजन किया गया, कोतवाली प्रभारी प्रेमपाल सिंह की अध्यक्षता में अमन कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें 10 फरवरी से क्षेत्र की सभी मीट, मछली, अंडा तथा नॉनवेज की दुकाने बंद रखने के सख्ती के साथ निर्देश दिए गए, साथ ही कावड़ मार्ग पर अतिक्रमण भी हटाने के सख्त निर्देश दिए गए हैं, प्रशासन ने स्पष्ट किया की कावड़ यात्रा की पवित्रता और जन भावनाओं का सम्मान करते हुए यह निर्णय लिया गया है, वहीं शिव भक्तों के आवागमन में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो इसके लिए कावड़ मार्ग पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, प्रभारी निरीक्षक ने सभी समुदाय के गणमान्य व्यक्तियों से आपसी सौहार्द और भाईचारा बनाए रखने की अपील की, उन्होंने असामाजिक गतिविधियों पर पैनी नजर रखने और तुरंत पुलिस को सूचित करने का आग्रह किया, साथ ही कावड़ यात्रा के निर्धारित रूटो पर सुरक्षा और सफाई व्यवस्था में सहयोग करने को भी कहा गया, बैठक में अपराध निरीक्षक अमरपाल सिंह, वरिष्ठ उप निरीक्षक अमित कुमार, कस्बा इंचार्ज राम प्रकाश सिंह, सभासद मुन्ना चौहान, जावेद जरताब, शाहनवाज अंसारी, हम्ज़ा अली, मोनिश अंसारी, जुनैद खान, राजपाल सैनी, पप्पू वाल्मीकि, राकिव कुरेशी, निशु अग्रवाल, नाजिम अंसारी, मुस्तकीम बंजारा एवं नगर पालिका से दिनेश बाबू आदि शामिल रहे।

राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं आरटीआई की मासिक बैठक हुई संपन्न

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः शनिवार को राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं आरटीआई परिषद की एक मासिक बैठक परिषद के प्रदेश संगठन मंत्री नन्हे सिंह एडवोकेट एवं कविता सैनी प्रदेश सचिव महिला मोर्चा के आवास राजपूत कॉलोनी में आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष दीनदयाल यादव एडवोकेट ने की एवं संचालन रणवीर सिंह यादव एडवोकेट द्वारा किया गया, बैठक में सर्वप्रथम संगठन विस्तार पर जोर दिया गया एवं संगठन में शामिल नए लोगों को आई कार्ड वितरित किए गए, साथ ही संगठन की बैठक में सभी से समय से आने का आग्रह किया गया वहीं बैठक में नगर स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक के पदाधिकारी से संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपील करते हुए कहा कि सरकारी कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार को उजागर करने एवं इनसे लड़ने के लिए अधिक से अधिक आरटीआई दाखिल करें, वही बैठक में विभिन्न वक्ताओं ने अपने-अपने विचार रखें, इस मौके पर मुख्य रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष दीनदयाल यादव, राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार शर्मा, विजय पारछा, तपेश कुमार, नन्हे सिंह सैनी, विनोद राणा, पूजा चौधरी, कविता सैनी, धनेश्वरी देवी, कुलदीप त्यागी, रणवीर सिंह यादव मनोज गोयल, नेमपाल सिंह यादव, अनुपम त्यागी, गोविंद कौशिक, राहुल पारछा, प्रवीण अग्रवाल संदीप शर्मा आदि मौजूद रहे।

SRM टीम ने हसनपुर CHC का किया निरीक्षण

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः शनिवार को SRM टीम ने हसनपुर CHC का बारीकी से निरीक्षण किया, बता ते चले कि राज्य सरकार द्वारा नामित डीवाईपी सी एम ओ डॉ जितेंद्र सिंह एवं डी पी एम अनुराग भाटी 3 दिन के हसनपुर तहसील क्षेत्र के समस्त सामुदायिक केंद्र एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर आदि का निरीक्षण करने आए हुए हैं, टीम ने 6 फरवरी 7 फरवरी को निरीक्षण किया तथा टीम द्वारा 8 (आज) फरवरी को भी निरीक्षण किया जाएगा, टीम ने हसनपुर CHC के प्रत्येक वार्ड का बारीकी से निरीक्षण किया जिसमें साफ सफाई एवं दवाइयां का स्टॉक आदि का अवलोकन किया जिसमें टीम ने व्यवस्था संतोषजनक पाई, इस संबंध में टीम के डिप्टी सीएमओ डॉक्टर जितेंद्र सिंह ने बताया कि सरकार के आदेश पर तहसील स्तरीय सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर का निरीक्षण किया जा रहा है सरकार को इन सभी स्वास्थ्य केंद्रों की जांच रिपोर्ट सौपी जाएगी, सरकार का उद्देश्य है कि सरकारी अस्पतालों में किसी प्रकार की कोई व्यवस्था में कमी तो नहीं है जिसको लेकर व्यवस्थाओं से संबंधित निरीक्षण किया जा रहा है जिसमें दवाइयां का स्टॉक, दवाइयां का रख रखाव, स्टाफ की उपलब्धता एवं साफ सफाई मरीज के बैठने की व्यवस्था पानी की व्यवस्था आदि सभी बातें सम्मिलित हैं जिनका निरीक्षण किया जा रहा है इस मौके पर हसनपुर स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉक्टर धुर्वेंद्र भी मौजूद रहे।

न्यायिक अधिकारियों द्वारा सम्भल जनपद के थानों का औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायज़ा

लोक तंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

सम्भलः जनपद के प्रशासनिक एवं इलाहाबाद हाईकोर्ट के माननीय न्यायमूर्ति श्री अरुण कुमार सिंह देशवाल तथा माननीय जनपद न्यायाधीश डॉ. विदुषी सिंह ने पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार की उपस्थिति में थाना गुन्नौर, थाना धनारी एवं थाना चन्दौसी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान थानों में स्थापित सीसीटीवी कैमरों, ऑनलाइन ई-सम्मन प्रणाली, वारण्ट निष्पादन, यक्ष एप तथा सीसीटीएनएस से संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी ली गई। साथ ही थानों पर प्रचलित अभिलेखों की गहन समीक्षा भी की गई। माननीय न्यायाधीशों द्वारा महिला हेल्प डेस्क, मिशन शक्ति केंद्र एवं बालकक्ष का भी निरीक्षण किया गया। इस दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं से संबंधित प्राप्त होने वाली शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया तथा बालकक्ष की व्यवस्थाओं की जानकारी ली गई। इसके अतिरिक्त हवालात की स्थिति, साफ-सफाई एवं सुरक्षा मानकों का अवलोकन करते हुए बैरक व थाना कार्यालय की स्वच्छता, अनुशासन एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया गया। निरीक्षण के उपरांत माननीय अधिकारियों ने थानों में सुव्यवस्थित रख-रखाव, पारदर्शिता एवं बेहतर कार्यप्रणाली सुनिश्चित करने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। इस अवसर पर संबंधित थानों के क्षेत्राधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

'हम भी तेरे दादा लगते हैं': बच्चों के बीच उमड़ा 'बाबा' का बालप्रेम, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तराखंड के अपने पैतृक गांव पंचूर में किया रात्रि विश्राम

» मुख्यमंत्री ने शनिवार सुबह गांव में बड़े-बुजुर्गों से हालचाल पूछा, बच्चों को किया दुलार

लोक तंत्र की शान

पंचूर (पौड़ी गढ़वाल)। उत्तराखंड दौरे पर पहुंचे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अपने पैतृक गांव पंचूर में रात्रि विश्राम किया। शनिवार सुबह उन्होंने अपने गांव के बड़े-बुजुर्गों का हालचाल जाना और बच्चों को दुलार किया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बालप्रेम उमड़ आया। उन्होंने गांव के बच्चों पर अपना स्नेह बरसाया, उनसे बातचीत की और उन्हें चॉकलेट भी दी। सीएम योगी ने एक बच्चे को अपनी गोद में लेकर उसे प्रेम से खिलाया। बच्चों ने भी सहज भाव से मुख्यमंत्री से बातचीत की। इस दौरान, गांव के लोगों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ सेल्फी भी ली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को अपने परिजनों से भी मिले, सभी का कुशलक्षेम जाना। सीएम योगी की विनम्रता, सरलता व सहजता देखकर स्थानीय लोग भी भाव-विभोर हो गए। इसके बाद अपने गांव में भ्रमण पर निकले मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों व परिचितों से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सभी बच्चों को दुलार किया। भ्रमण के दौरान मार्ग में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक बच्चे ने फूल भेंट किया तो उन्होंने मासूम को खाने का सामान दिया। बच्चे ने वह सामान वहां खड़े अपने दादा को दे दिया। इस पर मुख्यमंत्री ने मुस्कुराते हुए प्यार भरे शब्दों में बच्चे से कहा, 'हम भी तेरे दादा लगते हैं।' गांव में भ्रमण के दौरान योगी आदित्यनाथ ने ग्रामीणों को गांव में रहने और खेतीबाड़ी करने के लिए प्रेरित किया।

संपूर्ण समाधान दिवस में 17 शिकायतों में से मात्र 2 का हुआ निस्तारण

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः शनिवार को शासन की मनसा अनुसार लगाए जा रहे संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन नवीन तहसील भवन में आयोजित किया गया जिसमें अधिकारियों के समक्ष 17 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें से मात्र 2 का ही निस्तारण हो पाया, संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों में राजस्व विभाग की 5, आपूर्ति विभाग की 4,विकास विभाग की 3, पुलिस विभाग की 4, वह 1 अन्य शिकायत सहित 17 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें अधिकारियों ने दो शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया बाकी अन्य शिकायतों के निस्तारण के लिए संबंधित हल्का लेखपालों आदि को आदेशित किया गया, बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्रा तथा उप जिलाधिकारी हिमांशु उपाध्याय, तहसीलदार परमानंद श्रीवास्तव, पुलिस क्षेत्राधिकारी पंकज कुमार त्यागी, एसडीओ मिथिलेश यादव, वन रेंजर नरेश कुमार तथा अन्य संबंधित अधिकारी एवं हल्का लेखपाल मौजूद रहे।

लेखपालों की समस्याओं के समाधान को लेकर लेखपाल संघ की बैठक का हुआ आयोजन

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः शनिवार को उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ उप शाखा हसनपुर की कार्यकारिणी द्वारा एक बैठक लेखपाल संवर्ग की समस्याओं के संबंध में नवनिर्मित तहसील सभागार कक्ष में आयोजित की गई, जिसमें लेखपालों की समस्याओं के समाधान हेतु विभिन्न मांगे रखी गई जिसके अंतर्गत निलंबित चल रहे लेखपाल बृतपाल सिंह को जल्द से जल्द बाहाल किए जाने की मांग रखी गई, साथ ही फार्मर रजिस्ट्री में लेखपालों पर अनावश्यक दबाव न बनाए जाने की भी मांग प्रमुखता के साथ उठी, बैठक में लेखपालों ने तीसरी मांग रखते हुए कहा कि सुपरवाइजर के तौर पर कार्य कर रहे लेखपालों को उनके हल्का / तैनाती क्षेत्र के आसपास नियुक्त किया जाए, वहीं लेखपालों द्वारा इन समस्याओं के समाधान हेतु एक ज्ञापन सोमवार को एसडीएम हसनपुर को सौपे जाने का निर्णय भी लिया गया, बैठक में मुख्य रूप से तहसील अध्यक्ष दीपक चौधरी, तहसील मंत्री विनेश सिंह, सतीश चंद्र, मुस्तकीम अली, प्रेम शंकर यादव, पंकज चाहल, केशव दत्त शर्मा, ललित कुमार, नरेश, अमित तंवर, मनोज कुमार, गुरदीप सिंह, संजय चाहल, भागेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

आतंक की फैक्ट्री बन चुका है पाकिस्तान, इंसानियत का सबसे बड़ा दुश्मन-समाजसेवी एवं पूर्व चेयरमैन मार्केटिंग संभल चौधरी फैज़ान अली

लोक तंत्र की शान

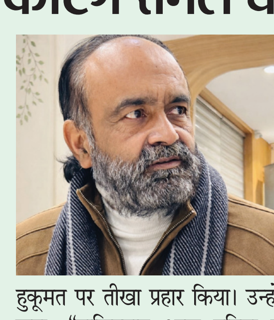

सम्भल/सिरसी के मोहल्ला चौधरियान निवासी समाजसेवी एवं पूर्व चेयरमैन मार्केटिंग संभल चौधरी फैज़ान अली ने कहा कि पाकिस्तान एक बार फिर आतंकवाद के खून से सना नज़र आया, जहाँ एक इमाम बारगाह में जुम्मे की नमाज़ के दौरान हुए भीषण धमाके ने यह साफ़ कर दिया कि यह मुल्क अब पूरी तरह आतंक की फैक्ट्री बन चुका है। इस कायराना हमले में बेगुनाह नमाज़ियों को निशाना बनाया गया, जिसमें कई मासूम लोगों की जान चली गई और अनेक परिवार तबाह हो गए। इस जघन्य आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए समाजसेवी एवं पूर्व चेयरमैन मार्केटिंग संभल चौधरी फैज़ान अली ने पाकिस्तान और उसकी हुकूमत पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा, "पाकिस्तान आज दुनिया का सबसे गिरा हुआ और सबसे बेकार मुल्क बन चुका है, जहाँ मासूम बच्चे, बुज़ुर्ग और महिलाएँ तक सुरक्षित नहीं हैं। वहाँ न हिंदू अल्पसंख्यक सुरक्षित हैं, न शिया अल्पसंख्यक और न ही कोई मज़लूम इंसान।" चौधरी फैज़ान अली ने कहा कि पाकिस्तान में आतंकवाद कोई इत्तेफ़ाक नहीं, बल्कि एक सोची-समझी व्यवस्था का हिस्सा है। "जहाँ मस्जिदों, इमाम बारगाहों और इबादतगाहों में धमाके किए जाते हों, वहाँ की हुकूमत पूरी तरह नाकाम और गैर-ज़िम्मेदार है। पाकिस्तान इंसानियत का सबसे बड़ा दुश्मन बन चुका है।" उन्होंने आगे कहा कि जो सरकार अपने ही नागरिकों की जान की हिफ़ाज़त नहीं कर सकती और आतंकवादियों को पनाह देती है, उसे सभ्य देशों की सूची में बने रहने का कोई हक़ नहीं है। पाकिस्तान में रोज़ इंसानियत का क़त्ल हो रहा है और पूरी दुनिया को अब यह सच्चाई स्वीकार करनी चाहिए। अंत में समाजसेवी एवं पूर्व चेयरमैन मार्केटिंग संभल चौधरी फैज़ान अली ने शहीदों के लिए दुआ करते हुए कहा, "अल्लाह शहीदों को जन्नत अता फ़रमाए, ज़ालिमों को बेनक़ाब करे और मज़लूमों को इंसाफ़ दिलाए।"

संक्षिप्त समाचार

वर्ल्ड कप जीतकर वैभव बोले- पंजाबी नहीं, भोजपुरी गाना बजेगा, पवन सिंह के सॉरी-सॉरी...गाने पर झूमी टीम इंडिया

पटना। भारत ने छठी बार अंडर-19 वनडे वर्ल्ड कप जीत लिया है। फाइनल मैच में इंग्लैंड को 100 रनों से मात देने के बाद टीम इंडिया के खिलाड़ी जश्न मनाते हुए दिखे। इस दौरान बिहार के वैभव सूर्यवंशी भोजपुरी गानों पर डांस करते नजर आए। टीम इंडिया के खिलाड़ियों का जश्न मनाते और डांस करते वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में पंजाबी गाने बज रहे हैं। इस बीच वैभव कहते हैं- पंजाबी गाना नहीं समझ में आ रहा है गाइज, अब भोजपुरी लगेगा।' इसके बाद पवन सिंह का गाना 'सॉरी सॉरी' बजाया जाता है। जैसे ही गाना शुरू हुआ- 'नैन तोहर कजरारी दिलवा पे करे बमबारी'.. वैभव कमर मटकाते हुए डांस करने लगते हैं। इस दौरान उन्होंने अपने जबरदस्त डांस मूव्स भी दिखाए। खास बात ये रही कि भोजपुरी गाने पर सिर्फ वैभव नहीं डांस कर रहे थे बल्कि उनकी पूरी टीम इस गाने पर झूमते लगती है। वीडियो में ड्रेसिंग रूम में खिलाड़ी डांस कर रहे हैं। इस बीच वैभव की नजर वर्ल्ड कप के ट्रॉफी पर पड़ती है। इसके बाद वे ट्राफी पर रखे कपड़े को हटाते हुए कहते है- घूंघट हटा दो दुल्हन का। काफी मेहनत के बाद ये हमें मिली है।' आखिरी में वैभव कहते हैं कि अब मेरी तरफ से आज के लिए इतना ही काफी है। 14 साल के वैभव सूर्यवंशी का ये वीडियो उनकी IPL फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स ने X पर शेयर किया है। टीम ने लिखा, 'एक बिहारी सब पर भारी'।

हाजीपुर में पिछड़ा वर्ग संघ का मार्च

हाजीपुर। अखिल भारतीय पिछड़ा वर्ग संघ ने शनिवार को हाजीपुर में पैदल मार्च निकाला। यह मार्च संस्कृत महाविद्यालय कैंपस से दोपहर करीब 12 बजे शुरू हुआ और अक्षय वट राय स्टेडियम में समाप्त हुआ। मार्च राजेंद्र चौक, सिनेमा रोड, अनवरपुर चौक, डाक बंगला रोड और समाहरणालय परिसर से होकर गुजरा। इस दौरान संघ के कार्यकर्ताओं ने अपने हाथों में 'यूजीसी बिल अभिलंब लागू करो' लिखे पोस्टर ले रखे थे। इस कार्यक्रम में पटेल सेना के प्रदेश अध्यक्ष रंजन पटेल अपने सैकड़ो कार्यकर्ता के साथ उपस्थित थे। पटेल सेवा संघ के अध्यक्ष घूरन राय ने बताया कि यह मार्च यूजीसी बिल को तत्काल लागू करने की मांग को लेकर किया गया। उन्होंने कहा कि पूर्व में यूनिवर्सिटी कैंपस में दलित विद्यार्थियों पर अत्याचार हुआ था, जिसके संबंध में कई मामले सुप्रीम कोर्ट में लंबित थे। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को बढ़ती भेदभाव को रोकने के लिए एक बिल लाने का निर्देश दिया था। इसके बाद सभी दलों की बैठक हुई और बिल लाने का निर्णय लिया गया, जिसे सरकार ने प्रस्तुत किया। घूरन राय के अनुसार, मनुवादी विचारधारा के लोगों ने इस बिल का विरोध शुरू कर दिया और कुछ वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट में इसके खिलाफ याचिका दायर की। सरकार ने इस बिल को राष्ट्रीय कर दिया है। संघ की मांग है कि सरकार यूजीसी बिल को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल कर लागू करे। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ऐसा नहीं किया गया तो विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

लालगंज में घर में सेंध लगाकर 7 लाख की चोरी, सोने-चांदी के जेवर और नकदी ले उड़े चोर

हाजीपुर। वैशाली के लालगंज थाना क्षेत्र के रौदी पोखर गांव में बीती रात चोरों ने एक घर में सेंध लगाकर बड़ी चोरी की है। चोर घर से सोने-चांदी का जेवर, नकदी और अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो गए। पीड़ित परिवार के अनुसार इस चोरी में कुल मिलाकर लगभग 3 लाख रुपये के नकद और जेवरात का नुकसान हुआ है। चोरी की गई वस्तुओं में महिला के कान के झुमके, पायल, टॉप और गले का चैन भी शामिल हैं। पीड़िता संगीता देवी ने बताया कि घटना रात में उस समय हुई, जब वह और उनका बेटा घर पर सो रहे थे। चोरों ने घर के पिछले दरवाजे से सेंध लगाकर अंदर प्रवेश किया। संगीता ने बताया, "मैं अपने बगल में गोदरेज (अलमारी) रखने के बावजूद चोरी का आभास नहीं कर पाई। हम रात करीब 12 बजे सोए थे, यह घटना कब हुई, पता नहीं चला।" सुबह जब उनकी आंख खुली तो कमरे का सामान बिखरा हुआ देखकर वह सदमे में आ गईं। वह तुरंत अपने बेटे के कमरे की ओर दौड़ीं। उन्होंने बताया, बेटे के कमरे का दरवाजा बाहर से बंद था। मैंने दरवाजा खोलकर उसे बाहर निकाला और तब घर को जाँच किया तब पता चला कि पूरे घर में चोरी हो चुकी है। उन चोरों ने मेरे घर से 3 लाख रुपय ओर कान के झुमके, पायल, टॉप और गले की चेन गोदरेज से चोरी कर लिया। कुल मिलाकर करीब सात लाख रुपये का सामान गायब है। इस घटना से पीड़िता का रो-रो कर बुरा हाल है। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर लालगंज थाने की पुलिस पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने चोरी के तरीके और संदिग्धों के सुराग को तलाशने के लिए जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले में कार्रवाई की जा रही है और चोरों को पकड़ने के लिए गहन छानबीन चल रही है।

दो ट्रेनों को प्रायोगिक ठहराव मिला, पटना-नवादा मेमू कुसुम्भा, टाटा-बक्सर एक्सप्रेस अनारा स्टेशन पर रुकेगी

हाजीपुर। रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए दो ट्रेनों के प्रायोगिक ठहराव की घोषणा की है। इनमें दानापुर मंडल के कुसुम्भा हाल्ट पर गाड़ी संख्या 63389/63390 पटना-नवादा-पटना मेमू और दक्षिण पूर्व रेलवे के अनारा स्टेशन पर गाड़ी संख्या 18183/18184 टाटा-बक्सर-टाटा एक्सप्रेस शामिल हैं। गाड़ी संख्या 63389/63390 पटना-नवादा-पटना मेमू का कुसुम्भा हाल्ट पर प्रायोगिक ठहराव 07 फरवरी 2026 से लागू होगा। इस तारीख से, गाड़ी संख्या 63390 नवादा-पटना मेमू सुबह 05:47 बजे कुसुम्भा हाल्ट पहुंचेगी और 05:48 बजे रवाना होगी। वापसी में, गाड़ी संख्या 63389 पटना-नवादा मेमू शाम 07:51 बजे कुसुम्भा हाल्ट पहुंचेगी और 07:52 बजे प्रस्थान करेगी। इसी तरह, गाड़ी संख्या 18183/18184 टाटा-बक्सर-टाटा एक्सप्रेस का अनारा स्टेशन पर प्रायोगिक ठहराव 10 फरवरी 2026 से शुरू होगा। गाड़ी संख्या 18183 टाटा-बक्सर एक्सप्रेस सुबह 10:09 बजे अनारा स्टेशन पहुंचेगी और 10:10 बजे रवाना होगी। वहीं, गाड़ी संख्या 18184 बक्सर-टाटा एक्सप्रेस दोपहर 02:37 बजे अनारा स्टेशन पहुंचेगी और 02:38 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी।

'मेरा बेटा अपराधी था, पुलिस ने सही किया', एनकाउंटर में मारे गए प्रिंस के पिता ने पुलिस को दिया धन्यवाद

हाजीपुर। वैशाली के हाजीपुर में पुलिस मुठभेड़ में कुख्यात अपराधी प्रिंस कुमार मारा गया। इस घटना के बाद उसके पिता नंदकिशोर सिंह ने पुलिस की कार्रवाई को सही ठहराते हुए उन्हें धन्यवाद दिया है। नंदकिशोर सिंह ने कहा कि उनका बेटा बचपन से ही अपराधी था और पुलिस ने उसे मारकर सही काम किया है। उन्होंने यह भी बताया कि वे पहले भी पुलिस से मुलाकात होने पर अपने बेटे का एनकाउंटर करने का आग्रह करते थे। पिता के अनुसार, प्रिंस बचपन से ही अपराध में लिप्त था और उसका परिवार से कोई संबंध नहीं था। उन्होंने पुलिस की कार्रवाई पर कोई सवाल न उठाने की बात कही। यह मुठभेड़ वैशाली के सदर थाना क्षेत्र की हनुमान नगर कॉलोनी में हुई। पटना एसटीएफ और स्थानीय पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में प्रिंस कुमार ढेर हुआ। प्रिंस कुमार गरौल थाना क्षेत्र का निवासी था। उस पर देश के सबसे बड़े सोना लूट कांड सहित हत्या और लूट जैसे दर्जनों गंभीर मामले दर्ज थे। पुलिस के अनुसार, प्रिंस हाल ही में पटना पीएमसीएच से फरार हो गया था। उसकी तलाश में पटना एसटीएफ और वैशाली पुलिस लगातार छापेमारी कर रही थी। सूचना के आधार पर संयुक्त टीम ने उसे हनुमान नगर कॉलोनी में घेरा, जिसके बाद मुठभेड़ हुई।

केंद्रीय मंत्री बोले- बिहार का भविष्य नॉर्थ ईस्ट से जुड़ा

एजेंसी, पटना

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने आज बिहार भाजपा प्रदेश कार्यालय में केंद्रीय बजट को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें प्रदेश भाजपा अध्यक्ष संजय सरावगी और विधान परिषद सदस्य (MLC) संजय मयुख भी मौजूद रहे। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा, बिहार का भविष्य देश के पूर्वोत्तर के विकास से गहराई से जुड़ा हुआ है और केंद्र सरकार इस दिशा में ठोस कदम उठा रही है।

पूर्वोदय के तहत बिहार और नॉर्थ ईस्ट को मिलेगा लाभः केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने 'पूर्वोदय' के नाम से कई योजनाएं शुरू की हैं, जिनका सीधा लाभ बिहार और पूर्वोत्तर राज्यों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र देश के विकास का नया इंजन बनने जा रहा है और केंद्र सरकार इस पर विशेष ध्यान दे रही है।

युवाओं की नौकरी और ग्रामीण रोजगार पर विशेष जोरः केंद्रीय बजट की प्रमुख विशेषताओं को गिनाते हुए किरेन रिजिजू ने कहा कि इस बार के बजट में युवाओं के लिए रोजगार और नौकरियों पर अलग से बल दिया गया है। ग्रामीण इलाकों में रोजगार सृजन के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं, जिससे पलायन पर रोक लगेगी और स्थानीय स्तर पर अवसर बढ़ेंगे। सरकार का उद्देश्य है कि विकास का लाभ शहरों तक सीमित न रहे, बल्कि गांव-गांव तक पहुंचे।

देशभर में जिला स्तर पर गर्ल्स हॉस्टल का फैसलाः केंद्रीय मंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार ने देश के सभी जिलों में गर्ल्स हॉस्टल स्थापित करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इससे बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा और उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सकेगा। 'रिफॉर्म एक्सप्रेस चल चुकी है, अब यह रुकने वाली नहीं है, बल्कि और तेज गति से आगे बढ़ेगी।" उन्होंने बताया कि सरकार ने हाई लेवल रेगुलेटरी रिफॉर्म कमेटी का गठन किया है, जो आम लोगों और उद्योगों से जुड़ी छोटी-छोटी समस्याओं का समाधान करेगी और सिस्टम को सरल बनाएगी।

❐ बजट में मिडिल क्लास को बड़ी राहत, दवाइयों पर घटेगा टैक्स

मिडिल क्लास को बड़ी राहत, दवाइयों पर इंपोर्ट ड्यूटी में कटौतीः केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस बजट में मिडिल क्लास को बड़ी सहूलियत दी गई है। गंभीर बीमारियों में इस्तेमाल होने वाली दवाइयों पर इंपोर्ट ड्यूटी में कटौती की गई है, जिससे इलाज सस्ता होगा। इससे आम आदमी और मध्यम वर्ग को सीधा लाभ मिलेगा। किरेन रिजिजू ने कहा कि यह बजट सुधार, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है और आने वाले समय में इसका असर जमीनी स्तर पर साफ दिखाई देगा।

गोपालगंज, मधेपुरा में घना कोहरा, विजिबिलिटी जीरो

एजेंसी, पटना

◆ बिहार में अभी सुबह-शाम महसूस होगी ठंड, 12 फरवरी से अधिकतम-न्यूनतम तापमान में होगी बढ़ोतरी

गोपालगंज में शनिवार सुबह घना कोहरा छाया है। विजिबिलिटी जीरो है। मधुबनी में भी घना कोहरा छाया रहा। न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, बिहार में अगले कुछ दिनों तक सुबह-शाम हल्का कुहासा छाया रहेगा और ठंड भी महसूस होगी।दिन में धूप निकलगी, जिससे लोगों को राहत मिलेगी। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, आज यानी शनिवार को प्रदेश के किसी जिले में घने कोहरे का अलर्ट नहीं है। 12 फरवरी से अधिकतम और न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी।

इस महीने में बारिश होने की संभावना नहीं है। पिछले 24 घंटे की बात करें तो प्रदेश का न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस के आसपास रिकॉर्ड किया गया। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, राज्य में कोहरे और हल्की ठंड का मुख्य कारण पश्चिमी विक्षोभ का कमजोर पड़ना, हवा की कम गति और वातावरण में नमी का बने रहना है। वहीं, फरवरी माह में सूर्य की किरणें ज्यादा समय तक जमीन पर रहती है, जिससे अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी होती है। इससे लोग दिन में हल्की गर्माहट महसूस हो कर रहे हैं। उत्तर भारत में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ कमजोर पड़ रहा है, जिससे प्रदेश में मौसम सामान्य स्थिति में आ रहा है।

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि फरवरी में बिहार में मौसम धीरे-धीरे सामान्य से गर्म होता जाएगा। आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री तक बढ़ोतरी संभव है। ठंड का असर कम होगा। राजधानी में सुबह हल्का कोहरा या धुंध छाए रहने की संभावना है, लेकिन दिन में धूप निकलने से राहत मिलेगी।

पवन सिंह पर खेसारी लाल का तंज
सासाराम में बोले-मेरा गाना एक ही आदमी सुनता है, जो पेट्रोल डालते ही सीधा अंतरिक्ष में मिलता है

एजेंसी, पटना

भोजपुरी सिंगर अंकुश राजा ने अपने पैतृक गांव सासाराम में 11 जोड़ों की शादी करवाई। इस मौके पर खेसारी लाल यादव भी शामिल हुए। इस दौरान खेसारी ने 11 जोड़ों को 11 बाइक गिफ्ट की। इसके बाद खेसारी एक कार्यक्रम में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में खेसारी लाल ने कहा कि, 'हमने वहां 11 बाइक दी, क्योंकि वह मेरी खुशी है। वह ना मेरा विधानसभा और ना मेरा लोकसभा है। वो तो मेरे बड़े भैया पवन सिंह का लोकसभा है। मगर मेरे मन में श्रद्धा थी तो मैंने वहां किया, क्योंकि श्रद्धा के लिए कोई जात नहीं होती है।' अब यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

खेसारी ने बिना नाम लिए पवन सिंह पर कसा तंजः इस बीच खेसारी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह पवन सिंह का बिना नाम लिए तंज कसा है। खेसारी ने कहा कि, 'मेरा गाना तो अंतरिक्ष में भी बजता है। उसे सिर्फ एक ही आदमी ने सुना है जो पेट्रोल (दारू) डालने के बाद सीधा अंतरिक्ष में ही मिलता है।' इस वीडियो में खेसारी लाल कहते हुए दिख रहे हैं कि, 'अंकुश राजा ने 11 गरीब बच्चियों की शादी करवाई, जिसमें हर जाति से बच्चे थे। जब मैंने अपनी 15 साल की बेटी कृति को कहा कि मैं कुछ गरीब बच्चों को बाइक देने जा रहा हूं तो मेरे बेटी ने मुझे गले लगा लिया और 10 मिनट तक मुझे 'थैंक यू' पापा कहती रही। ये कमाई आखिर कहां मिलेगी?' खेसारी लाल ने आगे कहा, 'मैं भगवान से कहता हूं कि मुझे दो, चार, पांच हजार करोड़ का आदमी बना दें। ताकि बिहार के सारा बेटी को बहन बनाकर खेसारी कन्यादान करे।

31 साल पुराना केस, बेऊर जेल भेजे गए पप्पू यादव, पुलिस कस्टडी में पीएमसीएच में इलाज होगा

एजेंसी, पटना

पूर्णिया सांसद पप्पू यादव को कोर्ट ने ज्यूडिशियल कस्टडी में भेज दिया है। इसके बाद पप्पू यादव को पटना के बेऊर जेल में लाया गया। वहां एंट्री होने के बाद इलाज के लिए उन्हें PMCH लाया जाएगा। अस्पताल में पुलिस कस्टडी में उनका इलाज होगा। सोमवार को इस मामले की अगली सुनवाई होगी। सांसद को शनिवार सुबह एंबुलेंस से पटना सिविल कोर्ट लाया गया था। 31 साल पुराने धोखे से कमरा किराए पर लेने के केस में पुलिस ने शुक्रवार देर रात 12 बजे पप्पू यादव को गिरफ्तार किया था। पटना की विशेष अदालत ने पप्पू यादव समेत 3 आरोपियों के खिलाफ गिरफ्तारी के आदेश दिए थे। शुक्रवार रात पप्पू यादव गिरफ्तारी के दौरान बेहोश हो गए। कुछ देर बाद पुलिस पप्पू यादव को गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई।

इस दौरान पप्पू यादव ने कहा, 'मुझे नहीं पता मेरा क्या होगा।' सांसद समर्थक सड़क पर उनकी गिरफ्तारी का विरोध किया। आरा में उनके समर्थकों ने CM नीतीश का पुतला फूंका। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने इस गिरफ्तारी को राजनीतिक प्रतिशोध बताया है। उन्हें X पर लिखा- ये आवाज दबाने की कोशिश है। प्रियंका गांधी ने भी गिरफ्तारी के विरोध में पोस्ट की है। सांसद पप्पू यादव की गिरफ्तारी के बाद NEET छात्रा के परिवार ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। जहानाबाद में छात्रा के पिता ने कहा कि जो लोग घटना को उजागर कर रहे हैं, उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। पप्पू यादव को साजिश के तहत गिरफ्तार किया गया है।

❐ राहुल बोले- गिरफ्तारी आवाज दबाने की कोशिश

बेहोश होने पर भड़के समर्थकः गिरफ्तार करने आई पुलिस ने पप्पू यादव से कहा, 'चलिए सर, आपको चलना होगा। कोर्ट का ऑर्डर है।' इस पर पप्पू यादव ने कहा, 'मैं रात में कहीं नहीं जाऊंगा। आप सुबह आइएगा फिर चलूंगा। मुझे पहले से ही पता था मैं ऐसे मामले को उठा रहा हूं तो यह सब होना ही था। आप जिसके कहने पर यहां आए हैं, उसे बोल दीजिए मैं रात में नहीं जाने वाला।' 3 घंटे तक वहां चले हाई वोल्टेज ड्रामा के बाद जब उन्हें गिरफ्तार कर ले जाया जा रहा था तो वे बहोश हो गए। समर्थकों की पुलिस के साथ हाथापाई हो गई। गिरफ्तारी के दौरान पप्पू यादव के समर्थक पुलिस की गाड़ी पर सवार हो गए।

तेजस्वी ने कहा- कार्यकर्ताओं को अपमानित किया तो चुप नहीं बैठेंगे, साजिश नहीं चलेगी

एजेंसी, पटना

राष्ट्रीय जनता दल के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद तेजस्वी यादव आज पहली बार पार्टी कार्यालय पहुंचे। इस दौरान तेजस्वी का भव्य स्वागत किया गया। आरजेडी कार्यालय में खासा उत्साह देखने को मिला। पार्टी कार्यकर्ताओं की ओर से स्वागत समारोह की बड़े स्तर पर तैयारियां की गईं। समारोह में पार्टी के वरिष्ठ नेता, विधायक, सांसद, पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान तेजस्वी यादव का औपचारिक रूप से अभिनंदन किया गया। कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने कहा, चुनाव में जनता ने जिस भरोसे के साथ आरजेडी का साथ दिया, उसके लिए वे सभी लोगों का धन्यवाद करते हैं। जिस तरह पार्टी अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव कभी डर के आगे नहीं झुके, उसी तरह तेजस्वी यादव भी कभी डरने वाला नहीं है।

तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि विरोधियों ने लोकतंत्र को मशीन तंत्र में बदल दिया है और चुनाव के दौरान आरजेडी कार्यकर्ताओं पर फर्जी मुकदमे दर्ज कर उन्हें परेशान किया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कार्यकर्ताओं का अपमान किया गया तो पार्टी चुप नहीं बैठेगी और मजबूती से जवाब देगी। लालू यादव को साजिश के तहत जेल भेजे जाने के बाद भी उन्होंने लगातार संगठन और जनता के बीच काम किया और हर जिले में पार्टी को मजबूत करने का प्रयास किया। तेजस्वी यादव ने कहा, साल 2015 में पहली बार जनता के प्यार और समर्थन से आरजेडी ने चुनाव जीता और उसी समय वे देश के सबसे कम उम्र के उपमुख्यमंत्री बने। उन्होंने आरोप लगाया कि जब नीतीश कुमार भाजपा के साथ गए, तब उन पर झूठे आरोप लगाए गए। राजनीतिक रूप से उन्हें खत्म करने की कोशिश की गई। साल 2020 के विधानसभा चुनाव में आरजेडी लगभग जीत चुकी थी, लेकिन गड़बड़ियों के जरिए पार्टी को हराया गया।

कहा- चुनाव में कार्यकर्ताओं पर फर्जी मुकदमे चलेः उन्होंने कहा कि अबतक उन्हें पार्टी में कोई बड़ी संगठनात्मक जिम्मेदारी नहीं मिली थी, लेकिन अब राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में उन्हें बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। आने वाले दिनों में संगठन को और अधिक मजबूत करने का काम किया जाएगा। तेजस्वी यादव ने शेखपुरा के एक आरजेडी नेता को वसूली की धमकी मिलने का जिक्र करते हुए कहा कि नई सरकार डर का माहौल बनाकर शासन कर रही है, लेकिन आरजेडी डरने वाली पार्टी नहीं है। उन्होंने कहा, अब लक्ष्य है पार्टी को राज्य की सबसे मजबूत राजनीतिक ताकत बनाना और अगर तय लक्ष्य का आधा भी ईमानदारी से काम हुआ तो आरजेडी राष्ट्रीय स्तर की पार्टी बन सकती है। सभी वर्गों, जातियों, शोषितों और अल्पसंख्यकों को साथ जोड़कर आगे बढ़ने का संकल्प लिया गया है।

केंद्र पर बोला हमलाः केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि आज देश में डर का माहौल बनाया जा रहा है। किसान कमजोर स्थिति में है और प्रधानमंत्री उन्हें रील बनाने की सलाह दे रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ईडी, सीबीआई जैसी संस्थाएं विपक्ष को डराने के लिए इस्तेमाल की जा रही हैं और इसमें कुछ अपने लोग भी शामिल हैं। षड्यंत्र के जरिए सरकार बनाई गई है और नीतीश कुमार कभी जनता के नेता नहीं बन सकते, वे केवल अधिकारियों के नेता हैं, जबकि असली जननेता लालू प्रसाद यादव हैं। तेजस्वी यादव ने घोषणा की कि पार्टी का स्थापना दिवस 17 फरवरी को पटना के बापू सभागार में मनाया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे।

मरीज को बरगलाते देखा, पकड़ने बोला तो भागे दलाल

एजेंसी, पटना

◆ पीएमसीएच अधीक्षक का औचक निरीक्षण, कहा-अनजान व्यक्ति के झांसे में न आएं, निजी एम्बुलेंस पर रोक

पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल (PMCH) में सक्रिय दलालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू की गई है। अस्पताल प्रशासन ने मरीजों और उनके परिजनों को निजी अस्पतालों में भेजने वाले दलालों पर नकेल कसने के लिए कड़े कदम उठाए हैं। अस्पताल अधीक्षक डॉ. राजीव कुमार सिंह ने सुरक्षाकर्मियों को दलालों को तुरंत पकड़कर पुलिस के हवाले करने का निर्देश दिया है।

वेश बदलकर अस्पताल का किया औचक निरीक्षणः शुक्रवार को अधीक्षक डॉ. सिंह ने सामान्य व्यक्ति के वेश में अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। राजेंद्र सर्जिकल वार्ड के सामने उन्होंने कुछ दलालों को मरीजों और उनके परिजनों को बरगलाकर निजी अस्पताल ले जाने का प्रयास करते देखा। अधीक्षक ने उन्हें पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वे मौके से फरार हो गए। इसके बाद सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के निर्देश दिए गए। अस्पताल अधीक्षक डॉ. राजीव कुमार सिंह ने बताया कि मरीजों को डरा-धमकाकर या भ्रमित कर निजी अस्पतालों में भेजने की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इस गतिविधि में निजी एम्बुलेंस संचालकों की भूमिका भी सामने आई है। इसे देखते हुए पीएमसीएच परिसर में निजी एम्बुलेंस के खड़े होने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। अब निजी एम्बुलेंस मरीज को छोड़ने के तुरंत बाद परिसर से बाहर निकलेंगी। सुरक्षा एजेंसी के कर्मियों को मुख्य द्वार इमरजेंसी और ओपीडी के आसपास विशेष निगरानी रखने का निर्देश दिया गया है। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत अस्पताल प्रशासन और पुलिस को देने के लिए कहा गया है।

पटना नगर निगम की 10वीं बोर्ड बैठक, 7 महीने बाद होगी बैठक

एजेंसी, पटना

पटना नगर निगम की 10वीं साधारण बोर्ड बैठक आज आयोजित की जाएगी। यह बैठक सात महीने बाद आयोजित हो रही है। इससे पहले जुलाई 2025 में पटना नगर निगम की 9वीं बोर्ड बैठक में काफी हंगामा हुआ था। आज की बैठक में भी हंगामें के आसार हैं। सशक्त स्थायी समिति की बैठक में पारित प्रस्ताव को बोर्ड द्वारा पास किया जाएगा। बैठक के एजेंडे में सबसे मुख्य विषय पटना नगर निगम क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने से जुड़े प्रस्ताव हैं।

पहले के बैठकों की कार्यवाही की भी होगी संपुष्टिः इस बैठक में प्रमुख तौर पर नगर निगम की पूर्व बैठकों की कार्यवाही की भी संपुष्टि की जाएगी। इसके साथ ही डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन के लिए नए वाहन और उपकरणों की खरीद, नगर निगम विज्ञापन नियमावली में संशोधन, वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत प्रत्येक वार्ड में एक-एक करोड़ रुपये की विकास योजनाओं और म्यूनिसिपल बॉन्ड जारी करने जैसे प्रस्ताव भी एजेंडे में शामिल हैं। वहीं, निगम 150 ई-रिक्शा वाहन, 150 क्लोज टिपर और 75 ओपन टिपर खरदने की तैयारी में है। करीब 20 हाई यील्ड बोरिंग करने पर मुहर लगेगी।

❐ कई अहम प्रस्ताव एजेंडे में, हंगामे के आसार

गैर आवासीय संपत्तियों पर बढ़े टैक्स पर भी होगी चर्चाः सितंबर 2025 में विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, गैर आवासीय संपत्तियों के टैक्स को बढ़ा दिया गया है। इससे होटल, जिम, विवाह भवन, निजी अस्पताल सहित अन्य का कर दोगुना कर दिया गया है। इसके अलावा नर्सिंग होम,

क्लिनिक, कोचिंग संस्थान आदि में टैक्स डेढ़ गुणा किया गया है। इस मुद्दे पर बैठक में चर्चा होगी। इसके साथ ही शहर के मुख्य सड़कों को भी प्रधान मुख्य सड़क में शामिल किया जाना है, जिसके प्रस्ताव को भी बोर्ड में पास किया जाएगा।

मेयर और नगर आयुक्त में हो गया था विवादः 9वीं बोर्ड बैठक में मेयर सीता साहू और नगर आयुक्त अनिमेष कुमार पराशर के बीच विवादित एजेंडों को लेकर तीखी नोकझोंक हुई थी। पार्षदों के दो गुटों में मारपीट, हाथापाई और कुर्ता फाड़ने तक की नौबत आ गई थी, जिससे बैठक में भारी हंगामा हुआ था। आयुक्त द्वारा बैठक के बहिष्कार के बावजूद 12 एजेंडे पास किए गए थे। मेयर के बेटे शिशिर कुमार की बैठक में मौजूदगी और पार्षदों से दुर्व्यवहार की खबर के बाद पुलिस रात में उनके घर पहुंची थी। नगर आयुक्त ने आरोप लगाया कि बैठक में शिशिर ने हथियारबंद बाउंसर बुलाए थे।

संक्षिप्त समाचार

सुरक्षा के प्रति कृत संकल्पित है अल्ट्राटेक सीधी सीमेंट प्रबंधन सुरक्षा अमूल्य धरोहर हैः बीपी सग्गू

रामबिहारी पाण्डेय ब्यूरो लोकतंत्र की शान सीधी । सुरक्षा का तात्पर्य ऐसे कारकों तथा कार्यों से होता है, जहां किसी भी तरह की हानि एवं क्षति की गुंजाइश न हो, साथ ही सुरक्षा के मानकों का पालन अक्षरशः परिलक्षित हो, तत्संबंधी समझाइश प्लांट में परम्परागत रूप से माह के प्रथम सप्ताह में सेफ्टी विभाग द्वारा आयोजित की जा रही सेफ्टी कार्यशाला के क्रम में पांच फरवरी को संपन्न हुई सेफ्टी कार्यशाला में सैकड़ों की संख्या में उपस्थित

श्रमिकों, कर्मचारियों अधिकारियों के समक्ष प्लांट के यूनिट प्रमुख बीपी सग्गू द्वारा की गई। उन्होंने कहा कि हानि एवं क्षति से बचाव करने की व्यवस्था ही सुरक्षा है, जिसे अपनी संस्कृति तथा धरोहर समझकर अपनाना चाहिए। यूनिट प्रमुख ने कहा कि सभी संबंधित कार्यस्थलों पर सुरक्षा उपकरणों का उपयोग आवश्यक रूप से किया जाय साथ किसी भी प्रकार की अव्यवस्थाओं के संबंध में विभाग के संबंधित जनों को अवगत कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि हम सबका उद्देश्य शून्य हादसा होना चाहिए। सुरक्षा हेलमेट लगाना, शारीरिक पहनावे को चुस्त दुरुस्त रखना, सुरक्षा चश्मा,हाथ दस्ताने, सुरक्षा जूते आदि पर विशेष ध्यान रखने की आवश्यकता है। उक्त अवसर पर गत माह की समीक्षा की गई तथा सेफ्टी को बढ़ावा देने के प्रति जागरूक किया गया। इसी क्रम में कर्मचारियों श्रमिकों तथा कामगारों को पुरस्कृत भी किया गया। सुरक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष दिवाकर विश्वकर्मा की सुव्यवस्था में आयोजित सेफ्टी कार्यशाला में प्रमुख रूप से प्लांट के मानव संसाधन प्रमुख एफएच अभिषेक शर्मा, टेक्निकल प्रमुख मुस्तकीम मोहम्मद, माइंस प्रमुख एन के शर्मा, प्रशासनिक प्रमुख दिनेश शर्मा, प्लांट के सभी डीएच एवं प्रभागीय जनों की उपस्थिति गरिमामय रही।

सभी कार्यकर्ताओ को उचित सम्मान -अशोक भंडारी

लोकतंत्र की शान, राजेंद्र करनाल की रिपोर्ट, करनालः पार्टी को संगठनात्मक दृष्टि से मजबूती प्रदान करने के लिए बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं से बैठक के दौरान करनाल के बूथ नंबर 33,34,35 के मुख्य कार्यकर्ताओं की बैठक कर्ण मंडल अध्यक्ष नवीन बत्रा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिसमें कार्यकर्ताओं को मंडल प्रभारी वरिष्ठ भाजपा नेता अशोक भंडारी का मार्गदर्शन मिला। इस बैठक

में मुख्य तौर पर कर्ण मंडल प्रभारी एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अशोक भंडारी,कर्ण मंडल अध्यक्ष नवीन बत्रा,के अलावा कर्ण मंडल उपाध्यक्ष आकाश दीप

शक्ति केंद्र प्रमुख सतीश कश्यप,शक्ति केंद्र सह-प्रमुख नंद लाल-शक्ति केंद्र पालक एवं जिला मीडिया प्रभारी डा० अशोक कुमार,बूथ अध्यक्ष पुशपिंदर माथुर, ओम प्रकाश,रविंद्र कश्यप, बूथ पालक-प्रमोद अहुजा बी एल ऐ -2 अनिल कुमार,गौरव कश्यप, अशोक कुमार मौजूद रहे। इस मौके पर मंडल प्रभारी अशोक भंडारी ने कहा कि पार्टी की मजबूती जिला से लेकर हर बूथ स्तर पर होनी चाहिए।भाजपा एक ऐसी पार्टी है जहां हर एक कार्यकर्ताओं को पूरा सम्मान दिया जाता है। बैठक में प्रभारी अशोक भंडारी ने सभी कार्य कर्ताओं को बूथ स्तर की मजबूती एवं मोदी जी के ड्रीम कार्यक्रम मन की बात को बूथ स्तर पर अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं के साथ सुनने एवं हर बूथ पर मन की बात का प्रभारी नियुक्त करने एवं बूथ स्तर पर कार्यसमिति गठन एवं पन्ना प्रमुख नियुक्त करने के लिए उचित दिशानिर्देश दिए। बैठक से पूर्व सभी कार्यकर्ताओं ने मंडल प्रभारी अशोक भंडारी एवं मंडल अध्यक्ष नवीन बत्रा का फूलों की मालाओं से स्वागत किया।बैठक में मौजूद सभी कार्यकर्ताओं ने पार्टी की मजबूती हेतु अपने विचार प्रकट किए।

रेत माफियाओं पर नकेल डालने के प्रयास में कलेक्टर,दो दिन से हो रही रही ताबड़तोड़ कार्यवाही

» एक्शन में कलेक्टर, खनन माफियाओं पर ताबड़तोड़ कार्रवाई जारी
» खनिज के अवैध उत्खनन व परिवहन पर संयुक्त दल की कार्रवाई, कई वाहन जब्त

रामबिहारी पाण्डेय लोकतंत्र की शान ब्यूरो

सीधी । खनिज माफियाओ के खिलाफ जिस तरह से करवाई बीते दो दिनों से हो रही है उसे तरह की कार्रवाई अगर पहले से की जा रही होती तो जिले के खनिज संपदा को बचाया जा सकता था देर से ही सही कम से कम कलेक्टर सक्रिय हुए तो खनिज माफियाओ के खिलाफ कार्रवाई होने लगी है नहीं तो सूचना के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं होती थी। बता दें कि कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी स्वरोचिष सोमवंशी एवं पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी के निर्देशन तथा उपखण्ड मजिस्ट्रेट गोपदबनास राकेश शुक्ला एवं जिला खनिज अधिकारी कपिलमुनि शुक्ला के मार्गदर्शन में खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध कार्यवाही लगातार जारी है। इसी क्रम में तहसीलदार राकेश शुक्ला और प्रभारी खनि निरीक्षक शिशिर यादव के नेतृत्व में खनिज-राजस्व संयुक्त दल द्वारा 07 फरवरी 2026 को प्राप्त शिकायतों की जांच के दौरान ग्राम बंजारी तहसील गोपद बनास में खनिज मुरूम के अवैध उत्खनन में संलिप्त एक्सकैवेटर मशीन कैट 424बी, कैट 0424 बी एच जे टी एच02147) तथा हाइवा (चेसिस क्रमांक एमएटी4480660एपी 09939) को जब्त किया गया। साथ ही ग्राम पड़रा में खनिज रेत का परिवहन कर रहे बिना नंबर के टाटा 407 वाहन (चेसिस क्रमांक एमएटी 35717698 जे 25405) को भी नियमानुसार जब्त कर सुरक्षार्थ थाना प्रभारी जमोड़ी की अभिरक्षा में सुपुर्द किया गया। इसी प्रकार ग्राम पड़रा में मुरूम/पत्थर के अवैध उत्खनन में संलिप्त बिना नंबर के ट्रैक्टर (चेसिस क्रमांक एमबीएनएके 49एन सी एस टी डी 46376) को भी जब्त कर सुरक्षार्थ थाना यातायात प्रभारी की अभिरक्षा में दिया गया है। अवैध उत्खनन एवं परिवहन में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश अवैध खनिज (उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर न्यायालय कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किए जाएंगे। बिना नंबर वाहनों के संबंध में मोटर वाहन अधिनियम के तहत पृथक कार्रवाई हेतु जिला परिवहन अधिकारी को भी पत्र प्रेषित किया जाएगा। कलेक्टर द्वारा प्रतिदिन जिला टास्क फोर्स की कार्रवाई की समीक्षा की जा रही है तथा जिले के विभिन्न स्थानों से प्राप्त शिकायतों के आधार पर खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध निरंतर कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए गए हैं। प्राप्त शिकायत के अनुसार खनिज विभाग की टीम ने ग्राम शंकरपुर के खसरा क्रमांक 61/2, 65 एवं 15 का निरीक्षण किया। जांच के दौरान इन स्थलों पर अवैध रूप से रेत का बड़े पैमाने पर भंडारण पाया गया। मौके पर मौजूद ग्रामीणों और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि गोपद नदी के शंकरपुर घाट से ट्रैक्टर-ट्रॉली के जरिए दिन में अवैध उत्खनन किया जाता था, जबकि रात के अंधेरे में जेसीबी मशीन की मदद से रेत को हाईवा वाहनों में लोड कर बाहर भेजा जाता था। जांच में यह अवैध गतिविधि ओमप्रकाश जायसवाल उर्फ कटरवार, रितिक सिंह गहरवार निवासी भड़ौरा, शुभम गुप्ता एवं अजीत गुप्ता निवासी निधिपुरी के साथ ही खसरा क्रमांक 15 के भूमिस्वामी श्रीकांत शुक्ला निवासी शंकरपुर द्वारा किए जाने की पुष्टि हुई है। खनिज विभाग ने मौके से अवैध रेत जप्त कर ग्राम रक्षा समिति शंकरपुर के अध्यक्ष भूषण शुक्ला को सुरक्षा की दृष्टि से सुपुर्द किया। इस मामले में सभी संबंधित आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश अवैध उत्खनन, भंडारण एवं परिवहन नियम, 2022 के तहत विधिवत प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। खनिज विभाग ने स्पष्ट किया है कि दोषियों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि हाल ही में हुई टास्क फोर्स की बैठक के बाद खनिज अमला पूरी तरह एक्शन मोड में नजर आ रहा है। बहरी, शंकरपुर एवं भदौरा क्षेत्रों में अवैध खनन माफियाओं के खिलाफ लगातार ताबड़तोड़ कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन ने दो टूक कहा है कि अवैध खनन, भंडारण और तस्करी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और आगे भी ऐसी कार्रवाइयां निरंतर जारी रहेंगी।

खनिज अधिकारी के नेतृत्व में अवैध रेत भंडारण पर छापा

जिले में अवैध रेत उत्खनन और भंडारण के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए शनिवार को बड़ी कार्रवाई की है। तहसील कुसमी अंतर्गत ग्राम शंकरपुर में खनिज विभाग की टीम ने अवैध रेत भंडारण का खुलासा करते हुए भारी मात्रा में रेत जब्त की है। यह कार्रवाई जिला खनिज अधिकारी कपिल मुनि शुक्ला के कुशल मार्गदर्शन में, प्रभारी खनि निरीक्षक देवेन्द्र महोबे के नेतृत्व में गठित दल द्वारा की गई।

दो नाबालिग बालिकाएं महाराष्ट्र एवं गुजरात से दस्तयाब,आरोपी गिरफ्तार

मझौली पुलिस को मिली बड़ी सफलता

लोकतंत्र की शान

सीधी । पुलिस अधीक्षक सीधी संतोष कोरी के कुशल निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव एवं उप पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अमन मिश्रा के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी मझौली उप निरीक्षक विशाल शर्मा के नेतृत्व में मझौली पुलिस ने दो अलग-अलग राज्यों से लापता दो नाबालिग किशोरियों को सुरक्षित दस्तयाब करने में सफलता प्राप्त की है।जिसके संबंध में प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी गई है। विगत माह थाना मझौली में एक नाबालिग बालिका के लापता होने की शिकायत दर्ज की गई थी।पुलिस टीम ने सुराग जुटाते हुए महाराष्ट्र के मुंबई में दबिश दी और जुम्मापड़ा (थाना पड़गा) से किशोरी को सुरक्षित दस्तयाब किया। पूछताछ में किशोरी ने बताया कि वह अपनी बहन की देखभाल करने उसके ससुराल गई थी, जहाँ काम न करने पर बहन की डांट से नाराज होकर वह अपने बहन के चाचा ससुर के साथ बिना बताए अपनी दूसरी बहन के यहाँ चली गई थी। पुलिस ने मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर वैधानिक कार्यवाही शुरू कर दी है। इसी तरह एक अन्य मामले में लापता हुई नाबालिग किशोरी की तलाश हेतु पुलिस टीम गुजरात रवाना हुई। टीम सर्वप्रथम पलसाना (गुजरात) पहुंची,जहाँ संदेही का मोबाइल बंद होने के कारण पुलिस ने सघन छानबीन की। रिश्तेदारों से प्राप्त सूचना के आधार पर टीम ने बड़ोदरा में घेराबंदी की और आरोपी के चंगुल से बालिका को सकुशल दस्तयाब किया।पूछताछ में किशोरी ने बताया कि माँ की डांट से नाराज होकर वह अपने दोस्त के साथ बिना बताए रिश्तेदार के घर चली गई थी।

पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका

लापता नाबालिग किशोरियों को दस्तयाब करने में मझौली पुलिस ने अहम भूमिका निभाई है, इस संपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी मझौली उप निरीक्षक विशाल शर्मा एवं उनके द्वारा गठित विशेष पुलिस टीमों, सहायक उप निरीक्षक अरुण सिंह एवं टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। लापता नाबालिग किशोरियों के दस्तयाब हो जाने से जहां किशोरियों के चेहरे पर मुस्कान देखी गई है वही उनके परिजनों की खुशी किसी से छिपी नहीं थी। लापता नाबालिग किशोरियों के परिजनों ने इस कार्यवाही पर मझौली पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया है।

शिवमहापुराण की कथा से सराबोर होगी सोनांचल नगरी

» शिव महापुराण की कथा आज से अयोध्या के विद्वान और कहेंगे कथा

लोकतंत्र की शान

सीधी । श्री रामवल्लभाकुंज जानकी घाट अयोध्या के विद्वान आचार्य डॉ.शैलेन्द्र शुक्ल ने बताया कि शिव महापुराण कथा भगवान शिव की महिमा, लीलाओं, ज्योतिर्लिंगों और पार्वती के साथ उनके विवाह का पवित्र वर्णन है, जिसे सुनना पढन्ना अत्यंत कल्याणकारी माना जाता है। यह कथा पापों का नाश, मनोकामना पूर्ति, असाध्य रोगों से मुक्ति, पारिवारिक सुख.शांति, संतान सुख और अंत में मोक्ष प्रदान करने वाली है। इसके श्रवण से जीवन में शिव जैसी सरलता और सकारात्मकता आती है। डॉ.शैलेन्द्र ने बताया कि मान्यता है कि शिव महापुराण का श्रद्धापूर्वक पाठ करने या सुनने से मनुष्य के जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं और वह जीवन.मरण के चक्र से मुक्त होकर मोक्ष प्राप्त करता है। यह कथा निःसंतान दंपत्तियों को संतान, वैवाहिक बाधाओं को दूर करने और अटके हुए कार्यों में सफलता प्रदान करती है। कथा के श्रवण से घर में सकारात्मकता आती है और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। यह जीवन से मृत्यु के भय को भी दूर करता है। ऐसे में सीधी के समस्त शिव भक्तगणो के विशेष प्रयास से जन कल्याण की भावना के साथ उक्त कथा का आयोजन स्थानीय पूजा पार्क सीधी में कराया जा रहा है। जिसमें कथा व्यास आचार्य राघव महाराज रहेगें। सभी शिव भक्त सपरिवार अपने ईष्ट मित्रों के साथ कथा श्रवण करने हेतु सादर आमंत्रित है।

कथा का शुभारंभ आज से

डॉ.शैलेन्द्र शुक्ल आचार्य ने चर्चा के दौरान बताया कि पूज्य गुरुदेव राजकुमार दास महाराज अधिकारी श्री रामवल्लभाकुंज जानकी घाट अयोध्या का भी पदापर्ण सीधी की पावन धरा पर हो रहा है। जिनके मार्गदर्शन में श्री शिव महापुराण कथा 8 फरवरी से 15 फरवरी 2026 तक प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से पूजा पार्क में आयोजित होगी। कथा व्यास आचार्य राघव महाराज द्वारा प्रथम दिवस महात्म, द्वितीय दिवस नारद मोह, तृतीय दिवस सती जी का जन्म प्रसंग भोले नाथ से विवाह, चतुर्थ दिवस सती जी का चरित्र और पार्वती जन्म तक बधाई, पार्वती शिव विवाह पंचम दिवस, षष्टी दिवस कार्तिक चरित्र, सप्तम दिवस गणेश चरित्र, हनुमत चरित्र, द्वादश ज्योतिर्लिंग की कथा पर प्रकाश डालेगें।

राजकीय कन्या मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में हुआ जिला स्तरीय विधिक साक्षरता प्रतियोगिताओं का आयोजन

लोकतंत्र की शान, राजेंद्र करनाल की रिपोर्ट

करनाल, राजकीय कन्या मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रेलवे रोड करनाल में आज जिला स्तरीय विधिक साक्षरता प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि करनाल नगर निगम की मेयर रेणु बाला ने शिरकत की जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला शिक्षा अधिकारी रोहतास वर्मा ने की। मेयर रेणु बाला ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा की इस तरह के कार्यक्रम बच्चों को कानूनी सजगता और समझ देने के साथ-साथ समाज में फैली कुरीतियों पर गहरी चोट करते हैं। विद्यार्थियों को प्रतिभा के साथ-साथ इस तरह के कार्यक्रमों में बढ़ चढ़कर भाग लेना चाहिए और समाज में फैली कुरीतियों को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए अपना योगदान देना चाहिए। जिला शिक्षा अधिकारी रोहतास वर्मा ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के बच्चे कल का भविष्य और कल का समाज होंगे इसलिए एक स्वस्थ समाज और अच्छे भविष्य के लिए आज के बच्चों का सजग एवं जागरूक होना नितांत आवश्यक है। कार्यक्रम के ओवरऑल प्रभारी प्राचार्य महेंद्र सिंह नरवाल ने आये हुए अतिथियों का धन्यवाद किया। इस अवसर पर कार्यक्रम के कोऑर्डिनेटर प्राचार्य मनदीप शर्मा, मनोविज्ञान प्रवक्ता सचिन , प्राचार्य चंद्र मोहन, प्राचार्य देवेंद्र, प्राचार्य रेखा सीकरी आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के परिणाम इस प्रकार रहे

काव्य पाठ में प्रथम राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय निसिंग, द्वितीय राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शेखूपुरा तृतीय राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पुंडराक ऑन द स्पॉट पेंटिंग प्रथम राजकीय कन्या मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रेलवे रोड करनाल द्वितीय राजकीय राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जुंडला तृतीय राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तरावड़ी नारा लेखन प्रथम पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जुडला द्वितीय राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय इंद्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पुंडराक भाषण प्रतियोगिता प्रथम राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयकुंडारक द्वितीय राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय निश्चित तृतीय पीएम श्री सीनियर सेकेंडरी स्कूल प्रेम नगर पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन प्रथम राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल निसिग द्वितीय पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय प्रेम नगर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पुंडराक लघु नाटिका प्रथम राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जुंडला द्वितीय राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय चिड़ाव वाद विवाद प्रतियोगिता प्रथम राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय देवीपुर द्वितीय राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पुंडरक तृतीय राज के मॉडल संस्कृति की वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मिसिंग प्रश्नोत्तरी प्रथम राजकीय मॉडल संस्कृति की वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय देवीपुर द्वितीय राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पुंडराक राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तरावड़ी

दिव्यांग रविता ने पैरों से रचा इतिहास

» संभागीय पर्पल फेयर में दिव्यांग विद्यार्थियों ने बिखेरा हुनर का जलवा

लोकतंत्र की शान

सीधी । दिव्यांगजनों की प्रतिभा, आत्मविश्वास और संकल्प का अद्भुत उदाहरण उस समय देखने को मिला, जब संभागीय स्तर पर आयोजित "पर्पल फेयर" में जिला सीधी के विद्यार्थियों ने अपनी कला से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह आयोजन 06 फरवरी 2026 को अटल बिहारी सामुदायिक भवन, वार्ड क्रमांक 42, बिलीजी, बैढ़न (सिंगरौली) में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सीधी की रविता केवट रहीं, जिन्होंने अपने पैरों से पेंटिंग कर यह सिद्ध कर दिया कि दृढ़ इच्छाशक्ति के आगे कोई भी शारीरिक सीमा बाधा नहीं बन सकती। उनकी कलाकृति ने दर्शकों सहित मंचासीन अतिथियों को भी भावुक कर दिया। इसी क्रम में मानसी मिश्रा, जिनके दोनों पैर नहीं हैं, ने नृत्य कला के माध्यम से प्रभावशाली प्रस्तुति दी। रविता और मानसी पूरे कार्यक्रम में आकर्षण का केन्द्र रहीं और सीधी जिले को संभागीय स्तर पर विशेष पहचान दिलाई। कार्यक्रम में पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्रीमती

राधा सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने सीधी के दिव्यांग विद्यार्थियों के आत्मबल, संघर्ष और प्रतिभा की खुले मंच से सराहना करते हुए उन्हें समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया। जिला सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सीधी द्वारा कुल 10 दिव्यांग प्रतिभागियों को इस संभागीय आयोजन में सहभागिता हेतु भेजा गया था। संपूर्ण सहभागिता का सफल संचालन उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग सागर जैन के मार्गदर्शन में किया गया, जिनके निर्देशन एवं प्रशासनिक समन्वय से प्रतिभागियों का चयन, सहभागिता एवं व्यवस्थाएं सुचारु रूप से सम्पन्न हुईं। कार्यक्रम में प्रतिभागियों के साथ सतत सहयोग, मार्गदर्शन एवं आवागमन की समुचित व्यवस्था में ट्रांसडिसिप्लिनरी स्पेशल टीचर शिवांसु शुक्ला जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र सीधी एवं दीपक रावत की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके संवेदनशील सहयोग से दिव्यांग विद्यार्थियों ने पूरे आत्मविश्वास के साथ मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में सीडब्ल्यूएसएन हॉस्टल मधुरी के विद्यार्थियों तथा देवव्रत ग्राम विकास शिक्षा समिति, सीधी के कुशल केवट द्वारा दिए गए प्रेरक भाषण ने उपस्थित जनसमूह को दिव्यांगजनों की क्षमताओं, अधिकारों एवं सामाजिक सहभागिता के प्रति जागरूक किया। विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन से यह सिद्ध हुआ कि सीधी जिले के दिव्यांगजन किसी भी मंच पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाने में पूर्णतः सक्षम हैं। यह आयोजन दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता एवं सकारात्मक सामाजिक दृष्टिकोण को सुदृढ़ करने की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल साबित हुआ।

महिलाएं आत्मनिर्भर, सशक्त व सुरक्षित -भारत भूषण जुआल

लोकतंत्र की शान, राजेंद्र करनाल की रिपोर्ट

करनालः केंद्रीय बजट में महिला कल्याण के लिए किए गए प्रावधानों के विषय को लेकर रामनगर मंडल में करनाल जिला प्रभारी भारत भूषण जुआल द्वारा महिलाओं के साथ चर्चा की गई इस अवसर पर कार्यक्रम की आयोजिका रजनी परोचा,मंडल अध्यक्षा गीता,ओ बी सी मोर्चा की जिला महामंत्री अनीता जोशी भाजपा वरिष्ठ नेत्री निरुपमा सदर एवं भाजपा जिला महामंत्री सुभाष कश्यप जी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला प्रभारी भारत भूषण जुआल ने उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट महिलाओं को आत्मनिर्भर, सुरक्षित एवं सशक्त बनाने की दिशा में एक मजबूत और दूरदर्शी बजट है। उन्होंने कहा कि इस बजट में महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, स्वरोजगार, स्वयं सहायता समूहों को आर्थिक सहयोग, ग्रामीण आजीविका मिशन तथा मातृ-बाल कल्याण से जुड़ी योजनाओं को विशेष प्राथमिकता दी गई है। इन प्रावधानों से ग्रामीण व शहरी दोनों क्षेत्रों की महिलाओं को सीधा लाभ मिलेगा और उनकी आय में बढ़ोतरी होगी। श्री जुआल ने आगे जानकारी देते हुए कहा कि वित्त मंत्री ने अपने पिछले बजट में 'लखपति

दीदी योजना' शुरू की गई थी। इस बार सी-मार्ट योजना उसी को आगे बढ़ाते हुए पेश की गई है ताकि महिलाओं को और अधिक आर्थिक अवसर मिल सकें। सी-मार्ट्स समुदाय-संचालित रिटेल आउटलेट होंगे जहां स्व सहायता समूह की महिलाएं खुद का कारोबार चला सकेंगी और इस योजना के तहत महिलाओं को कम ब्याज दर पर वित्तीय सहायता (लोन) भी उपलब्ध कराई जा सकती है ताकि वे अपने व्यापार को मजबूत कर सकें। बजट 2026 में महिलाओं के लिए यह नई पहल उनके आर्थिक सशक्तिकरण, उद्यमिता और स्वयं-का व्यवसाय चलाने वाली क्षमता को बढ़ाने की दिशा में कदम है।

रिश्वतखोर खण्ड चिकित्साधिकारी लोकायुक्त के हाथों गिरफ्तार

» मेडिकल रिपोर्ट लिखने के लिए फरियादी से मांगेथे पैसे 5000 रुपए के साथ लोकायुक्त रीवा की टीम ने दबोचा

लोकतंत्र की शान रामबिहारी पाण्डेय ब्यूरो

सीधी। जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिहावल में पदस्थ बीएमओ को लोकायुक्त पुलिस रीवा की टीम ने रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह कार्यवाही शनिवार सुबह की गई है। बीएमओ सिहावल डॉक्टर स्वतंत्र पटेल ने फरियादी से मेडिकल रिपोर्ट में गहरा घाव लिखने के एवज में मांगी थी। गौरतलब हो कि मऊगंज जिले के पाती निवासी अंकित शुक्ला के साथ करीब एक माह पहले अमिलिया क्षेत्र में मारपीट हुई थी, जिसमें उन्हें गंभीर चोटें आई थीं, कानूनी प्रक्रिया के तहत मेडिकल परीक्षण और रिपोर्ट की आवश्यकता थी। पीड़ित अंकित शुक्ला

अपनी मेडिकल रिपोर्ट में सच्चाई का उल्लेख कराना चाहते थे, जिसके एवज में बीएमओ डॉक्टर स्वतंत्र पटेल ने मेडिकल रिपोर्ट में गहरा घाव लिखने के लिए अंकित से 10 हजार की रिश्वत मांगी थी। लेकिन फरियादी की आरजूमिन्नत के बाद रिश्वत की राशि 5,000 तय हुई। इसके बाद शिकायतकर्ता अंकित शुक्ला ने लोकायुक्त पुलिस से संपर्क किया और लिखित शिकायत दर्ज कराई। लोकायुक्त पुलिस रीवा ने शिकायत का सत्यापन किया, जो सही पाया गया। सत्यापन के बाद टीम ने ट्रैप की योजना बनाई। इनका कहना है। शिकायतकर्ता अंकित शुक्ला द्वारा शिकायत की गई थी कि सिहावल बीएमओ डॉ स्वतंत्र पटेल द्वारा मेडिकल रिपोर्ट बनाने के लिए 5000 रुपए रिश्वत मांग रहे हैं, शिकायत पर जांच और सत्यापन के बाद ही आज शनिवार को डॉ को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया है, भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है।

एम आर मरावी -निरीक्षक लोकायुक्त पुलिस रीवा।

कार्यवाही से मचा हड़कंप

शनिवार सुबह करीब 10 बजे शिकायतकर्ता अंकित शुक्ला ने डॉक्टर स्वतंत्र पटेल को रिश्वत की राशि सौंपी, पहले से तैनात लोकायुक्त टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उन्हें रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी डॉक्टर को सीधी जिले के सर्किट हाउस लाया गया, जहां संपूर्ण कार्रवाई की गई। इस कार्यवाही में लोकायुक्त पुलिस रीवा की 12 सदस्यीय टीम शामिल रहीं। सुबह हुई इस कार्यवाही से समूचे सिहावल विकासखंड में अफरा तफरी मच गई, उधर स्वास्थ्य अमले में जिला मुख्यालय तक हलचल मची रही।

चर्चा में रहा बीएमओ का कारनामा

बता दें कि हाल ही में सिहावल बीएमओ के प्रभार में आए डॉ स्वतंत्र पटेल के कारनामें जल्द ही चर्चा में आ गया था, सूत्र बताते हैं कि इनके अधीनस्थ स्वास्थ्य केंद्रों में प्रसव की सुविधा बिना सुविधा शुल्क के नहीं मिल रही थी, अमिलिया स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ नर्स विद्या तिवारी द्वारा खुलेआम पैसा लिया जा रहा है, जिसकी शिकायत भी स्थानीय लोगों द्वारा बीएमओ से की गई थी लेकिन उनके द्वारा नर्स के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गई थी, यही वजह थी कि अब सिहावल क्षेत्र की जनता यह कहने लगी थी कि लेनदेन का सिलसिला बीएमओ के इशारे पर ही चल रहा है।

संक्षिप्त समाचार

एपस्टीन फाइल्स- अनिल अंबानी की चैट सामने आई

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट ने यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन ने जो दस्तावेज जारी किए हैं, उसमें अनिल अंबानी से जुड़े नए खुलासे सामने आए हैं। ये दस्तावेज एपस्टीन और उद्योगपति अनिल अंबानी के बीच 2017 से 2019 के दौरान हुई बातचीत से जुड़े हैं। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, इनमें कारोबार, वैश्विक मामलों और महिलाओं को लेकर चर्चा हुई। 9 मार्च 2017 की बातचीत में अनिल ने एपस्टीन से पूछा- क्या सुझाव है? इस पर एपस्टीन ने लिखा- मुलाकात 'मजेदार' बनाने के लिए 'लंबी स्वीडिश ब्लॉन्ड महिला' बेहतर होगी। इसके बाद अंबानी ने जवाब दिया, 'इसे अरेंज करो।' बातचीत तब की है। यह बातचीत उस समय की है,

जब एप्सटीन को पहले ही 2008 में नाबालिगों से जुड़े यौन आपराध के मामले में सजा मिल चुकी थी। इसके बावजूद एप्सटीन दुनिया के कई प्रभावशाली और ताकतवर लोगों के संपर्क में बना हुआ था। रिकॉर्ड बताते हैं कि दोनों के बीच पेरिस और न्यूयॉर्क में मिलने की योजना बनीं। मई 2019 में अनिल अंबानी के न्यूयॉर्क दौरे के वक्त एपस्टीन ने उन्हें मैनहैटन स्थित अपने घर बुलाया, जहां दोनों मिले। दूसरे ईमेल्स से यह भी पता चलता है कि अंबानी और एपस्टीन के बीच अंतरराष्ट्रीय यात्राओं, बिजनेस मीटिंग्स और वैश्विक मंचों पर होने वाले कार्यक्रमों को लेकर बातचीत हुई थी। इनमें पेरिस, न्यूयॉर्क और वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के कार्यक्रमों में संभावित मुलाकातों का जिक्र है। एप्सटीन को 2019 में संघीय स्तर पर सेक्स ट्रैफिकिंग के आरोपों में फिर से गिरफ्तार किया गया था, लेकिन मुकदमा शुरू होने से पहले ही उसकी हिरासत में मौत हो गई। इसके बाद दुनियाभर में विवाद खड़ा हुआ और उसके नेटवर्क को लेकर कई तरह की जांच शुरू हुईं।

ट्रम्प बोले- बराक और मिशेल ओबामा से माफी नहीं मांगूंगा

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया से पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और उनकी पत्नी मिशेल ओबामा का वीडियो डिलीट कर दिया है। इस वीडियो में ओबामा और उनकी पत्नी को जंगल में प्राइमेट्स (बंदर) के रूप में दिखाया गया था। हालांकि, ट्रम्प ने शुक्रवार को सफाई देते हुए माफी मांगने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, 'मैंने शुरुआत देखी, वो ठीक थी।" इसके बाद उन्होंने इसे किसी स्टाफ को भेज दिया, जिन्हें पूरा वीडियो देखना चाहिए था।' ट्रम्प का दावा है कि स्टाफ ने वीडियो के अंतिम छोटे हिस्से को मिस कर दिया, जिसमें आपत्तिजनक सामग्री थी। उन्होंने कहा कि जैसे ही उन्हें इसकी जानकारी हुई, वीडियो हटा दिया गया। ट्रम्प ने स्पष्ट रूप से माफी मांगने से इनकार करते हुए कहा, 'नहीं, मैंने कोई गलती नहीं की।' हालांकि, उन्होंने नस्लवादी हिस्से की निंदा की। व्हाइट हाउस ने कहा कि यह पोस्ट एक स्टाफ की गलती से शेयर हुई थी। कुछ घंटे पहले प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने कहा था कि पोस्ट में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं है। वीडियो को लेकर ओबामा ने अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी जाएगी। यह वीडियो ट्रम्प के उन कई पोस्ट्स में से एक था, जिनमें उन्होंने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में धांधली का दावा किया। करीब एक मिनट के वीडियो में उन्होंने कहा किया कि 2020 के चुनाव में बैलेट गिनने वाली कंपनी डोमिनियन वोटिंग सिस्टम्स ने ट्रम्प के खिलाफ गड़बड़ी की थी। वीडियो के आखिर में कुछ सेकंड के लिए ओबामा दंपती के चेहरे बंदरों के शरीर पर दिखाए जाते हैं। उसी दौरान बैकग्राउंड में 'द लायन स्लीप्स टुनाइट' गाना बजता है। यह सीन एक अलग इंटरनेट मीम वीडियो से लिया गया था, जिसे पहले भी एक प्रभावशाली कंजर्वेटिव मीम मेकर ने फैलाया था। उस वीडियो में ट्रम्प को 'जंगल का राजा' और डेमोक्रेट नेताओं को जानवरों के रूप में दिखाया गया था।

दिल्ली बाइकर डेथ केस-गड्ढे वाली जगह पर बैरिकेड-लाइट नहीं थे, साइट का सब-कॉन्ट्रैक्टर गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के जनकपुरी में मोटरसाइकिल सवार की मौत के मामले में FIR में कहा गया है कि साइट पर कोई वॉर्निंग साइन, बैरिकेड या लाइटिंग नहीं थी। कोई गार्ड तैनात भी नहीं किया गया था। FIR में कहा गया है कि गड्ढे को बिना किसी सुरक्षा उपाय के खुला छोड़ दिया गया था। वहीं, दिल्ली पुलिस ने इस सिलसिले में कंस्ट्रक्शन साइट के एक सब-कॉन्ट्रैक्टर को गिरफ्तार कर लिया गया है। जांच में पता चला कि सब-कॉन्ट्रैक्टर राजेश प्रजापति को घंटों पहले ही दुर्घटना के बारे में बता दिया गया था, लेकिन उसने कोई कार्रवाई नहीं की। दिल्ली के शहरी विकास मंत्री आशीष सूद ने शनिवार को कहा कि सरकार ने इस मामले में लापरवाही के आरोप में तीन

इंजीनियरों को सस्पेंड कर दिया है और उन पर लापरवाही का केस भी दर्ज किया गया है। दरअसल 5 फरवरी की देर रात कमल भयानी (25) की दिल्ली जब बोर्ड की कंस्ट्रक्शन साइट पर खोदे गड्ढे में गिरने से मौत हो गई थी। 6 फरवरी की सुबह 8 बजे PCR कॉल मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, जिसके बाद हादसे का पता चला। जनकपुरी पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता की धारा 105(गैर इरादतन हत्या) के तहत FIR दर्ज की गई है। इसमें कहा गया है दिल्ली जल बोर्ड और उसके ठेकेदार को यह अच्छी तरह पता था कि सार्वजनिक सड़क पर सुरक्षा उपायों के बिना खुला गड्ढा छोड़ने से कोई व्यक्ति गिर सकता है और उसकी जान जा सकती है।

राजस्थान-छत्तीसगढ़ में फरवरी के पहले हफ्ते ही पारा 30° पार, बाड़मेर-राजनांदगांव में तापमान 32°C पहुंचा

भोपाल/लखनऊ/शिमला/देहरादून। देशभर में मौसम बदल रहा है। मध्य प्रदेश में सर्दी फिर से बढ़ गई, वहीं राजस्थान और छत्तीसगढ़ में फरवरी के पहले ही हफ्ते में तापमान 32 °C का आंकड़ा पार कर गया। हरियाणा के कई जिलों में पारा 25°C तक पहुंचा गया है। उधर, मध्य प्रदेश के भोपाल, इंदौर और ग्वालियर समेत कई शहरों में तापमान न्यूनतम तापमान 11 °C रहा। खजुराहो में टेम्परेचर 6.6 डिग्री पहुंच गया। मौसम विभाग के मुताबिक हिमाचल और उत्तराखंड में 9 फरवरी से बारिश-बर्फबारी होने की संभावना है। उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों में 3000 मीटर से ज्यादा ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी हो सकती है। बिहार के कई जिलों में न्यूनतम तापमान 10 °C रिकॉर्ड किया गया है। गोपालगंज-मधुबनी में शनिवार सुबह विजिबिलिटी जीरो रही। मौसम विभाग ने राजधानी दिल्ली में आज तेज सर्द हवाएं चलने की संभावना जताई है।

सोनिया गांधी के वोटर लिस्ट केस में कोर्ट को जवाब

नई दिल्ली। सोनिया गांधी ने नागरिकता से पहले वोटर लिस्ट में नाम जोड़े जाने के केस में अपना जवाब दाखिल किया है। शनिवार को राउज एवेन्यू कोर्ट को दिए जवाब में कहा उनके खिलाफ दायर पुनर्विचार याचिका गलत और अनुमानित तथ्यों पर आधारित है। यह याचिका ओछी राजनीति से प्रेरित और कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग है। स्पेशल जज (CBI) विशाल गोगने की कोर्ट में वकील के जरिए दायर जवाब में सोनिया ने भारतीय नागरिकता हासिल करने से पहले वोटर लिस्ट में शामिल होने से जुड़े आरोपों का खंडन किया। साथ ही पुनर्विचार याचिका को खारिज करने की मांग की है। मामले की सुनवाई अब 21 फरवरी को होगी। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने भी 13 अगस्त को दावा किया था कि सोनिया गांधी का नाम भारत की वोटर लिस्ट में दो बार तब शामिल हुआ, जब वह भारतीय नागरिक नहीं थीं। मालवीय ने X पर लिखा, 'यह पूरा मामला चुनावी कानून के स्पष्ट उल्लंघन का उदाहरण है। शायद यही कारण है कि राहुल गांधी भी ऐसे मतदाताओं को वैध करने के पक्ष में रहते हैं, जो अयोग्य या अवैध हैं और स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) का विरोध करते हैं।'

भारत पर अमेरिकी एक्स्ट्रा टैरिफ खत्म

♦ पीयूष गोयल बोले- अमेरिका में भारतीय कृषि उत्पादों पर जीरो ड्यूटी, किसानों-मछुआरों को बड़ा फायदा होगा

एजेंसी, नई दिल्ली/वॉशिंगटन डीसी

कॉमर्स मिनिस्टर पीयूष गोयल ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के फ्रेमवर्क की घोषणा की तारीफ की। उन्होंने बताया कि भारतीय कृषि उत्पाद अमेरिका में जीरो टैरिफ पर निर्यात किए जाएंगे, जबकि अमेरिका के कृषि उत्पादों को भारत में कोई टैरिफ छूट नहीं दी गई है। पीयूष गोयल ने साफ किया कि इस समझौते में जेनेटिकली मॉडिफाइड (GM) फूड को भारत में प्रवेश की अनुमति नहीं मिली है। उन्होंने कहा- यह समझौता भारतीय निर्यातकों के लिए 30 ट्रिलियन डॉलर (लगभग 27.18 लाख करोड़ रुपये) के बाजार को खोलेगा। इसके अलावा भारत ने अगले 5 साल में अमेरिका से 50 हजार करोड़ डॉलर (45 लाख 30 हजार करोड़ रुपये) के उत्पाद खरीदने पर सहमति जताई है। भारत और अमेरिका ने शुक्रवार को अंतरिम व्यापार समझौते (ITA) का फ्रेमवर्क जारी किया है। इसके तहत भारतीय सामान पर अमेरिका का टैक्स 50% घटाकर 18% कर दिया गया है। रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत पर लगाया गया 25% अतिरिक्त टैक्स भी हटा लिया गया है।

दोनों देशों ने कहा कि इस फ्रेमवर्क को जल्द लागू किया जाएगा और व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (BTA) की दिशा में बातचीत आगे बढ़ेगी। भारत-अमेरिका के संयुक्त बयान के मुताबिक, यह फ्रेमवर्क 13 फरवरी 2025 को शुरू हुई भारत-अमेरिका BTA वार्ता को आगे बढ़ाएगा। इस समझौते में आगे चलकर बाजार पहुंच, सप्लाई चेन को मजबूत करने और ट्रेड बैरियर कम करने जैसे प्रावधान शामिल होंगे।

नॉन-टैरिफ बाधाओं को दूर करेंगे दोनों देश: पीयूष गोयल ने बताया कि दोनों देशों ने फैसला किया है कि वे इसके कुछ नियम तय करेंगे, ताकि इस समझौते का लाभ मुख्य रूप से अमेरिका और भारत को ही मिले, न कि किसी तीसरे देश को। भारत और अमेरिका का इस व्यापार समझौते में नॉन-टैरिफ बैरियर्स को दूर करने पर खास फोकस है। ये बाधाएं टैरिफ नहीं होतीं, लेकिन व्यापार को मुश्किल बनाती हैं। अमेरिकी मेडिकल डिवाइसेस कंपनियों को भारत में कीमत तय करने के नियम, रजिस्ट्रेशन में देरी जैसी रुकावटों का सामना करना पड़ा रहा था।

भारत ने वादा किया है कि इन लंबे समय से चली आ रही बाधाओं को दूर करेगा, ताकि अमेरिकी मेडिकल डिवाइस आसानी से भारत में बिक सकें। इससे भारतीय अस्पतालों और मरीजों को बेहतर और सस्ती अमेरिकी तकनीक मिल सकती है। अमेरिकी ICT उत्पाद के आयात के लिए भारत में लाइसेंस की प्रक्रिया बहुत जटिल और समय लेने वाली थी। भारत ने सहमति जताई है कि इन लाइसेंस प्रक्रियाओं को आसान और तेज करेगा। इससे अमेरिकी आईटी और टेक कंपनियों के लिए भारत में बाजार पहुंच आसान हो जाएगी और भारत में भी सस्ते और अच्छे उपकरण उपलब्ध होंगे।

अमेरिकी स्टैंडर्ड्स और टेस्टिंग को मान्यता देने पर काम करेगा भारत: भारत यह भी तय करेगा कि समझौते लागू होने के 6 महीने के अंदर कुछ चुनिंदा क्षेत्रों में अमेरिकी स्टैंडर्ड्स (जो अमेरिका में इस्तेमाल होते हैं) और टेस्टिंग आवश्यकताओं को स्वीकार किया जा सकता है या नहीं। जब कोई अमेरिकी कंपनी भारत में अपना सामान बेचना चाहती है, तो भारत में अलग-अलग स्टैंडर्ड्स (मानक) और टेस्टिंग (जांच) की जरूरत पड़ती है। अमेरिका में पहले से ही अपने उत्पादों पर अमेरिकी स्टैंडर्ड्स के अनुसार टेस्टिंग हो चुकी होती है, लेकिन भारत में अक्सर दूसरी बार टेस्टिंग करनी पड़ती है। यानी वही सामान भारत में फिर से जांचा जाता है।

इससे समय लगता है, खर्च बढ़ता है, सामान महंगा हो जाता है, और व्यापार धीमा हो जाता है। भारत ने वादा किया है कि समझौता लागू होने के 6 महीने के अंदर कुछ चुनिंदा क्षेत्रों में जांच करेगा। इसमें देखा जाएगा कि क्या अमेरिकी स्टैंडर्ड्स को सीधे स्वीकार किया जा सकता है। अगर अमेरिका में सामान पहले ही उन स्टैंडर्ड्स के अनुसार टेस्ट हो चुका है, तो भारत में दोबारा टेस्टिंग की जरूरत नहीं पड़ेगी। संयुक्त बयान में लिखा है कि इसका नतीजा सकारात्मक रखने की कोशिश की जाएगी। यानी जितना संभव हो अमेरिकी स्टैंडर्ड्स को मान्यता देने की दिशा में काम होगा।

मंत्री-शाह ने कर्नल सोफिया मामले में चौथी बार माफी मांगी

भोपाल। कर्नल सोफिया को लेकर दिए बयान को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई से दो दिन पहले प्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह ने एक बार फिर माफी मांगी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी किया है। शाह ने कहा- मैंने पहले भी कई बार कहा है, मेरा ऐसा कोई उद्देश्य नहीं था कि किसी महिला अधिकारी, भारतीय सेना या समाज, किसी वर्ग का अपमान हो। वे शब्द निस्संदेह मेरी भावना के अनुरूप नहीं थे। वे शब्द देश भक्ति के उत्साह, उत्तेजना और आवेश में निकले थे। गलती के पीछे की भावना को अवश्य देखा जाना चाहिए। आप सब जानते हैं कि मेरी कोई दुर्भावना नहीं थी। मैंने अंतःकरण से क्षमा याचना की। कई बार की है। आज फिर कर रहा हूं। मेरे लिए अत्यंत पीड़ादायक है कि मेरी छोटी से त्रुटि से ऐसा विवाद उत्पन्न हुआ। मुझे विश्वास है कि मेरी भावनाओं को सही संदर्भ में देखा जाएगा। भारतीय सेना के प्रति मेरे मन में सदैव सम्मान रहा है और रहेगा।

सार्वजनिक जीवन में रहते हुए ऐसे शब्दों की मर्यादा, संवेदनशीलता अत्यंत आवश्यक है। इस घटना से मैंने आत्ममंथन किया है। सबक लिया है। जिम्मेदारी मानता हूं। भविष्य में वाणी पर नियंत्रण रहेगा।

चुनाव जीत कर भी संसद में प्रवेश नहीं कर पाएंगे रवि लामिछाने

एजेंसी, काठमांडू

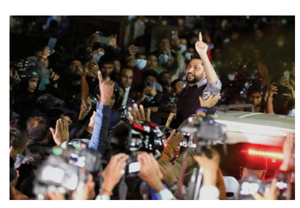

नेपाल के संसदीय चुनाव में राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी (रास्वपा) के अध्यक्ष रवि लामिछाने तीसरी बार चितवन निर्वाचन क्षेत्र नंबर–2 से प्रतिनिधि सभा चुनाव लड़ रहे हैं, पर चुनाव जीतने की स्थिति में भी वह न तो संसद में प्रवेश कर पाएंगे न ही किसी संवैधानिक या कार्यकारी पद पर नियुक्त हो पाएंगे, क्योंकि उनके खिलाफ कई कानूनी मामले अभी लंबित हैं।

अप्रैल 2023 के उपचुनाव में नवंबर 2022 के आम चुनाव की तुलना में प्राप्त मतों में हुई वृद्धि के आधार पर पर्यवेक्षकों का आकलन है कि चितवन–2 में लामिछाने की चुनावी पकड़ अब भी मजबूत है। लेकिन लंबित अदालती मामलों के कारण, निर्वाचित होने पर भी वे सांसद, मंत्री या प्रधानमंत्री के रूप में कार्य नहीं कर सकते।

वर्तमान में बुटवल की सुप्रीम सहकारी, पोखरा की सूर्य दर्शन सहकारी, काठमांडू की स्वर्ण लक्ष्मी सहकारी, चितवन की सहारा सहकारी और पर्सा की सानो पैला सहकारी से जुड़े कथित बचत गबन के मामलों की सुनवाई अदालतों में चल रही है। संगठित अपराध और के आरोप भी न्यायिक विचाराधीन हैं।

सरकार ने महान्यायाधिवक्ता कार्यालय के माध्यम से संगठित अपराध और धनशोधन के आरोप वापस लेने की प्रक्रिया शुरू की। 14 जनवरी 2025 को महान्याधिवक्ता रेनु भंडारी ने काठमांडू, कास्की, रुपन्देही और पर्सा की जिला अदालतों में दायर आरोपपत्रों में संशोधन कर संगठित अपराध और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप हटाने का निर्णय लिया।

इस्लामाबाद शिया मस्जिद धमाका मामला- 3 गिरफ्तार, पाक ने भारत को जिम्मेदार बताया

❑ विदेश मंत्रालय बोला- पाकिस्तान खुद को धोखा दे रहा

एजेंसी, नई दिल्ली

पाकिस्तान में पुलिस ने 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। इसमें दो भाई और एक महिला शामिल है। ये तीनों लोग शुक्रवार को इस्लामाबाद के एक शिया मस्जिद में हुए आत्मघाती हमले से जुड़े बताए जा रहे हैं। इस हमले में 31 लोग मारे गए थे और 169 अन्य घायल हो गए थे। आत्मघाती हमलावर ने खदीजा अल-कुबरा मस्जिद (इमामबाड़ा) में खुद को उड़ा लिया था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इन तीनों से पूछताछ जारी है और जांच एजेंसियां इस हमले के पीछे की पूरी साजिश का पता लगाने में जुटी हुई हैं। दूसरी ओर भारत ने हमले की निंदा करते हुए कड़ी प्रतिक्रिया दी। विदेश मंत्रालय ने देर रात बयान जारी कर कहा कि हमले में भारत के शामिल होने का दावा निराधार है। विदेश मंत्रालय ने कहा- यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पाकिस्तान इन मुद्दों का हल ढूंढने के बजाय, दूसरों को अपनी परेशानियों के लिए दोषी ठहरा रहा है। विदेश मंत्रालय ने आगे कहा- पाकिस्तान खुद को ही धोखा दे रहा है। भारत का ये बयान पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के उस दावे के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि हमले में भारत और अफगानिस्तान शामिल थे।

राष्ट्रपति बोले- ये हमला इंसानियत के खिलाफ: पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने धमाके में मारे गए लोगों के लिए शोक जताया है। उन्होंने कहा कि बेगुनाह लोगों को निशाना बनाना इंसानियत के खिलाफ है। जरदारी ने घायलों के जल्द ठीक होने की दुआ की और अधिकारियों को निर्देश दिए कि घायलों को हर संभव बेहतर इलाज की सुविधा दी जाए।

मंत्री ने कहा- ऐसी घटनाएं देश का हौसला नहीं तोड़ सकती: पार्लियामेंट्री अफेयर्स के मंत्री डॉ. तारिक फजल चौधरी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि इस्लामाबाद में हुए धमाके की मैं कड़ी निंदा करता हूं। इस हमले में मारे गए लोगों के लिए दुखी हूं। ऐसी आतंकी घटनाएं देश और लोगों का हौसला नहीं तोड़ सकती। जरूरत है कि हम सब मिलकर शांति के लिए एकजुट हों और कानून व्यवस्था संभालने वाली एजेंसियों के साथ मजबूती से खड़े रहें।

तीन महीने पहले आत्मघाती धमाके में 12 लोग मारे गए थे: इससे पहले भी 11 नवंबर 2025 को इस्लामाबाद के G-11 इलाके में जिला और सत्र न्यायालय के बाहर आत्मघाती धमाका हुआ था। उस धमाके में 12 लोगों की मौत हो गई थी और 30 से ज्यादा लोग घायल हुए थे।

ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स में पाकिस्तान दूसरे नंबर पर: ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स 2025 के मुताबिक, बुर्किना फासो के बाद पाकिस्तान दुनिया का दूसरा सबसे आतंक प्रभावित देश बन चुका है, जबकि 2024 में यह चौथे स्थान पर था। 2025 में TTP के हमलों में 90% की वृद्धि हुई है।

मथुरा में एक्सप्रेस-वे पर 6 की मौत, कंटेनर ने रौंदा, बस से उतरकर सड़क किनारे खड़े थे

एजेंसी, मथुरा

मथुरा में यमुना एक्सप्रेस-वे पर स्लीपर बस से उतरकर खड़े यात्रियों को तेज रफ्तार कंटेनर ने रौंद दिया। हादसे में 6 की मौके पर मौत हो गई। एक गंभीर घायल है। घटना शनिवार तड़के 2.45 बजे की है। जानकारी के मुताबिक, बस दिल्ली के नागलोई से कानपुर देहात के रसूलाबाद जा रही थी। रास्ते में कुछ यात्रियों ने ड्राइवर को बाथरूम के लिए बस रोकने को कहा। ड्राइवर ने ग्रीन जोन की बजाय रास्ते में बस रोक दी। कुछ यात्री बस से उतरकर नीचे खड़े हो गए, तभी पीछे से आ रहे कंटेनर ने पहले बस को टक्कर मारी। फिर यात्रियों को रौंद दिया। कंटेनर का चालक मौके से फरार हो गया। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई।

हाईवे पर लाशें बिछ गईं। कुछ यात्रियों के चहेरे बुरी तरह कुचल गए। इससे उन्हें पहचानना मुश्किल हो गया। परिजनों ने स्वेटर-कपड़ों से उनकी पहचान की। मौके पर लंबा जाम लग गया। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने एंबुलेंस से घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। इस बीच CM योगी ने हादसे का संज्ञान लिया। पीड़ित परिवारों को ढांढस बंधाया। हिम्मत रखने की अपील की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तुरंत मौके पर पहुंचने और राहत कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। हादसा सुरीर थाना क्षेत्र में माइल स्टोन-88 के पास हुआ।

चेहरे कुचले, स्वेटर से पहचान

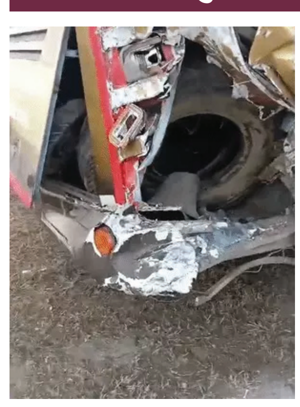

'रात 10 बजे पापा से बात हुई, 3 बजे कॉल कि एक्सीडेंट हो गया': मृतक संतोष के बेटे अभिनय ने बताया कि रात 10 बजे पापा से बातचीत हुई थी। उन्होंने बताया था कि वह लोग बस में बैठ गए हैं। अपने पैतृक गांव मैनपुरी के लिए जा रहे हैं। फिर अचानक से सुबह करीब 3 बजे मम्मी का कॉल आया कि पापा का एक्सीडेंट हो गया है। उनकी मृत्यु हो गई है। अभिनय ने बताया कि वह दो भाई हैं। पापा दिल्ली में रहकर मसाले के सेल्समैन का कार्य करते थे।

मृतक अनुराग का चेहरा बुरी तरह से कुचला, भाई बोला- स्वेटर से पहचान की: मृतक अनुराग के भाई अनिल गुप्ता ने बताया- मेरे नंबर पर सुबह करीब 7 बजे पुलिस की कॉल आई थी। फोन करने वाले शख्स ने बताया- यमुना एक्सप्रेसवे पर हादसा हो गया है। जिसमें अनुराग की मौत हो चुकी है। उसकी लाश पोस्टमार्टम हाउस पर है। सूचना मिलते ही परिजन को लेकर मैं पोस्टमार्टम हाउस पहुंचा। वहां पर देखा तो भाई का चेहरा बुरी तरह से कुचला हुआ था। स्वेटर से उसकी पहचान की। वह दिल्ली में प्राइवेट जॉब करता था। आज घर आ रहा था।

भाजपा की रितु तावड़े बीएमसी महापौर पद की उम्मीदवार

एजेंसी, मुंबई

❑ शिंदे गुट ने संजय घाड़ी को डिप्टी मेयर के लिए चुना, चुनाव 11 फरवरी को

मुंबई में मेयर और डिप्टी मेयर के चुनाव के लिए BJP और शिवसेना ने अपने उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है। BJP की रितु तवाड़े ने शनिवार को महापौर पद के लिए नॉमिनेशन दाखिल किया, जबकि शिवसेना (शिंदे गुट) ने संजय घाड़ी को डिप्टी मेयर पद का उम्मीदवार बनाया है। तवाड़े और घाड़ी ने नगर निगम सचिवालय में नामांकन दाखिल किया। इस दौरान मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा समेत कई बड़े नेता मौजूद रहे। मेयर का चुनाव 11 फरवरी को दोपहर 12 बजे होगा। संभावना है कि शिवसेना ठाकरे गुट भी मेयर पद के लिए उम्मीदवार खड़ा कर सकता है। BJP नेता अमित साटम ने रितु तवाड़े का नाम घोषित किया। तवाड़े वार्ड 132 की पार्षद हैं। रितु पहली बार 2012 में वार्ड संख्या 127 से पार्षद चुनी गई थीं। 2017 में घाटकोपर के वार्ड नंबर 121 से पार्षद बनी थीं। वे पहले मुंबई नगर निगम की शिक्षा समिति की अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। शिवसेना के सचिव संजय मोरे ने कहा कि घाड़ी अगले 15 महीने तक डिप्टी मेयर के रूप में काम करेंगे। घाड़ी पहले शिवसेना (UBT) के वरिष्ठ कॉरपोरेटर थे। बाद में उन्होंने एकनाथ शिंदे नेतृत्व वाली शिवसेना जॉइन की। शिवसेना ने डिप्टी मेयर का पद चार हिस्सों में बांटकर चार अलग-अलग पारष्दों को मौका देने का फैसला किया है।

म्यांमार में 24 घंटे में दो बार हिली धरती

एजेंसी, नेप्यीडॉ (म्यांमार)

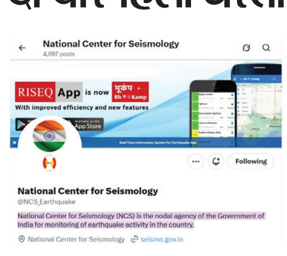

म्यांमार में पिछले 24 घंटे में दो बार भू-गर्भीय हलचल हुई है। आज तड़के फिर भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.9 मापी गई। रिक्टर स्केल पर एक दिन पहले शुक्रवार को 4.9 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था। फिलहाल कहीं से भी नुकसान की सूचना नहीं है।

भारत के राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने एक्स पोस्ट पर यह जानकारी दी। पोस्ट के अनुसार भूकंप 85 किलोमीटर की गहराई पर आया। शुक्रवार को भूकंप की गहराई 96 किलोमीटर रही। इससे पहले म्यांमार में दो फरवरी को 115 किलोमीटर की गहराई पर 4.5 तीव्रता का भूकंप आया था। तीन फरवरी को इस क्षेत्र में 20 किलोमीटर की कम गहराई पर भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.3 मापी गई।

भूगर्भ वैज्ञानिकों के अनुसार उथले भूकंप आमतौर पर गहरे भूकंप की तुलना में अधिक खतरनाक होते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि उथले भूकंप से निकलने वाली तरंगें सतह तक कम दूरी तय करती हैं। इससे धरती जोर से हिलती है। इमारतों को अधिक नुकसान होता है और ज्यादा लोग मारे जाते हैं। वैसे भी म्यांमार अपने लंबे समुद्र तट के किनारे मध्यम और बड़े तीव्रता वाले भूकंप और सुनामी के खतरों के प्रति संवेदनशील है।

औवेसी बोले- हिमंता तुम 2 रुपए के भिखारी कहो तो अकाउंट में ट्रांसफर कर दूं

♦ असम सीएम ने कहा था- मियां 5 मांगे, तो 4 दो

एजेंसी, निजामाबाद

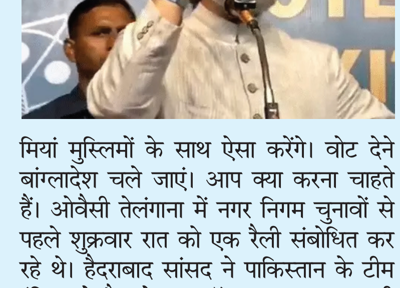

AIMIM अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने असम CM हिमंता बिस्वा सरमा के मियां मुस्लिम वाले बयान पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा- मुझे पता है कि तुम 2 रुपए के भिखारी हो। क्या मैं ये पैसे तुम्हारे अकाउंट में ट्रांसफर कर दूं। दरअसल कुछ दिन पहले हिमंता ने मियां मुस्लिम पर एक बयान दिया था कि अगर वो (मियां मुस्लिम) रिक्शा के लिए 5 रुपए मांगे, तो 4 रुपए ही दो। इस तरह के छोटे-छोटे काम से परेशानी होने पर ही वो राज्य छोड़ेंगे।

निजामाबाद रैली में AIMIM चीफ ने कहा कि संविधान सबको बराबर का हक देता है। पीएम हो या सीएम, किसी के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए। लेकिन हिमंता कहते हैं कि मियां मुस्लिमों के साथ ऐसा करेंगे। वोट देने बांग्लादेश चले जाएं। आप क्या करना चाहते हैं। ओवैसी तेलंगाना में नगर निगम चुनावों से पहले शुक्रवार रात को एक रैली संबोधित कर रहे थे। हैदराबाद सांसद ने पाकिस्तान के टीम इंडिया से मैच के बायकॉट, एमएम नरवण की अनपब्लिश किताब, पीएम के राज्यसभा में दिए भाषण पर भी बात रखी।

औवेसी बोले- पाकिस्तानी टीम को यहां आने की क्या जरूरत: पाकिस्तान के टीम इंडिया से मैच के बायकॉट ओवैसी ने कहा कि भारत T20 वर्ल्ड कप की मेजबानी कर रहा है। वह बेकार पाकिस्तानी टीम कहती है कि वे भारत के खिलाफ मैच नहीं खेलेंगे। इसपर ये सरकार चुप बैठी है। उन्होंने कहा कि ये (सराकर) क्यों नहीं कहती कि नहीं खेलना है तो यहां क्यों आते हो। ये चुपचाप बैठे सुन रहे हैं। इसपर नहीं बोलेंगे, चीन के मामले पर भी खामोश हो जाते हैं।

डिजिटल प्रदूषण-बचपन पर मंडराता संकट- सोशल मीडिया इस्तेमाल पर लगाम की तैयारी- गाजियाबाद सुसाइड बड़ा ट्रिगर पॉइंट-एक समग्र वैश्विक विश्लेषण

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

» डिजिटल युग में बचपन,समाज संस्कृति पर मंडराता संकट- सोशल मीडिया ऑनलाइन गेमिंग और सामाजिक जिम्मेदारी का वैश्विक विमर्श

» संभवतःसोशल मीडिया का बच्चों के लिए बैन-गाजियाबाद में सोशल मीडिया लत व ऑनलाइन गेमिंग के कारण तीन सगी बहनों की आत्महत्या को चर्चा का ट्रिगर पॉइंट माना जा रहा -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

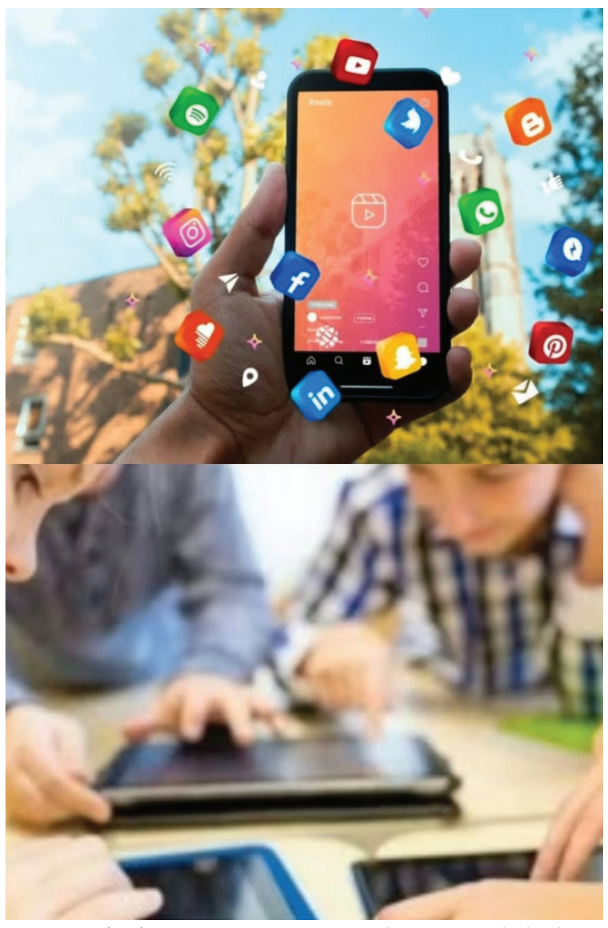

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर मानव सभ्यता ने हजारों वर्षों में जिन मूल्यों, सामाजिक रिश्तों और विश्वास की संरचनाओं को गढ़ा है, वे आज डिजिटल तकनीक की अभूतपूर्व गति से चुनौती का सामना कर रहे हैं।सोशल मीडिया और ऑनलाइन गेमिंग ने संवाद,मनोरंजन और सूचना के स्वरूप को पूरी तरह बदल दिया है। यह परिवर्तन अपने आप में न तो पूरी तरह नकारात्मक है और न ही पूर्णतः सकारात्मक,लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब समाज, विशेषकर बच्चे इस परिवर्तन के मनोवैज्ञानिक, नैतिक और सामाजिक प्रभावों के लिए तैयार नहीं होते। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि भारत जैसे देश में,जहां आध्यात्मिक परंपरा,पारिवारिक मूल्य और सामाजिक सहभागिता जीवन की आत्मा रहे हैं,वहां डिजिटल प्लेटफॉर्म का अनियंत्रित प्रभाव एक गंभीर चेतावनी के रूप में उभर रहा है।सामाजिक सद्भाव,विश्वास और सोशल मीडिया की भूमिका का पुनर्मूल्यांकन करना बहुत जरूरी है,भारतीय समाज की विशेषता उसका सामाजिक ताना-बाना है,जो केवल कानून या संस्थाओं से नहींबल्कि आपसी विश्वास,परंपराओं और सामूहिक चेतना से बना है। सोशल मीडिया ने इस ताने-बाने को एक ओर जोड़ने का माध्यम दिया है,वहीं दूसरी ओर गलत सूचना, घृणा, तुलना और आभासी प्रतिस्पर्धा के जरिए इसे कमजोर भी किया है।नवीनतम आर्थिक सर्वे द्वारा सोशल मीडिया के सामाजिक प्रभावों पर चिंता जताना इस बात का संकेत है कि अब यह विषय केवल नैतिक बहस का नहीं, बल्कि नीति और भविष्य की पीढ़ियों की सुरक्षा से जुड़ा प्रश्न बन चुका है।हालांकि, यह भी स्पष्ट है कि हर समाधान केवल सरकारी नीतियों से नहीं आ सकता। समाज, शैक्षणिक संस्थान, सिविल सोसायटी और सबसे बढ़कर माता-पिता की भूमिका यहां निर्णायक बन जाती है। सरकार नियंत्रण और दिशा दे सकती है, लेकिन बच्चों के दैनिक जीवन में डिजिटल संतुलन लाने की जिम्मेदारी सामूहिक प्रयास से ही निभाई जा सकती है। साथियों बात अगर हम गाजियाबाद घटना के बाद भारत में सोशल मीडिया का बच्चों के लिए बैन पर विचार करने की करें तो, मीडिया में उपलब्ध जानकारी के अनुसार आर्थिक सर्वे में बच्चों पर डिजिटल प्रदूषण पर चिंता जताए जाने के बाद से यह मुद्दा विचारणीय था लेकिन गाजियाबाद में सोशल मीडिया लत व ऑनलाइन गेमिंग के कारण तीन सगी बहनों की आत्महत्या को देश के नीति निर्माताओं की चर्चा का ट्रिगर पॉइंट माना जा रहा है।आर्थिक सर्वेक्षण-26 में डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के बढ़ते प्रभाव और युवाओं की मानसिक सेहत पर उसके असर को लेकर चिंता जताते हुए बच्चों के लिए सुरक्षित डिजिटल इकोसिस्टम बनाने की दिशा में ठोस नीति बनाने का सुझाव दिया गया था। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी (आइटी) सचिव ने कहा है कि सोशल मीडिया के लिए न्यूनतम आयु सीमा तय करने का मुद्दा सरकार की समीक्षा के दायरे में है। बच्चों और किशोरों पर सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव को देखते हुए सरकार विभिन्न हितधारकों से परामर्श कर रही है और उचित समय पर इस बारे में निर्णय किया जाएगा। साथियों बात अगर हम ऑनलाइन गेमिंग और सोशल मीडियाःमनोरंजन से मानसिक दबाव तक की यात्रा को समझने की करें तो,आज का बच्चा एक ऐसे डिजिटल परिवेश में बड़ा हो रहा है जहां स्क्रीन उसकी पहली खिड़की बन चुकी है।ऑनलाइन गेमिंग और सोशल मीडिया अब केवल समय बिताने का साधन नहीं रहे, बल्कि वे बच्चों की सोच,भावनाओं और आत्म-छवि को आकार देने लगे हैं। टास्क- आधारित गेम्स बच्चों को लगातार नए लक्ष्य देते हैं,लेवल पूरा करो,चुनौती स्वीकार करो,आगे बढ़ो और यह प्रक्रिया धीरे-धीरे दबाव में बदल जाती है। कई बार इन चुनौतियों की प्रकृति भावनात्मक रूप से असुरक्षित होती है,जहां हार का डर, असफलता की शर्म और आभासी दुनिया की स्वीकृति वास्तविक जीवन से अधिक महत्वपूर्ण लगने लगती है।विशेषज्ञों का मानना है कि जब बच्चा आभासी दुनिया को वास्तविक जीवन के समकक्ष या उससे अधिक वास्तविक समझने लगता है, तब मानसिक जोखिम कई गुना बढ़ जाता है। आत्म-सम्मान, धैर्य और भावनात्मक संतुलन पर इसका गहरा असर पड़ता है। साथियों बात अगर हम ऑस्ट्रेलिया का उदाहरणःवैश्विक बहस की शुरुआत को समझने की करें तो,इसी खतरे को गंभीरता से समझते हुए ऑस्ट्रेलिया ने दो माह पहले एक ऐतिहासिक कदम उठाया।16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए टिकटॉक, एक्स,फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, स्नैपचैट और थ्रेड्स जैसे प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध लगाया गया। न केवल नए खाते बनाने पर रोक लगी, बल्कि मौजूदा प्रोफाइल भी निष्क्रिय कर दी गईं। यह कदम अपनी तरह का पहला था और उसने पूरी दुनिया में एक नई बहस को जन्म दिया,क्या बच्चों की सुरक्षा के लिए डिजिटल स्वतंत्रता को सीमित करना जरूरी हो गया है?यह निर्णय केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। अन्य देश इस मॉडल को बारीकी से देख रहे हैं और अपने-अपने सामाजिक संदर्भ में इसके निहितार्थों का आकलन कर रहे हैं। साथियों बात अगर हम भारत में बढ़ती डिजिटल लत और सुरक्षा चिंताओं को समझने की करें तो, भारत में भी हाल के वर्षों में बच्चों में डिजिटल एडिक्शन के मामले तेजी से बढ़े हैं।गाजियाबाद और भोपाल जैसी घटनाओं ने समाज को झकझोर दिया है,जहां ऑनलाइन गेमिंग और सोशल मीडिया की लत ने मासूम जिंदगियों पर गंभीर असर डाला। विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह संकट आने वाली पीढ़ी के मानसिक स्वास्थ्य को गहराई से प्रभावित करेगा। हालांकि केंद्रीय आईटी मंत्रालय की ओर से अभी कोई आधिकारिक आदेश नहीं आया है, लेकिन 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया उपयोग पर प्रतिबंध लगाने या सख्त नियम बनाने पर गंभीर मंथन चल रहा है। यह बहस केवल तकनीक तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बच्चों के भविष्य, समाज की स्थिरता और राष्ट्रीय मानव पूंजी से जुड़ा प्रश्न है। साथियों बात अगर हम क्या ऑनलाइन गेमिंग बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रही है? इसको समझने की करें तो,लगातार स्क्रीन टाइम बच्चों में अकेलापन, चिड़चिड़ापन तनाव और अवसाद को बढ़ा सकता है। कई अध्ययन बताते हैं कि डिजिटल एडिक्शन बच्चों के व्यवहार और भावनात्मक संतुलन को कमजोर करता है। जब गेमिंग टास्क बच्चों पर लगातार दबाव डालते हैं,जीतने की मजबूरी,हार का डर और सामाजिक तुलना,तो वे मानसिक रूप से टूट सकते हैं। यह स्थिति धीरे-धीरे आत्म-विश्वास की कमी और सामाजिक अलगाव में बदल जाती है। साथियों बात अगर हम सोशल मीडिया कंपनियों की जिम्मेदारीः मुनाफा बनाम नैतिकता को समझने की करें तो, सोशल मीडिया और गेमिंग कंपनियां एल्गोरिदम के जरिए उपयोगकर्ताओं को अधिक समय तक प्लेटफॉर्म पर बनाए रखने का प्रयास करती हैं। इससे उनका आर्थिक लाभ बढ़ता है, लेकिन बच्चों के संदर्भ में यह रणनीति खतरनाक साबित हो सकती है। आयु सत्यापन, कंटेंट फिल्टर और बच्चों के लिए अलग सुरक्षा ढांचे की कमी इस समस्या को और गहरा करती है। विशेषज्ञों का मत है कि कंपनियों को केवल मुनाफे के बजाय सामाजिक जिम्मेदारी को भी अपने व्यापार मॉडल का हिस्सा बनाना चाहिए। साथियों बात अगर हम माता- पिता की भूमिकाः पहली और सबसे मजबूत सुरक्षा दीवार तथा बैन या नियमनः इसको समझने की करें तो समाधान की जटिलता,पूर्ण प्रतिबंध एक सरल उत्तर प्रतीत हो सकता है, लेकिन व्यवहार में यह जटिल है। तकनीक को पूरी तरह रोकना न तो संभव है और न ही व्यावहारिक। हालांकि, सख्त नियम, समय सीमा, आयु- आधारित एक्सेस और कंटेंट मॉडरेशन जैसे उपाय प्रभावी हो सकते हैं। कई देशों ने बच्चों के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म पर विशेष नियम बनाए हैं। भारत में भी अब इस दिशा में मांग तेज हो रही है कि बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाए। माता-पिता बच्चों को इस खतरे से बचाने में केंद्रीय भूमिका निभा सकते हैं। बच्चों की डिजिटल गतिविधियों पर नजर रखना, स्क्रीन टाइम सीमित करना और सबसे महत्वपूर्ण खुलकर संवाद करना,आज की आवश्यकता है।भावनात्मक समर्थन और भरोसे का वातावरण बच्चों को आभासी दबाव से बाहर निकाल सकता है। डिजिटल उपकरणों को पूरी तरह बच्चों के भरोसे छोड़ देना जोखिम भरा हो सकता है। स्कूल और समाजःसामूहिक समाधान की दिशा में, स्कूलों में डिजिटल एडिक्शन पर काउंसलिंग और जागरूकता कार्यक्रम शुरू किए जाने चाहिए। बच्चों को खेल, कला, संगीत और सामाजिक गतिविधियों से जोड़ना डिजिटल संतुलन बनाने में मदद कर सकता है। समाज को भी यह समझना होगा कि यह केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि सामूहिक जिम्मेदारी है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क्ि संतुलन ही समाधान है,डिजिटल युग को नकारा नहीं जा सकता, लेकिन उसे विवेक और संवेदन शीलता के साथ अपनाया जा सकता है।बच्चों की सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक विकास को प्राथमिकता देना सरकार, उद्योग परिवार और समाज, सभी की साझा जिम्मेदारी है। सवाल यह नहीं है कि तकनीक रहे या न रहे, बल्कि यह है कि तकनीक किसके नियंत्रण में और किस उद्देश्य से रहे। यदि आज संतुलित और साहसी निर्णय नहीं लिए गए, तो कल इसकी कीमत आने वाली पीढ़ियों को चुकानी पड़ सकती है।

-संकलनकर्ता लेखक-कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र 9226229318

राजनीति का गिरता स्तर, अंकुश कौन लगाए

लेखक - राधा रमण

वैसे तो राजनीति का अभिप्राय राजकाज चलाने वाली नीति से है। इसका एकमात्र मकसद समतामूलक सुसभ्य समाज का निर्माण करना और देश के चहुंमुखी विकास में योगदान देना है। लेकिन दुर्भाग्य से अपने देश में राजनीति का स्तर लगातार गिरता जा रहा है। यह क्षरण कहां जाकर थमेगा, पुख्ता तौर पर कोई नहीं कह सकता। यह गिरावट एक दिन में नहीं आयी है। आजादी के बाद हमारे संविधान निर्माताओं और नीति नियंताओं ने काफी सोच-विचार कर समाज और देश के विकास का सपना देखा था। तब हमारी गिनती एक लुटे-पिटे गरीब देशों में होती थी। आज हम विश्व की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश होने का दावा करते हैं, लेकिन नैतिक तौर पर तेजी से पाताल की ओर गिरते जा रहे हैं। पिछले दिनों संसद के भीतर- बाहर जो कुछ भी घटित हुआ, उससे हमारा लोकतंत्र और ज्यादा शर्मसार हुआ है। संसद के बाहर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने एक केन्द्रीय मंत्री को 'गद्दार दोस्त' कहकर पुकारा तो बदले में मंत्री ने उन्हें 'देश का दुश्मन' कह दिया। दोनों नेता कभी एक ही पार्टी में साथ रह चुके हैं। दोनों के पुरखों का देश के विकास में योगदान रहा है। बात इतने में थम जाती तो गनीमत थी। लोगबाग मान लेते कि हमउम्र होने के कारण दोनों ने मजाक में कुछ बोल दिया। बात बराबर। लेकिन यह क्या ? संसद में इस बात को लेकर बतंगड़ बना दिया गया। इसे समुदाय विशेष की अस्मिता से जोड़ दिया गया, खूब हंगामा हुआ। एक बड़बोले सांसद ने तो नेता प्रतिपक्ष को 'फटीचर' तक कह दिया। बेशक, तीनों ही शब्द माननीयों की गरिमा को गिराते हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए था, लेकिन हो गया। अब दूसरी घटना। लगभग 22 वर्षों बाद संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर प्रधानमंत्री धन्यवाद प्रस्ताव पर लोकसभा में अपनी बात नहीं रख सके। इससे पहले 10 जून 2004 को तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह को तब के विपक्ष (अब सरकार में) के विरोध के कारण संसद में बोलने नहीं दिया गया था। दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के लिए दोनों ही घटनाएं शर्मसार करनेवाली हैं। लेकिन बात इतनी ही नहीं है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने यह बयान देकर सनसनी फैला दी कि प्रधानमंत्री तो संसद में आकर अपनी बात कहने को इच्छुक थे, उन्हें मैंने ही सदन में आने से रोक दिया, क्योंकि उनके साथ कुछ अप्रत्याशित घटना घट सकती थी। सवाल उठता है कि क्या भारतीय लोकतंत्र के मंदिर संसद में हमारे प्रधानमंत्री असुरक्षित हैं ? अगर, वाकई यह बात सही है तो बहुत ही दुखदाई है। प्रधानमंत्री को किससे सुरक्षा का खतरा है ? संसद में तो जनता द्वारा चुने गए सांसद बैठते हैं। उनकी सुरक्षा के लिए लोकसभा अध्यक्ष के बुलाने पर मार्शल आते हैं। लोकसभा अध्यक्ष को इसका खुलासा करना चाहिए। घटना की नामजद एफआईआर करानी चाहिए और नामजद व्यक्ति अगर संसद का सदस्य है तो उसकी सदस्यता रद्द करनी चाहिए। ... और अगर यह बात सही नहीं है तो लोकसभा अध्यक्ष को अपने कहे के लिए देश से तत्काल माफी मांगनी चाहिए। अगर, देश के प्रधानमंत्री अपनी ही संसद में असुरक्षित हैं तो फिर देश में सुरक्षित कौन है ? गृहमंत्री क्या कर रहे हैं ? हमारी सुरक्षा एजेंसियां किसके आदेश का इंतजार कर रही हैं ? दरअसल, लोकसभा में प्रधानमंत्री के आगमन से पहले विपक्ष की कुछ महिला सांसद वेल में पहुंच गयी थीं, कुछ प्रधानमंत्री के बैठने के स्थान के बाहर खड़ी थीं। उनके हाथ में तख्ती थी। यह कोई नई बात नहीं है। अपनी बात मनवाने अथवा अध्यक्ष का ध्यान आकर्षित करने के लिए सांसद अकसर वेल में पहुंचते रहते हैं। वे अपनी बात की तख्ती लिये विरोध भी करते रहे हैं। इससे वे अपराधी नहीं बन जाते। सांसद भी जनता के चुने हुए प्रतिनिधि होते हैं और प्रधानमंत्री भी पूरे देश के हैं। इसी तरह लोकसभा अध्यक्ष भी पूरे सदन के अभिभावक होते हैं।

कलयुगी रिश्ते की डोर कमजोर क्यों?

लेखक- संजय गोस्वामी

कलयुगी रिश्ते की डोर कमजोर क्यों है क्योंकि आज के युग में रिश्ता पल पल बदल रहें है क्योंकि मन बहुत चंचल होता है और किसी का स्वभाव बदलता नहीं है अतः यदि रामचरितमानस का अध्ययन करना चाहिए रामचरितमानस के उत्तर कांड के कई दोहों में कहा गया हैः वह माया जो पूरे संसार को नचाती है, जिसका चरित्र (काम) कोई नहीं समझ पाया है। यानी, माया पूरे संसार को नचाती है, और कोई भी उसके स्वभाव (कामों) को नहीं समझ पाया है, और माया कई गुण और दोष बनाती है और यह पूरे संसार में फैली हुई है। माया कई गुण और दोष, मोह, काम, अज्ञान आदि बनाती है, जो पूरी दुनिया में फैले हुए हैं। भगवान राम स्वयं कहते हैं, हे प्रिय! माया ने कई गुण और दोष बनाए हैं। उनका कोई स्वतंत्र अस्तित्व नहीं है। उन्हें अलग-अलग न समझना ही ज्ञान है; उन्हें ऐसा देखना अज्ञान है। • सुनो, प्रिय, माया कई गुण और दोष बनाती है। गुण यह है कि इन दोनों में से किसी को भी न देखा जाए; उन्हें देखना अज्ञान है। (उत्तर कांड, 41) • माया द्वारा बनाए गए गुणों और दोषों में काम, मोह, आसक्ति, अज्ञान आदि शामिल हैं। माया कई गुण और दोष बनाती है। मोह, काम, और ऐसी ही अन्य चीजें। (उत्तर कांड, 56.2) भगवान राम कहते हैं, यह पूरा संसार मेरी माया द्वारा बनाया गया है (मेरी माया से उत्पन्न संसार)। (उत्तर कांड, 85.2) भगवान श्री कृष्ण गीता में कहते हैंः दैवी ह्येषा गुणमयी मम माया दुरत्यया (मेरी यह दिव्य, गुणों से भरी माया पार करना कठिन है, यानी इसे पार करना बहुत मुश्किल है)। यहाँ, एक बात ध्यान देने योग्य है कि भगवान ने माया को मम माया कहा है, जिसका अर्थ है कि माया भगवान की है। हालाँकि, जो लोग इसे स्वतंत्र अस्तित्व वाला मानते हैं, उनके लिए माया पर विजय पाना आसान है। भगवान स्वयं माया पर विजय पाने का तरीका बताते हैंः मामेव ये प्रपद्यन्ते मायामेतां तरन्ति ते (जो लोग लगातार मेरी पूजा करते हैं, वे इस माया को पार कर जाते हैं)। इसका मतलब है कि भगवान के प्रति समर्पण ही माया पर विजय पाने का एकमात्र तरीका है। रामचरितमानस में, श्री काकभुशुंडि पक्षियों के राजा गरुड़ से कहते हैं, हरि माया कर अमित प्रभावा। विपुल बार जेहि मोहि नचावा। (हरि की माया में अपार शक्ति है, जिसने हमें कई बार नचाया और भ्रमित किया है)। फिर वे कहते हैं, हे पक्षियों के राजा, गरुड़! वही माया, भगवान श्री रामचंद्र की भौंह के इशारे मात्र से, अपने दल (परिवार) के साथ एक अभिनेत्री की तरह नाचती है। • सोई प्रभु भ्रूबिलास खगराजा। नाच नटी इव सहित समाजा॥1॥ (उत्तरकाण्ड 71/1) फिर वे कहते हैं, हे पक्षियों के राजा! इसी प्रकार, श्री हरि की पूजा के बिना जीवों का दुख समाप्त नहीं होता। अज्ञान श्री हरि के सेवक को प्रभावित नहीं करता, और भगवान की प्रेरणा से वह ज्ञान प्राप्त करता है। • ऐसेहि हरि बिनु भजन खगेसा। मिटहिं जीवन्ह के कलेसा॥ हरि सेवकहि न माया अपार है। यह माया भगवान से प्रेरित है। (उत्तरकाण्ड 78.1) भगवान की भक्ति के बिना, यह लाखों प्रयासों से भी दूर नहीं होती (लाखों उपायों से भी दूर नहीं होती)। अंत में, काकभुशुंडि जी अपना अनुभव सुनाते हैं, हे गरुड़ जी, हरि की भक्ति के बिना दुख समाप्त नहीं होता (अब मैं आपको अपना अनुभव बताता हूँ। हरि की भक्ति के बिना दुख दूर नहीं होता)। उपरोक्त चर्चा से दो बातें बिल्कुल स्पष्ट हैंः 1) यह माया भगवान की है और सभी जीवों को भ्रमित रखती है, और उनमें कई प्रकार के गुण और दोष पैदा करती है। 2) भगवान राम की शरण लिए बिना इस माया पर विजय पाना असंभव है। इसलिए, भगवान की भक्ति बहुत महत्वपूर्ण है।भगवान राम का ध्यान करना मुश्किल जरूर होगा लेकिन यदि मिला तो एक आंनद का अनुभूति होती है अच्छा सोच और डर आपके मन से जाता है इसलिए यदि भगवान राम के चरण को पकड़ लिया तो जीवन सफल हो जायेगा और सही और गलत का फर्क दिखेगा, आप मस्त रहोगे यदि जाने अनजाने में आपके गलती से माता पिता को क्रोई चोट पहुंचा है तो वो आपके परमात्मा जो परमपिता है उससे क्षमा माँग लें अवश्य हीं अच्छा होगा भगवान राम के चरणों में झुकना मतलब मौत को भी मात देना होता है इसके दो उदाहरण हैं जैसे अहिल्या जो श्राप से पत्थर बनी और एक बार जब शरीर नष्ट हुआ तो दोबारा उसी रूप में बापस नहीं आता है लेकिन भगवान राम के चरणों में झुकी अहिल्या पुनः जीवित हो गईं इसी तरह एक और उदाहरण है जब भगवान राम ने बाली को मारा था वो छल जरूर था क्योंकि बाली को यह वरदान मिला था की क्रोई भी उससे युद्ध करेगा तो उसकी शक्ति आधी हो जाएगी लेकिन बाली को भगवान राम ने साल के वृक्ष के पीछे जो सात साल के वृक्ष थे , जिन्हें एक-एक कर के वाली , एक ही तीर से आर-पार बींध देता था। और जिन सातों साल के वृक्षों को राम ने एक साथ , एक ही बाण से आर-पार बींध दिया था ।उसके बाद उनका वही बाण , पृथ्वी को फोड़ कर वापिस लौटा ,और राम के तरकस में समा गया था। यह काम बाण ने एक ही मुहूर्त में (लगभग ४५ मिनिट) कर दिखाया। राम जी का यही पराक्रम देख कर , सुग्रीव को भरोसा हो गया कि राम , वाली को मार सकेंगे।अतः जब दोनों भाई युद्ध के लिए आए तो भगवान राम ने पहले वाण नहीं चलाया क्योंकि वो जानना चाहते थे सही या गलत कौन है अंततः दूसरे दिन जब सुग्रीव ने बाली को युद्ध के लिए ललकारा तो दोनों में सुग्रीव को माला इसलिए नहीं पहनाया कि दोनों को पहचानते नहीं थे इसलिए पहनाया की तुम विजय होगे और बाली को भगवान राम ने बाण से छुपकर मारा बाली के ह्रदय में जब तीर लगा हुआ था। जब वह मरने की स्थिति में था तब बाली ने कुछ प्रश्न भगवान से पूछे कहा प्रभु आपने मुझे क्यों मारा। किसी राजा को तपस्या के लिए मेरी छाल किसी काम की नहीं आएगी क्योंकि बंदरों को तो दूषित माना जाता है, और मेरा मांस भी किसी काम का नहीं है। क्योंकि यह खाने के काम नहीं आता। आपने मेरे से सामने आकर युद्ध क्यों नहीं किया। आपने यह कायरता का काम क्यों किया तब भगवान राम ने उसे आशा दिलाया की ऐ ऐसी बाण है जो निकाल दूंगा तो पुनः जीवन मिल जायेगा तब बाली भगवान राम को ईश्वर के रूप में देखा और उसने कहा यदि मैं जीवित रहा तो भोग विलास में लिप्त हो जाऊंगा और अन्त में उसे कष्ट के रूप में भोगना पड़ेगा अतः भगवान राम ने बाली को मोक्ष दिया ऐ जीवन और मरन का अंतर आम आदमी को सही लगता है और विलाप करता है लेकिन सिद्ध या तत्वदर्शी संत को यह मालूम हीं नहीं होता है कि मैं मरा या जिन्दा हो क्योंकि वो तो राम नाम की माया में खोया रहता है अतः आप मत नाचो एक अच्छा इंसान बनो माँ बाप की सेवा करो क्योंकि ऐ तुम्हारा कर्तव्य है।

स्क्रीन में सिमटती दुनिया और कमजोर होती बचपन की नजर

लेखक - कांतिलाल मांडोतल

कभी बेंगलूरू जैसे शहरों में सुबह की शुरुआत खुली हवा, पेड़ों की हरियाली और दूर तक फैले मैदानों को निहारते हुए होती थी। आंखें सहज रूप से दूर तक देख लेती थीं, नजरें बिना किसी दबाव के काम करती थीं। लेकिन बीते एक दशक में यह दृश्य तेजी से बदला है। अब बच्चों और किशोरों की दुनिया कुछ इंच की स्क्रीन में सिमट गई है। मोबाइल, टैबलेट और लैपटॉप ने ज्ञान, मनोरंजन और संवाद को बेहद आसान बना दिया है, लेकिन इसी सुविधा की कीमत हमारी आंखें चुका रही हैं। आंखें, जो प्रकृति के हिसाब से दूर देखने और खुले वातावरण में काम करने के लिए बनी हैं, अब लगातार पास की चीजों पर टिके रहने को मजबूर हैं। इसका असर यह हुआ है कि कम उम्र में ही नजर से जुड़ी समस्याएं, खासकर मायोपिया यानी निकट दृष्टि दोष, तेजी से बढ़ रहा है। नेत्र रोग विशेषज्ञों का मानना है कि यह केवल एक व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि एक उभरता हुआ सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट है। अत्यधिक स्क्रीन टाइम, शारीरिक सक्रियता की कमी और असंतुलित जीवनशैली ने मिलकर बच्चों की आंखों पर ऐसा दबाव डाला है, जिसकी भरपाई आगे चलकर बेहद मुश्किल हो सकती है। हाल के स्वास्थ्य कार्यक्रमों और अध्ययनों में लाखों बच्चों की जांच के दौरान यह सामने आया है कि दृष्टि संबंधी समस्याएं अब अपवाद नहीं रहीं, बल्कि सामान्य होती जा रही हैं। यह स्थिति इसलिए और चिंताजनक है क्योंकि बच्चों की आंखें अभी विकास की अवस्था में होती हैं और इस दौरान पड़ने वाला नकारात्मक प्रभाव जीवनभर साथ रह सकता है। मायोपिया की समस्या को समझना जरूरी है। जब बच्चा लगातार पास की चीजों, जैसे मोबाइल स्क्रीन या किताब, पर ध्यान केंद्रित करता है तो आंखों की मांसपेशियां उसी स्थिति में ढलने लगती हैं। धीरे-धीरे आंख की संरचना में बदलाव आने लगता है और दूर की वस्तुएं धुंधली दिखाई देने लगती हैं। शुरुआत में यह समस्या हल्की होती है, लेकिन समय के साथ चश्मे का नंबर बढ़ता चला जाता है। कई मामलों में किशोरावस्था तक पहुंचते-पहुंचते बच्चों को मोटे लेंस लगाने पड़ते हैं। यह केवल देखने की समस्या नहीं है, बल्कि सिरदर्द, आंखों में जलन, थकान और ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई जैसी परेशानियां भी साथ आती हैं। स्क्रीन की लत का एक और गंभीर पहलू ड्राई आई सिंड्रोम है, जो पहले वयस्कों में ज्यादा देखा जाता था, लेकिन अब बच्चों में भी आम हो रहा है। जब हम स्क्रीन देखते हैं तो सामान्य से कम पलक झपकाते हैं। इससे आंखों की सतह सूखने लगती है, जलन और लालिमा बढ़ती है। लंबे समय तक ऐसा रहने पर आंखों की प्राकृतिक सुरक्षा प्रणाली कमजोर पड़ सकती है। इसके अलावा, नीली रोशनी का अत्यधिक संपर्क आंखों की रेटिना पर भी नकारात्मक असर डाल सकता है, जिससे भविष्य में गंभीर समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। इस पूरी तस्वीर में सबसे ज्यादा चिंता की बात शिशुओं और छोटे बच्चों को मोबाइल और टीवी दिखाने की बढ़ती प्रवृत्ति है। कई अभिभावक बच्चे को शांत रखने या व्यस्त रखने के लिए स्क्रीन का सहारा लेते हैं। लेकिन विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि यह आदत बच्चों के मानसिक, भावनात्मक और दृष्टि विकास तीनों पर नकारात्मक असर डाल सकती है। शुरुआती वर्षों में बच्चे की आंखें और मस्तिष्क तेजी से विकसित होते हैं। इस दौरान स्क्रीन पर निर्भरता उनके प्राकृतिक सीखने की प्रक्रिया को बाधित करती है। आंखें गहराई, दूरी और गति को पहचानने का अभ्यास नहीं कर पातीं, जो आगे चलकर देखने की क्षमता को प्रभावित कर सकता है। प्राकृतिक रोशनी की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कई अध्ययनों में यह साफ तौर पर सामने आया है कि जो बच्चे रोजाना पर्याप्त समय बाहर धूप में बिताते हैं, उनमें मायोपिया का जोखिम कम होता है। धूप में रहने से शरीर में विटामिन-डी का स्तर बेहतर होता है और आंखों में डोपामाइन का स्राव बढ़ता है, जो आंख की लंबाई को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसके विपरीत, बंद कमरों में सीमित रहना और ज्यादातर समय स्क्रीन के सामने बिताना आंखों को उनके प्राकृतिक वातावरण से दूर कर देता है। आज का शहरी जीवन बच्चों को खुले में खेलने से भी वंचित कर रहा है। पढ़ाई का दबाव, सुरक्षा की चिंता और डिजिटल मनोरंजन की उपलब्धता ने खेल के मैदानों को खाली कर दिया है। नतीजा यह है कि बच्चे न सिर्फ शारीरिक रूप से कम सक्रिय हो रहे हैं, बल्कि उनकी आंखों को भी वह राहत नहीं मिल पा रही, जिसकी उन्हें जरूरत है। आंखों के लिए दूर तक देखना एक तरह का व्यायाम है, जो उन्हें स्वस्थ रखता है। जब यह अभ्यास बंद हो जाता है तो आंखें कमजोर पड़ने लगती हैं। दूरगामी परिणामों की बात करें तो यह समस्या केवल चश्मे तक सीमित नहीं रहती। उच्च स्तर का मायोपिया भविष्य में रेटिना डिटैचमेंट, ग्लूकोमा और मैक्युलर डिजनरेशन जैसी गंभीर आंखों की बीमारियों का खतरा बढ़ा सकता है।

टी-20 वर्ल्ड कप के पहले मैच में हारते-हारते जीता पाकिस्तान

- फहीम ने आखिरी 2 ओवर में 3 छक्के लगाकर मैच पलटा, नीदरलैंड 3 विकेट से हारा

कोलंबो (एजेंसी)। 2009 का चैंपियन पाकिस्तान टी-20 वर्ल्ड कप के पहले मैच में नीदरलैंड से हारते-हारते जीत गया। टीम को जीत के लिए आखिरी 2 ओवर में 29 रन बनाने थे। उसे फहीम अशरफ ने 19वें ओवर में 3 छक्के लगाकर 3 विकेट की जीत दिलाई। 18वें ओवर तक नीदरलैंड का पलड़ा भारी था। 19वें ओवर की पहली बॉल पर फहीम ने छक्का लगाया, लेकिन दूसरी बॉल पर मैक्स ओडाउड से उनका कैच ड्रॉप हो गया। जीवनदान मिलने के बाद फहीम ने दो छक्के लगाकर मैच का रुख पाकिस्तान की ओर कर दिया। उन्होंने 11 बॉल पर नाबाद 29 रन की पारी खेली। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। कोलंबो में शनिवार को खेले गए मैच में पाकिस्तान की के ओपनर साहिबजादा फरहान ने 47 रन बनाए। वे 3 रन से फिफ्टी चूक गए। सईम अयूब ने 24 रन बनाए। नीदरलैंड की ओर पॉल वैन मीकेरन और आर्यन दत्त को 2-2 विकेट मिले। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। पहले बैटिंग कर रही नीदरलैंड की पूरी टीम 19.5 ओवर में 147 रन पर सिमट गई। कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स ने सबसे ज्यादा 37 रन बनाए। पाकिस्तान की ओर से सलमान मिर्जा ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। नीदरलैंड के 10 में से 9 बल्लेबाज कैच आउट हुए, जबकि केवल एक विकेट अबरार अहमद ने कॉलिन एकरमैन को बोल्ड कर हासिल किया।

बहिष्कार विवाद पर सुनील गावस्कर का पाकिस्तान पर कड़ा प्रहार

- पाक बार-बार भारत से दोस्ताना पहल की उम्मीद करता है

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी-20वर्ल्ड कप 2026 में भारत-पाकिस्तान मुकाबले के बहिष्कार को लेकर चल रहे विवाद के बीच दिग्गज भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने पाकिस्तान पर तीखा हमला बोला है। गावस्कर का मानना है कि पाकिस्तान बार-बार भारत से दोस्ताना पहल की उम्मीद करता है, लेकिन वही रवैया कभी भारत की ओर से वापस देखने को नहीं मिला।

आईपीएल का उदाहरण देकर पाकिस्तान पर साधा निशाना- सुनील गावस्कर ने याद दिलाया कि साल 2008 में जब आईपीएल की शुरुआत हुई थी, तब लगभग हर फ्रेंचाइजी में पाकिस्तानी खिलाड़ी शामिल थे। इसके अलावा पाकिस्तानी कमेंटेटर्स को भी भारत में काम करने का मौका दिया गया था। गावस्कर ने कहा, हमने पहले ही पहल की थी। 2008 में आईपीएल में पाकिस्तानी खिलाड़ी थे, लेकिन पाकिस्तान की तरफ से कभी वैसी कोशिश नहीं दिखी, यहां तक कि तब भी जब दोनों देशों के रिश्ते आज जैसे खराब नहीं थे।

- टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के खिलाफ खेलने के लिए मिमिया रहा पाकिस्तान?

... लेकिन रखी हैं कुछ शर्तें

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट जगत के सबसे चर्चित मुकाबले को रद्द होने से बचाने के लिए आईसीसी ने पूरी ताकत झोंक दी है। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 48 घंटों में आईसीसी और पीसीबी के बीच हुई बातचीत के बाद इस मैच के होने की उम्मीदें काफी बढ़ गई हैं। पाकिस्तान ने इस मैच में खेलने के बदले आईसीसी के सामने कुछ विशेष शर्तें रखी हैं, जिन पर अभी मंथन जारी है। हालांकि मैच होने की उम्मीद नजर आने लगी है और अगले 48 घंटे में कुछ अच्छी खबर आने की उम्मीद है। अभी उन शर्तों के बारे में खुलासा नहीं हुआ है।

पाकिस्तान का रुख- प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हाल ही में कैबिनेट बैठक में कहा था कि

खेल के मैदान पर राजनीति नहीं होनी चाहिए और बांग्लादेश के साथ खड़े रहना एक सही फैसला है। पाकिस्तान का तर्क है कि अगर बांग्लादेश को सुरक्षा संबंधी चिंताएं थीं, तो आईसीसी को उस पर विचार करना चाहिए था। इसी विरोध स्वरूप पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ मैच न खेलने का निर्णय लिया था।

पीसीबी और बीसीसीआई के बीच बढ़ता तनाव- विवाद की जड़ में आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स द्वारा बांग्लादेशी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को रिलीज करना भी बताया जा रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, बीसीसीआई के निर्देश पर मुस्तफिजुर को टीम से बाहर किया गया, जिसके बाद बीसीबी और बीसीसीआई के रिश्तों में कड़वाहट आ गई। इसी के बाद बीसीबी ने सुरक्षा का मुद्दा उठाकर मैच रिलोकेशन की मांग की थी। भले ही अभी गतिरोध पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है, लेकिन आईसीसी के सूत्रों का मानना है कि वित्तीय नुकसान और ब्रॉडकास्टर्स के दबाव को देखते हुए पीसीबी नरम पड़ सकता है।

क्या है पूरा विवाद?

दरअसल, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए अपने वर्ल्ड कप मैच भारत से श्रीलंका शिफ्ट करने की मांग की थी। जब आईसीसी ने 14-2 के बहुमत से इस मांग को खारिज कर दिया, तो बांग्लादेश ने टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया, जिसके बाद उनकी जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया गया। इसके बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बांग्लादेश के प्रति एकजुटता दिखाते हुए भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले मैच के बहिष्कार की घोषणा कर दी थी।

विंटर ओलिंपिक्स

सोने के दाम में 107 प्रतिशत वृद्धि का असर

लंदन (एजेंसी)। इटली में (6-22 फरवरी) हो रहे विंटर ओलिंपिक्स में इस बार खिलाड़ियों के दिए जाने वाले मेडल सिर्फ सम्मान का प्रतीक नहीं हैं, बल्कि कीमत के मामले में भी इतिहास रचेंगे। कीमती धातुओं

की बढ़ती कीमतों के कारण ये ओलिंपिक मेडल अब तक के सबसे महंगे माने जा रहे हैं।

आयोजकों के मुताबिक, स्कीइंग, आइस हॉकी, फिगर स्केटिंग और कर्लिंग जैसे खेलों में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को 700 से ज्यादा गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल दिए जाएंगे। मिलानो-कोर्टिना, इटली में हो रहे ओलिंपिक गेम से पहले भी बीते 130 वर्षों में 57 गेम हो

बीसीसीआई चैंपियन टीम को 7.5 करोड़ का इनाम देगा

अंडर-19 वर्ल्ड कप

सूर्यवंशी ने भोजपुरी गाने पर डांस किया, अवॉर्ड सपोर्ट स्टाफ को डेडिकेट किया

नईदिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई अंडर-19 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम को 7.5 करोड़ की प्राइज मनी देगा। बीसीसीआई के सेक्रेटरी देवजीत सैकिया ने शनिवार को इनामी राशि का ऐलान किया। उन्होंने कहा, 'जीत के बाद पूरा देश खुश है। भारतीय टीम पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही, यह सराहनीय है। हमने वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम के लिए 7.5 करोड़ रुपए के इनाम की घोषणा की है।'

भारत ने एक दिन पहले शुक्रवार को फाइनल में इंग्लैंड को 100 रन से हराकर छठी बार खिताब जीता। 175 रन की पारी खेलने वाले वैभव सूर्यवंशी प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उन्होंने जीत के बाद भोजपुरी गाने पर जमकर डांस किया। राजस्थान रॉयल्स ने इसका वीडियो सोशल मीडिया में पोस्ट किया। फैंस इसे खूब पसंद कर रहे हैं।

खिलाड़ियों ने 'सॉरी-सॉरी' गाने पर डांस किया- टीम के सेलिब्रेशन के एक वीडियो क्लिप में वैभव कहते हैं कि पंजाबी गाना समझ नहीं आ रहा गाइज, अब भोजपुरी लगेगा। इसके बाद वैभव ने पवन सिंह का गाना सॉरी-सॉरी प्ले किया। इसके बाद सभी खिलाड़ी इस भोजपुरी गाने पर डांस करने लगे।

वीडियो के आखिरी में वैभव कहते हैं कि अब मेरी तरफ से आज के लिए इतना ही काफी है। आईपीएल की राजस्थान रॉयल्स ने डांस की वीडियो क्लिप पर कमेंट

भी किया और लिखा कि 'एक बिहारी सब पर भारी।

वैभव ने अवॉर्ड सपोर्ट स्टाफ को डेडिकेट किया- अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 में वैभव सूर्यवंशी जीत के हीरो रहे। फाइनल में 175 रन की पारी के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। पूरे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन और सबसे ज्यादा छक्के लगाने के चलते वे प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी बने। उन्होंने 7 मुकाबलों में 62.71 की औसत से 439 रन बनाए, जिनमें 41 चौके और 30 छक्के शामिल थे।

प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज बनने के बाद वैभव ने कहा, बहुत अच्छा लग रहा। मैं ये अवॉर्ड पूरे सपोर्ट स्टाफ को डेडिकेट करना चाहता हूं।

पिता बोले- वैभव की यह पारी ऐतिहासिक रही- मीडिया से बातचीत में वैभव सूर्यवंशी के पिता संजीव सूर्यवंशी ने टीम इंडिया के विश्व कप जीतने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि वैभव समेत सभी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है।

उनके मुताबिक, वैभव की यह पारी ऐतिहासिक रही है। उन्होंने कहा, आज हम वर्ल्ड कप जीते हैं, इसके लिए हमें बहुत गर्व है। पूरा देश खुश है। बिहार और देशवासियों का आशीर्वाद हमेशा उसके साथ रहा है।वहीं, वैभव के चाचा राजीव सूर्यवंशी ने भी खुशी जताते हुए कहा- हम और पूरे क्षेत्र के लोग बहुत गर्व महसूस कर रहे हैं। वैभव ने जिस तरह का खेल दिखाया है, वह काबिले-तारीफ है। हमें पूरा विश्वास है कि वह जल्द ही भारतीय टीम के लिए खेलेगा।

दोहरा शतक बनाने से चूक गए

वैभव सूर्यवंशी के दादा उपेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि यह उनके परिवार के लिए बेहद खुशी का पल है। उन्होंने बताया कि वैभव ने शानदार बल्लेबाजी की। हालांकि वह दोहरा शतक बनाने से चूक गए। हम शुरू

से ही कह रहे थे कि वह फाइनल में बेहतरीन प्रदर्शन करेगा ।उन्होंने आगे कहा कि 15 साल से कम उम्र का खिलाड़ी इस तरह का खेल दिखा रहा है, यह अपने आप में बड़ी बात है। भले ही वह दोहरा शतक नहीं बना पाए, लेकिन सिर्फ 80 गेंदों में 175 रन बनाना अपने आप में ऐतिहासिक है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर दूसरे खिलाड़ियों का थोड़ा और साथ मिलता, तो वैभव और भी बड़ा स्कोर खड़ा कर सकते थे।

व्यापार

कोल्हापुर की लड़की लग्जरी ब्रांड शनैल की पहली भारतीय महिला सीईओ

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिलाओं में हमेशा बड़े सपने देखने का साहस रहा है। उनमें से तमाम ने उन सपनों को सफलता की कहानियों में बदला है। ऐसा ही एक नाम लीना नायर का है। उनकी यात्रा साबित करती है कि आपका विजन आपको कितनी दूर ले जा सकता है। वह फ्रांस के लग्जरी ग्रुप शनैल की ग्लोबल सीईओ हैं। उनका प्रभाव बोर्डरूम से कहीं आगे तक जाता है। जब जुलाई 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पेरिस में लीना नायर से मिले तो यह सिर्फ एक औपचारिक मुलाकात से कहीं ज्यादा थी। यह ग्लोबल बिजनेस की दुनिया में भारत की बढ़ती उपस्थिति और नेतृत्व को दर्शाता था। उनकी कहानी याद दिलाती है कि जिनके पास विश्वास, कड़ी मेहनत और साहस की पूंजी है, उनके लिए दुनिया संभावनाओं से भरी पड़ी है।

लीना नायर का जन्म 11 जून, 1969 को महाराष्ट्र के कोल्हापुर में हिंदू मलयाली परिवार में हुआ। उनके माता-पिता का पढ़ाई-लिखाई पर बहुत ज्यादा फोकस था। लीना को पढ़ाई के लिए खूब प्रोत्साहित किया गया। वह होली क्रॉस कॉन्वेंट स्कूल में पहली महिला ग्रेजुएट बैच का हिस्सा बनीं। लीना नायर ने 1992 में एक्सएलआरआई से एमबीए किया। इसके पहले इलेक्ट्रॉनिक्स और टेलीकम्युनिकेशन में इंजीनियरिंग की। गोल्ड मेडल के साथ ग्रेजुएट हुईं। वह अपने परिवार में हायर

एजुकेशन हासिल करने वाली पहली महिला भी बनीं। शुरू से ही उन्होंने एक मजबूत उदाहरण पेश किया। लीना नायर के प्रोफेशनल सफर की शुरुआत हिंदुस्तान यूनिलीवर में एक समर इंटर्न के तौर पर हुई। वहां उन्हें जल्द ही 1992 में एक मैनेजमेंट ट्रेनी के तौर पर शामिल कर लिया गया। यह भारत की सबसे सम्मानित कंपनियों में से एक के साथ एक लंबे और प्रभावशाली करियर की शुरुआत थी। कुछ साल उन्होंने फैक्ट्रियों, सेल्स ऑफिस और कॉर्पोरेट हेडक्वार्टर में काम किया। पुरुषों के दबदबे वाले माहौल में भी खुद को साबित किया। लगातार परफॉर्मेंस, मुश्किलों का सामना करने की क्षमता और बिजनेस ऑपरेशन्स की गहरी समझ से अपनी विश्वसनीयता बनाई। ह्यूमन रिसोर्स की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर बन गईं। इस उपलब्धि ने उन्हें सबसे कम उम्र के लीडर्स में से एक और कंपनी की मैनेजमेंट कमेटी में शामिल होने वाली पहली महिला बनाया। यह कॉर्पोरेट लीडरशिप के नियमों में बदलाव का संकेत था। फोर्ब्स के अनुसार, लीना ने यूनिलीवर की ग्लोबल लीडरशिप में 50-50 जेंडर बैलेंस हासिल करने में अहम भूमिका निभाई। 2016 में वह पहली महिला, पहली एशियाई और सबसे कम उम्र की ष्ट॥ह्र (चीफ ह्यूमन रिसोर्स ऑफिसर) बनीं। 2020 तक एग्जीक्यूटिव कमेटी में रहीं। दिसंबर 2021 में लीना नायर को शनैल का सीईओ नियुक्त किया गया। इससे दुनिया भर में सुर्खियां बनीं। वह ब्रांड के 100 से ज्यादा साल के इतिहास में पहली भारतीय और दूसरी महिला बॉस बनीं। उनसे पहले मौरीन चिक्केट थीं, जिन्होंने 2007 से 2016 तक शनैल का नेतृत्व किया था। लीना नायर के प्रभाव को बड़े पैमाने पर पहचाना गया है। 2025 में उन्हें कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर अवॉर्ड मिला। पहले मिले सम्मानों में 2017 में महारानी एलिजाबेथ द्वद्व की ओर से मान्यता और 2021 में फोर्ब्स की सबसे शक्तिशाली महिलाओं की सूची में 68वीं रैंकिंग शामिल है। अपनी प्रोफेशनल उपलब्धियों के अलावा लीना एक सामान्य निजी जीवन जीती हैं। उनकी शादी कुमार नायर से हुई है। वह एक फाइनेंशियल सर्विसेज एंटरप्रेन्योर हैं। इस कपल के दो बेटे हैं। शनैल की ग्लोबल सीईओ लीना नायर को प्रिंस विलियम से ब्रिटेन का प्रतिष्ठित कमांडर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर अवॉर्ड मिला है।

9 फरवरी को एआई कंपनी का आईपीओ हो रहा है ओपन

नई दिल्ली, एजेंसी। अगले हफ्ते यानी 9 फरवरी को एक मेनबोर्ड एआई कंपनी का आईपीओ खुलने जा रहा है। हम बात कर रहे हैं फ्रैक्टल एनालिटिक्स आईपीओ की। कंपनी का आईपीओ 9 फरवरी से 11 फरवरी तक खुला रहेगा। निवेशकों के नजरिए से अगर देखें तो ग्रे मार्केट में भी इसका प्रदर्शन बेहतर है। अब देखना होगा कि इस मेनबोर्ड आईपीओ को कैसा रिस्पॉन्स आने वाले दिनों में मिलता है। फ्रैक्टल एनालिटिक्स आईपीओ का साइज 2833.90 करोड़ रुपये है। कंपनी आईपीओ के जरिए 1.14 करोड़ फ्रेश शेयर जारी करेगी। वहीं, ऑफर फार सेल के जरिए कंपनी 2.01 करोड़ शेयर जारी करेगी। फ्रैक्ट्ल एनालिटिक्स ओीपीओ का प्राइस बैंड 857 रुपये से 900 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। कंपनी ने 16 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिसकी वजह से

निवेशकों को कम से कम 14400 रुपये का इंवेस्टमेंट करना होगा। आईपीओ का 75 प्रतिशत हिस्सा क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए आरक्षित होगा। वहीं, रिटेल निवेशकों के लिए कम से कम 10 प्रतिशत शेयर रिजर्व रहेंगे। एनआईआई के लिए अधिकतम 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व रहेगा।

फ्रैक्टल एनालिटिक्स की स्थापना 2000 में हुई थी। यह एक एआई और एनालिटिक्स कंपनी है। कंपनी के दो महत्वपूर्ण सेगमेंट हैं।

आईपीओ से जुटाए 262.90 करोड़ रुपये का कंपनी अपनी अमेरिकी की सब्सिडियरी में निवेश करेगी। वहीं, 57.10 करोड़ रुपये के जरिए लैपटॉप खरीदे जाएंगे। 121.10 करोड़ रुपये से देश में नए ऑफिस ओपन होंगे। इंवेस्टर्स गेन की रिपोर्ट के अनुसार ग्रे मार्केट में कंपनी का शेयर 40 रुपये के प्रीमियम पर आज ट्रेड कर रहा है।

75 से 80 प्रतिशत लुढ़केगा चांदी का भाव: एक्सपर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। एक बार फिर से चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली थी। कामेक्स सिल्वर रेट शुक्रवार को बड़ी गिरावट के बाद 63.900 डॉलर /श्५ पर आ गया था। वैश्विक गिरावट का ट्रेंड घरेलू मार्केट में भी साफ देखने को मिला था। एमसीएक्स सिल्वर का रेट 2.29 लाख रुपये के इंट्रा-डे लो लेवल तक पहुंच गया था। हालांकि, इस गिरावट के बाद निवेशकों की तरफ से अधिक खरिदारी देखने को मिली। जिसकी वजह से एक बार फिर से कीमत 2.48 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंचने में सफल रहा है। एक्सपर्ट्स के अनुसार चांदी की कीमतों में आने वाले समय में उच्चतम स्तर से 75 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिल सकती है। सेबी रजिस्टर्ड मार्केट एक्सपर्ट अनुज गुप्ता कहते हैं, एमसीएक्स और कामेक्स में चांदी की कीमतों में गिरावट के पीछे दो बड़ी वजहें हैं। पहली वजह अमेरिका और ईरान के बीच टेंशन का काम होना और दूसरी वजह डॉलर का अन्य करेंसी की तुलना में मजबूत होना है। ईरान और अमेरिका न्यूक्लियर पर बातचीत के लिए तैयार हो गए हैं। जिसका असर डॉलर की कीमतों में देखने को मिला है।

चीन की ओर मुड़ गए भारत आने वाले रूसी तेल के टैंकर

मॉस्को ने ड्रैगन को दे दिया बड़ा ऑफर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील ने रूसी तेल के आयात पर भी ब्रेक लगा दिए हैं। अमेरिका ने भारत पर लगाए 50 में से 25 फीसदी टैरिफ सिर्फ इसी शर्त पर हटाया है कि दिल्ली रूस से कच्चा तेल खरीदना बंद करे। साथ ही भारत को अब अमेरिका और वेनेजुएला से तेल खरीदना होगा। इसका असर दिखाई भी दिया। भारत ने अब रूस से तेल खरीदना काफी कम कर दिया है। वहीं रूस अब चीन को ज्यादा तेल बेच रहा है। भारत-अमेरिका ट्रेड डील के बाद रूस ने तेल की कीमत और घटा दी है। उसने चीन को सस्ता तेल खरीदने का ऑफर भी दिया है।

रॉयटर्स के मुताबिक इस हफ्ते रूस से चीन को होने वाले तेल निर्यात पर छूट काफी बढ़ गई है। तेल बेचने वाले दुनिया के सबसे बड़े कच्चे तेल खरीदार, चीन से मांग बढ़ाने के लिए दाम कम कर रहे हैं। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि भारत से होने वाली संभावित बिक्री में कमी की भरपाई की जा सके। अगर भारत ने रूस से तेल खरीदना बंद कर दिया, तो चीन ही सस्ते रूसी तेल का एकमात्र बड़ा खरीदार रह जाएगा। दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा तेल निर्यातक रूस पहले से ही पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के कारण भारत से घटती मांग से जूझ रहा है। इस वजह से रूस का तेल जहाजों में जमा हो रहा है। जेपी मॉर्गन के विश्लेषकों (इनमें नताशा केनेवा भी शामिल हैं) ने 4 फरवरी के एक नोट में लिखा है कि चीन के स्वतंत्र रिफाइनर इस स्थिति का सबसे ज्यादा फायदा उठा रहे हैं। वे भारी छूट और घरेलू नीतियों के सहारे रूस से आने वाले ज्यादातर तेल को खरीद रहे हैं। इससे उनकी कमाई बढ़ रही है, उत्पादन बढ़ रहा है और रणनीतिक भंडार भी मजबूत हो रहा है। जेपी मॉर्गन के विश्लेषकों (इनमें नताशा केनेवा भी शामिल हैं) का मानना है कि अमेरिका के साथ ट्रेड डील के बाद भी भारत हर दिन 8 लाख से 10 लाख बैरल रूसी कच्चा तेल खरीदेगा। यह भारत के कुल कच्चे तेल आयात का 17 से 21त्न होगा। पिछले साल जून में भारत रूस से हर दिन करीब 20 लाख बैरल तेल खरीद रहा था। केप्लर (चश्चद्यद्गह्म्) के आंकड़ों के मुताबिक जनवरी में भारत का रूसी तेल आयात घटकर 11 लाख बैरल प्रति दिन रह गया, जो नवंबर 2022 के बाद सबसे कम है। व्यापारिक सूत्रों के मुताबिक चीन को भेजे जाने वाले रूसी ईएसपीओ मिश्रण तेल पर छूट इस हफ्ते बढ़कर लगभग 9 डॉलर प्रति बैरल हो गई है। पिछले कुछ महीनों में यह छूट 7 से 8 डॉलर प्रति बैरल थी। वहीं बाल्टिक सागर से निर्यात होने वाले रूसी यूराल्स ग्रेड तेल पर छूट लगभग 12 डॉलर प्रति बैरल है। यही यूराल्स तेल आमतौर पर भारत को भेजा जाता है। सूत्रों का कहना है कि यह छूट और भी बढ़ सकती है। महीनों में रूसी कच्चे तेल पर कई सालों की सबसे कम छूट का फायदा उठा रहे हैं। वे इतना ज्यादा रूसी तेल खरीद रहे हैं कि उन्होंने ईरान से तेल लेना भी कम कर दिया है। चूंकि भारत के पीछे हटने से छूट और भी ज्यादा होने की संभावना है, इसलिए आने वाले समय में भी ऐसा ही होता रहेगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)